जन्म पत्रिका

Sample

तारीख	01/01/2002
दिन	मंगलवार
समय	10:00:00
स्थान	DELHI - INDIA
अक्षांश	028.36.N
रेखांक्ष	077.12.E
लग्न	कुम्भ
चन्द्र राशि	कर्क
नक्षत्र	पुष्य
चरण	2

Generated Through Horosoft Professional Edition v5.0

Triple-S Software
207 Balaji Plaza LSC-3 Sector-8 Rohini Delhi-110085
http://www.horosoft.net email sales@horosoft.net

नाम	Sample	दादा का नाम	
लिंग	पुरुष	पिता का नाम	
जन्म तिथि	01/01/2002	माता का नाम	
दिन वार	मंगलवार	जाति	
जन्म समय	10:00:00 घन्टे	गोत्र	
(समय घटी में)	6:53:54 घटी		
जन्म स्थान	DELHI		
अक्षांश	028.36 उत्तर	विक्रमी संवत्	2058
रेखांश	077.12 पूर्व	शक संवत्	1923
समयक्षेत्र	.05.30 घन्टे	मास	पौष
समय संशोधन	00.00 घन्टे	पक्ष	कृष्ण
स्थानीय समय	09:38:48 घन्टे	चन्द्र तिथि	2
स्थानीय तिथि	01/01/2002	सूर्योदय कालीन तिथि	17
सूर्योदय	7: 14: 26 घन्टे	तिथि समाप्ति काल	11:19:35
सूर्यास्त	17: 35: 57 घन्टे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र	पुष्य
दिनमान	10: 21: 31 घन्टे	नक्षत्र समाप्ति काल	21:4:35
विषुव काल	16: 21: 25 घन्टे	सूर्योदय कालीन योग	वैधृति
भयात	27:24:7 घटी	योग समाप्ति काल	15:10:13
भभोग	55:4:40 घटी	सूर्योदय कालीन करण	गर
ऋतु	हेमन्त	करण समाप्ति काल	11:19:35
भोग्य दशा	शनि 9व 6मा 23दि		

अवकहड़ा चक्र

लग्न	कुम्भ
लग्नेश	शनि
राशि	कर्क
राशीश	चन्द्र
नक्षत्र	पुष्य
नक्षत्र स्वामी	शनि
चरण	2
पाया (चंद्र-नक्षत्र)	स्वर्ण-चांदी
योग	वैधृति
करण	गर
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	ब्राह्मण
वश्य	जलचर
वर्ग	मेड़ा
नामाक्षर	हे
युंजा	मध्य
हंसक तत्व	जल

घात चक्र

मास	पौष
तिथि	2- 7- 12
दिन	बुधवार
नक्षत्र	अनुराधा
योग	व्याघात
करण	नाग
प्रहर	1
वर्ग	श्वान
चन्द्र	सिंह

शुभ दिन, वार, रत्न

शुभ दिन	शुक्रवार
शुभांक	7
शुभ रंग	सफेद
शुभ रत्न	हीरा
रत्न धातु	चांदी
रत्न धारक अंगुली	अनामिका (अंगूठें से तीसरी)

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति		स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	कुम्भ	02°04'14''			शनि	धनिष्ठा	3	मंगल	केतु
सूर्य	धनु	16°41'39''	मित्र		गुरु	पूर्वाषाढ़ा	2	शुक्र	चन्द्र
चन्द्र	कर्क	09°57'29''	स्वग्रही		चन्द्र	पुष्य	2	शनि	शुक्र
मंगल	कुम्भ	23°08'17''	सम		शनि	पू भाद्रपद	1	गुरु	शनि
बुध	मकर	01°59'39''	सम		शनि	उत्तराषाढ़ा	2	सूर्य	गुरु
गुरु-व	मिथुन	16°45'38''	शत्रु		बुध	आरद्रा	4	राहु	शुक्र
शुक्र-अ	धनु	13°31'00''	सम	अस्त	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	शुक्र
शनि-व	वृष	15°25'53''	मित्र		शुक्र	रोहिणी	2	चन्द्र	गुरु
राहु-व	मिथुन	03°17'05''	सम		बुध	मृगशिरा	3	मंगल	शुक्र
केतु-व	धनु	03°17'05''	सम		गुरु	मूल	1	केतु	सूर्य
यूरे	मकर	28°35'11''			शनि	धनिष्ठा	2	मंगल	शनि
नेप्च	मकर	13°34'13''			शनि	श्रवण	2	चन्द्र	राहु
प्लूटो	वृश्चिक	22°09'47''			मंगल	ज्येष्ठा	2	बुध	सूर्य

चित्रपक्षीय अयनांश 23: 53: 6 अंश
राहु व केतु के स्पष्ट अंश हैं

जन्म लग्न

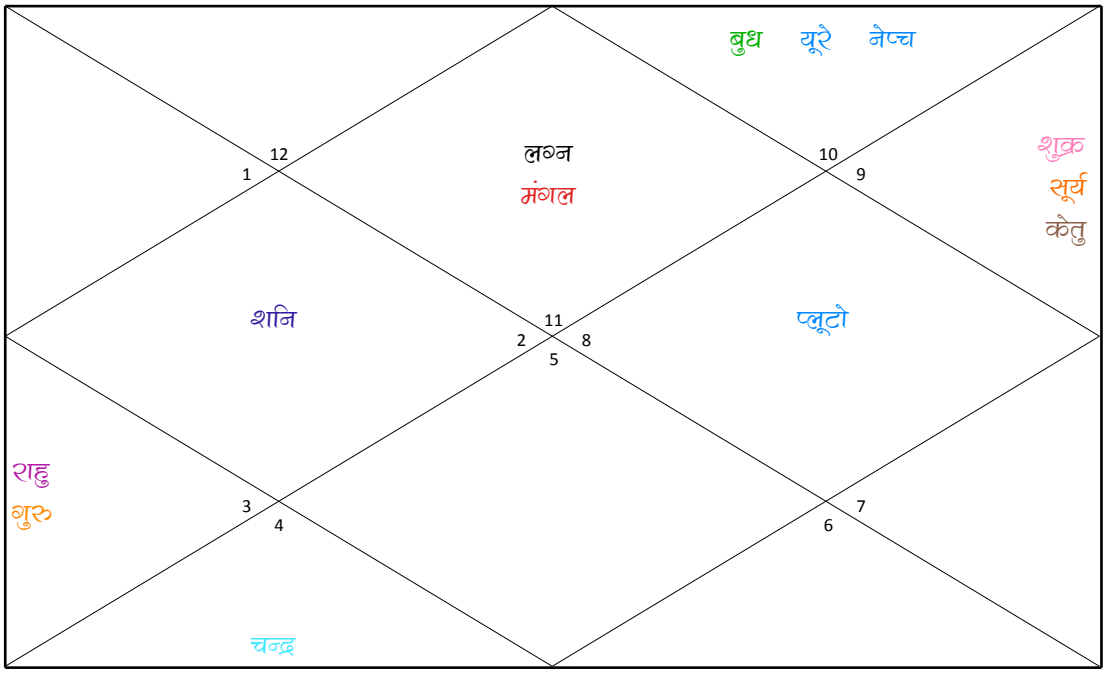

कारकत्व एवं अवस्थाएं

ग्रह	कारक		अवस्थाएं	
	चर कारक	स्थिर कारक	बालादि	शयानादि
सूर्य	भ्रातृ	पिता	युवा	उपवेशन
चन्द्र	ज्ञाति	माता	वृद्ध	उपवेशन
मंगल	आत्म	पराक्रम	वृद्ध	कौतुक
बुध	दारा	बुद्धि	मृत	उपवेशन
गुरु	अमात्य	धन	युवा	उपवेशन
शुक्र	पुत्र	कलत्र	युवा	उपवेशन
शनि	मातृ	आयुष्य	युवा	नृत्यलिप्सा
राहु		भ्रम	बाल	गमन
केतु		मोक्ष	बाल	कौतुक

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू फाल्गुनी	उ फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ	उत्तराषाढ	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू भाद्रपद
उ भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आरद्रा	पुनर्वसु

चन्द्र लग्न

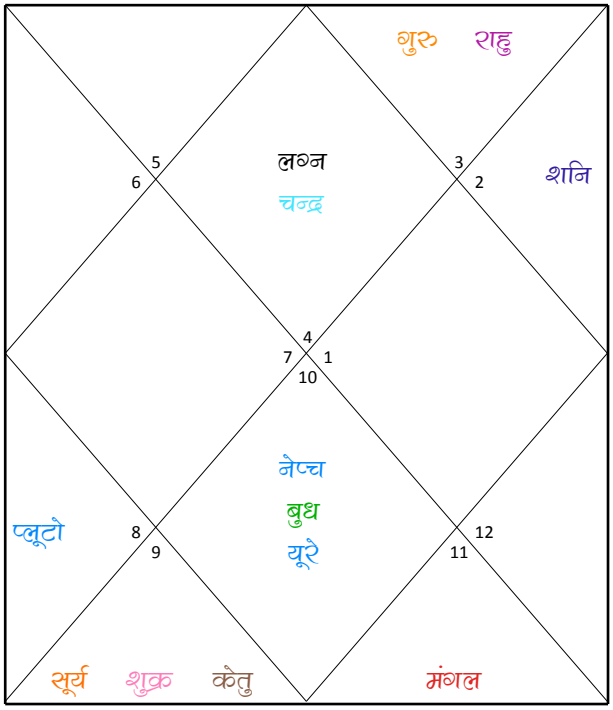

नवमांश

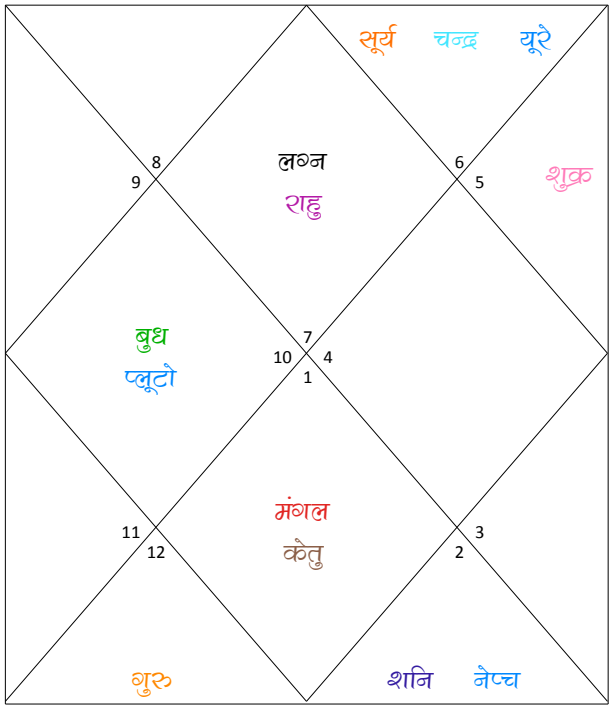

भाव एवं निरयण भाव (कस्प)

भाव	आरम्भ		मध्य	
1	मकर	18:56'	कुम्भ	02:04'
2	कुम्भ	18:56'	मीन	05:48'
3	मीन	22:40'	मेष	09:33'
4	मेष	26:25'	वृष	13:17'
5	वृष	26:25'	मिथुन	09:33'
6	मिथुन	22:40'	कर्क	05:48'
7	कर्क	18:56'	सिंह	02:04'
8	सिंह	18:56'	कन्या	05:48'
9	कन्या	22:40'	तुला	09:33'
10	तुला	26:25'	वृश्चिक	13:17'
11	वृश्चिक	26:25'	धनु	09:33'
12	धनु	22:40'	मकर	05:48'

भाव	राशि	अंश
1	कुम्भ	2:4'14''
2	मीन	13:2'31''
3	मेष	16:41'38''
4	वृष	13:17'36''
5	मिथुन	6:51'10''
6	कर्क	1:25'54''
7	सिंह	2:4'14''
8	कन्या	13:2'31''
9	तुला	16:41'38''
10	वृश्चिक	13:17'36''
11	धनु	6:51'10''
12	मकर	1:25'54''

चलित

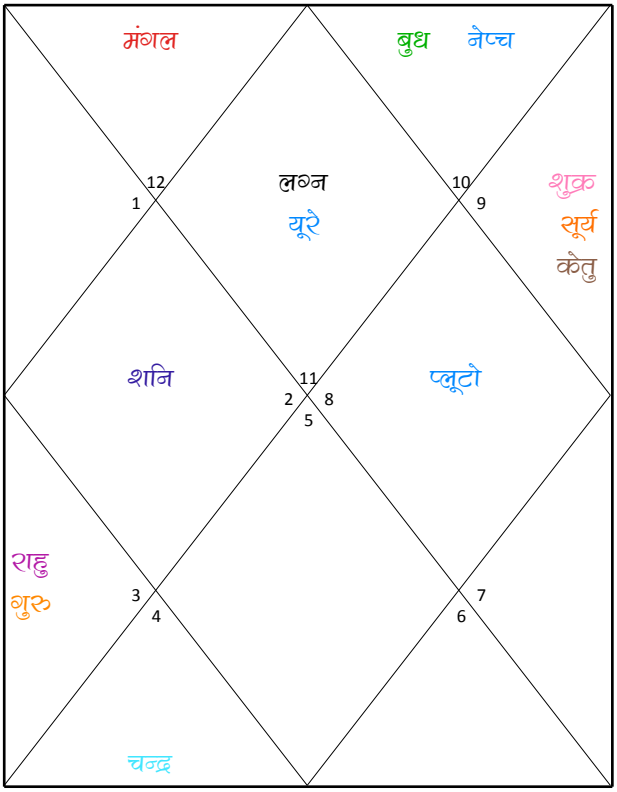

निरयण भाव (कस्प)

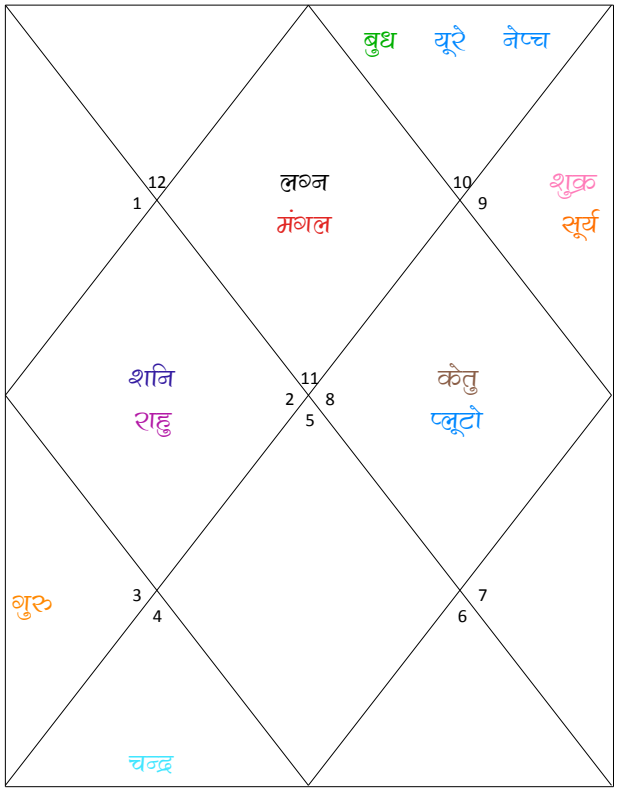

षोडशवर्ग चक्र

जन्म लग्न

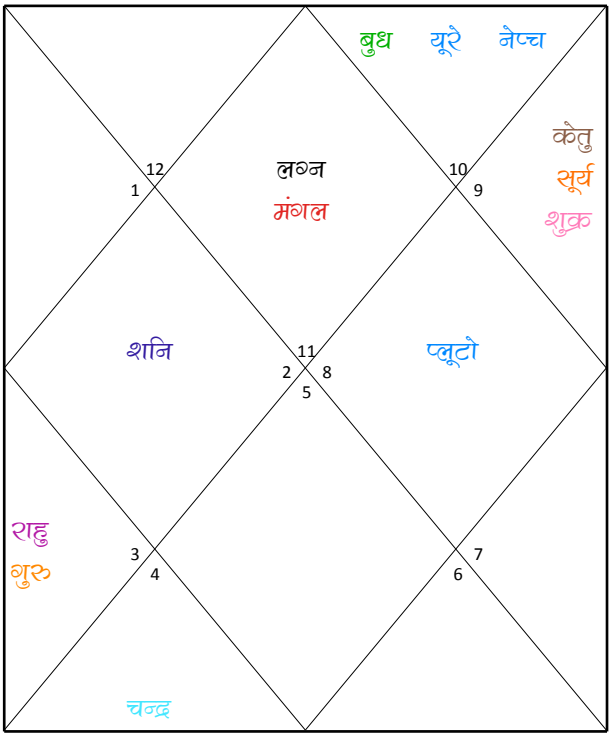

होरा "सम्पति के लिए"

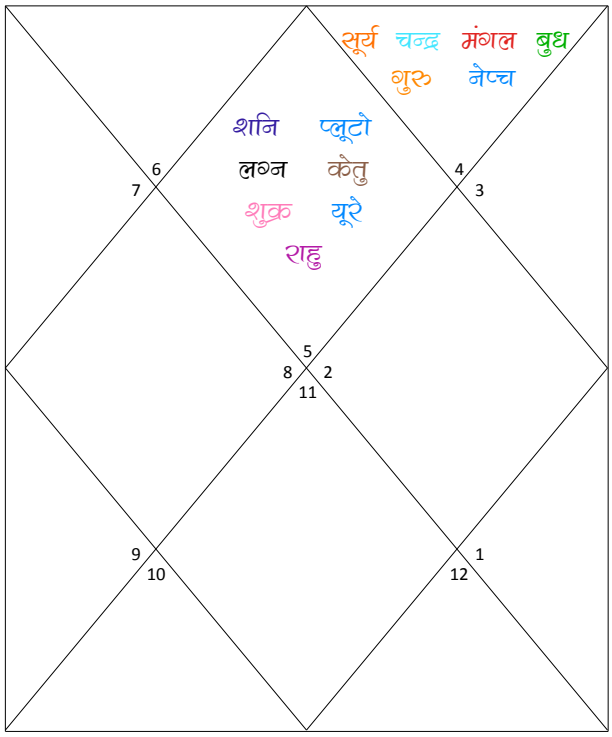

द्रेष्काण "भाई व बहनों के लिए"

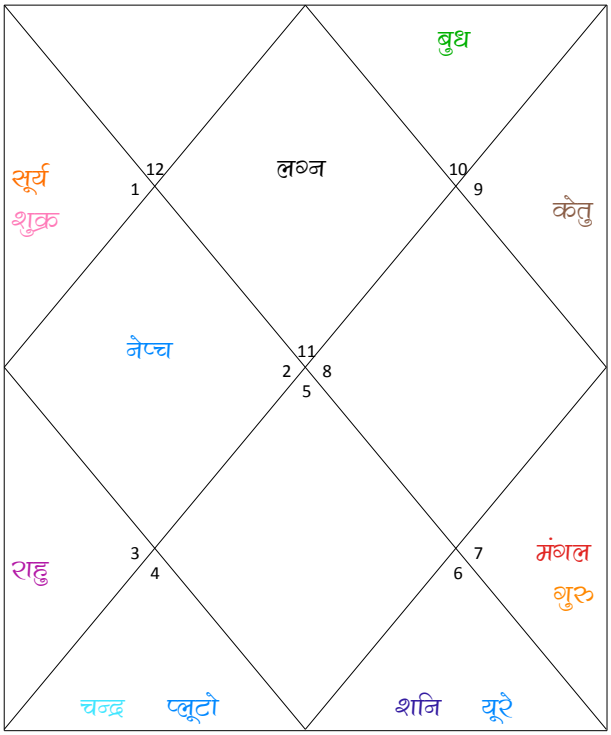

चतुर्थांश "भाग्य के लिए"

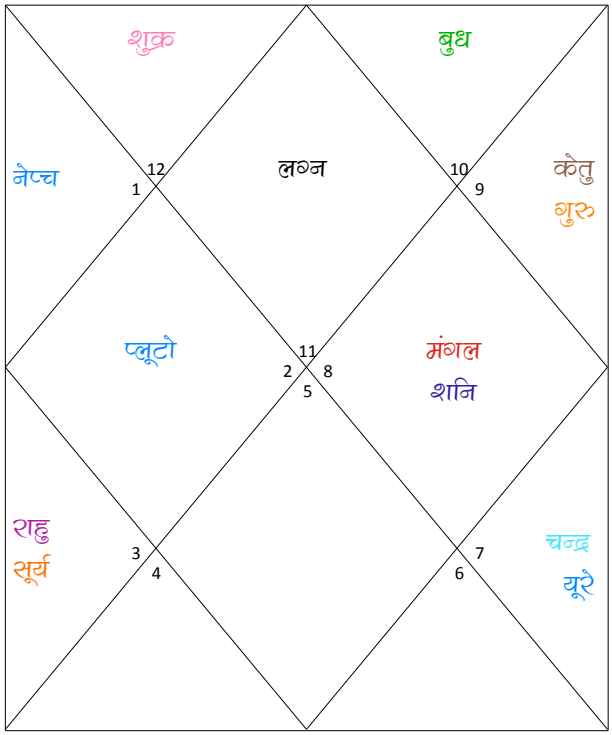

षोडशवर्ग चक्र

सप्तमांश "बच्चों के लिए"

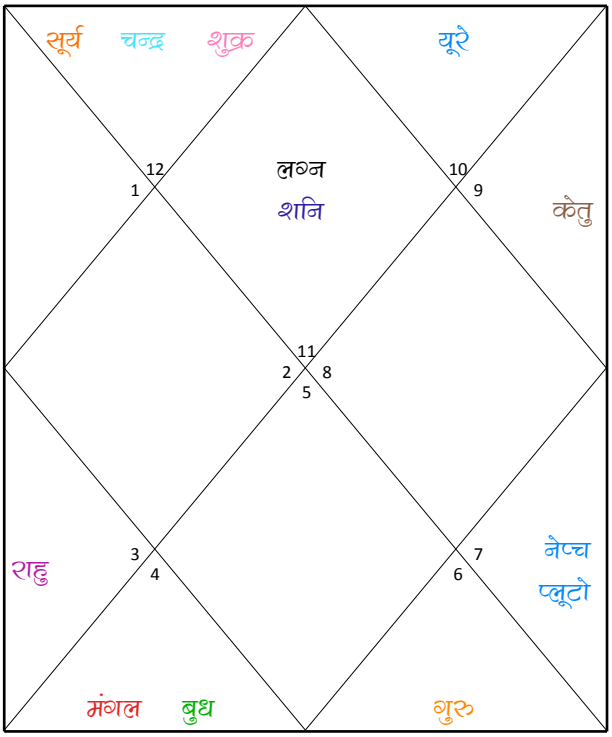

नवमांश

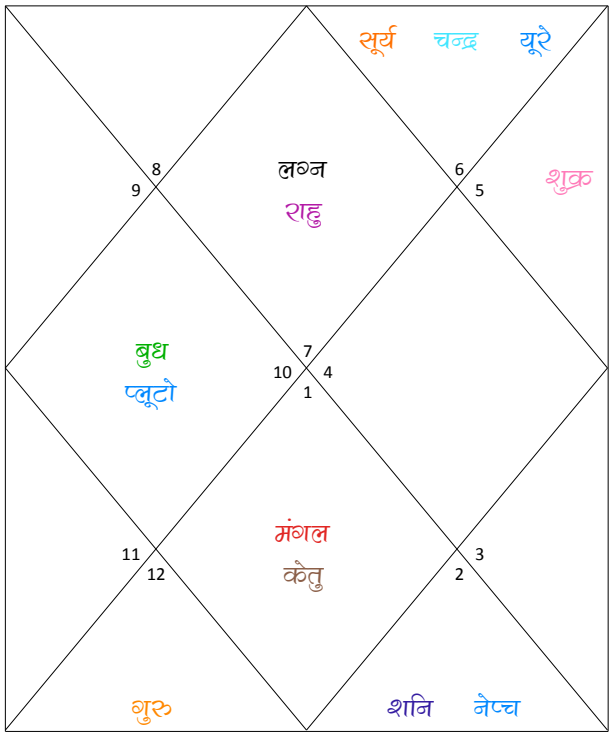

दशमांश "जीवन यापन के लिए"

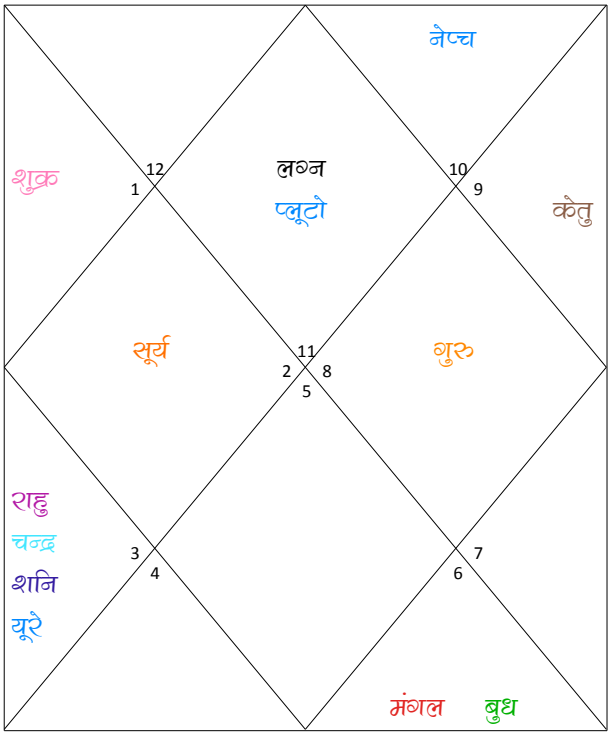

द्वादशांश "माता पिता के लिए"

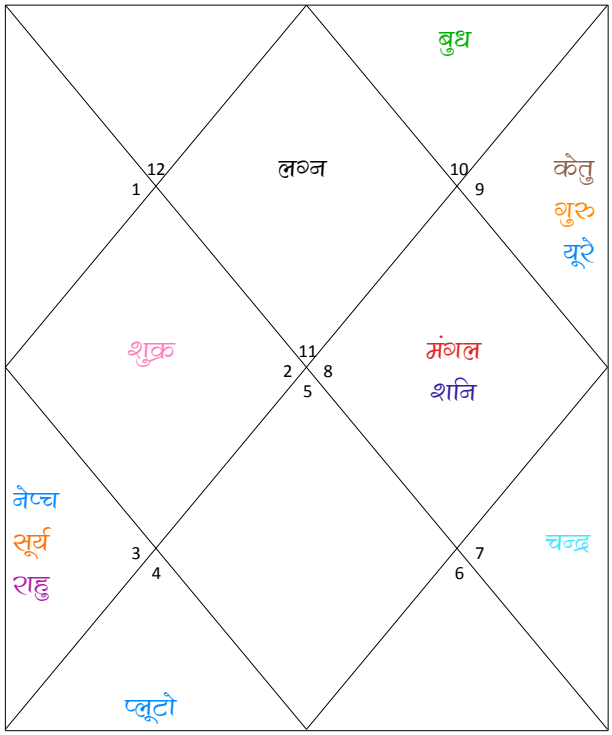

षोडशवर्ग चक्र

षोडशांश "वाहन के लिए"

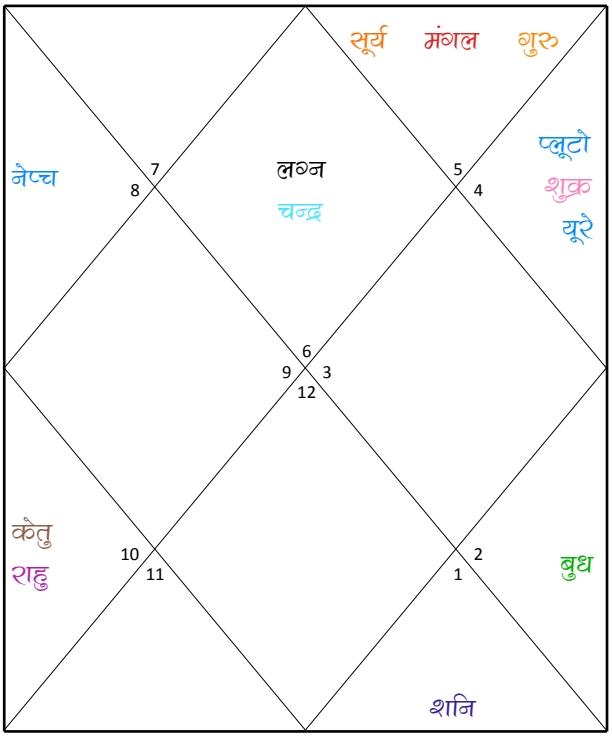

विशांश "धार्मिक प्रवृति के लिए"

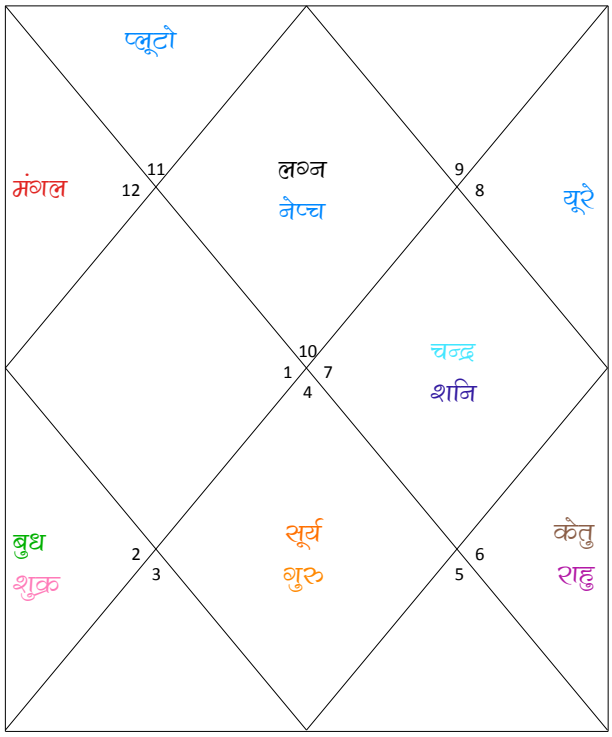

चतुर्विंशांश "विद्या के लिए"

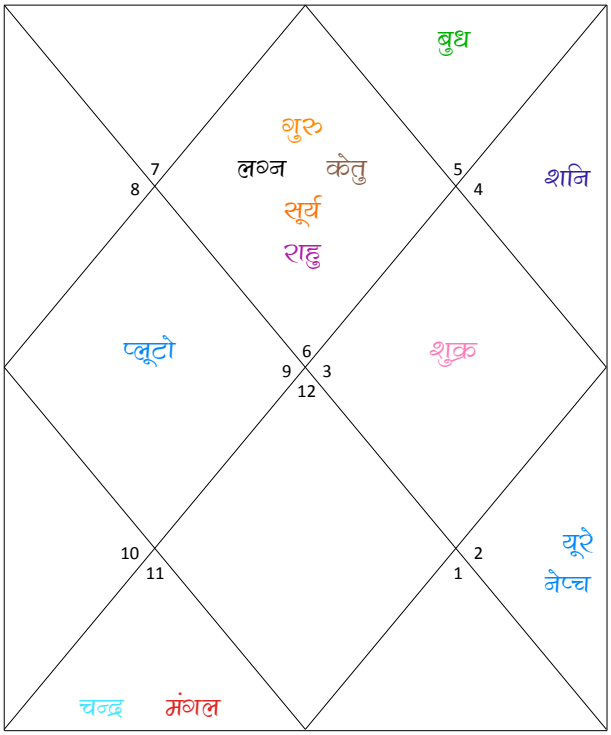

सप्तविंशांश "बलाबल के लिए"

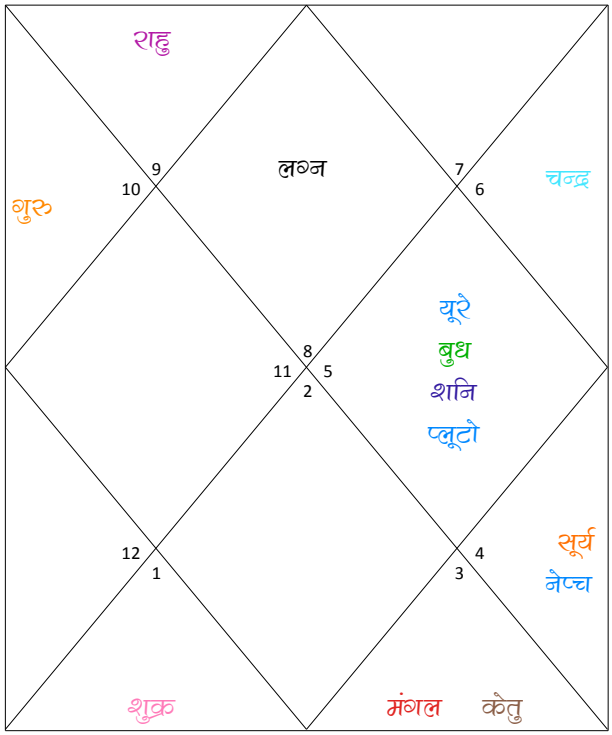

षोडशवर्ग चक्र

त्रिंशांश "अरिष्ट के लिए"

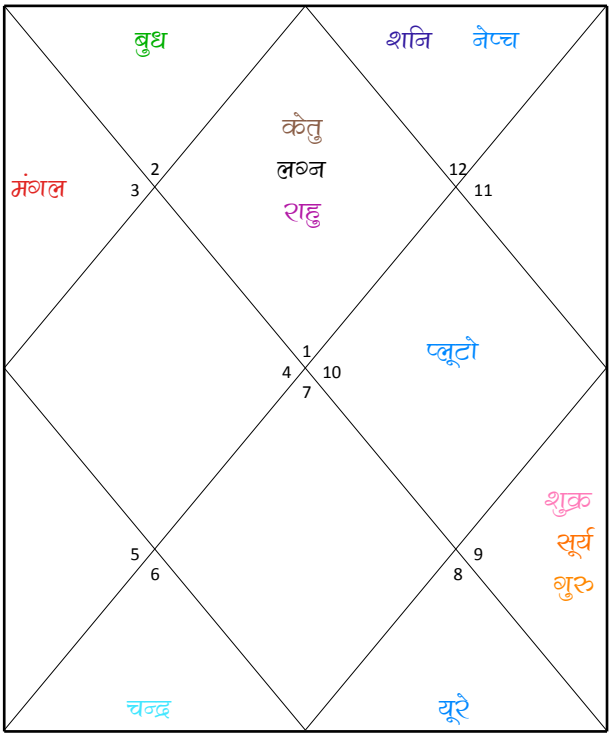

खवेदांश "शुभ के लिए"

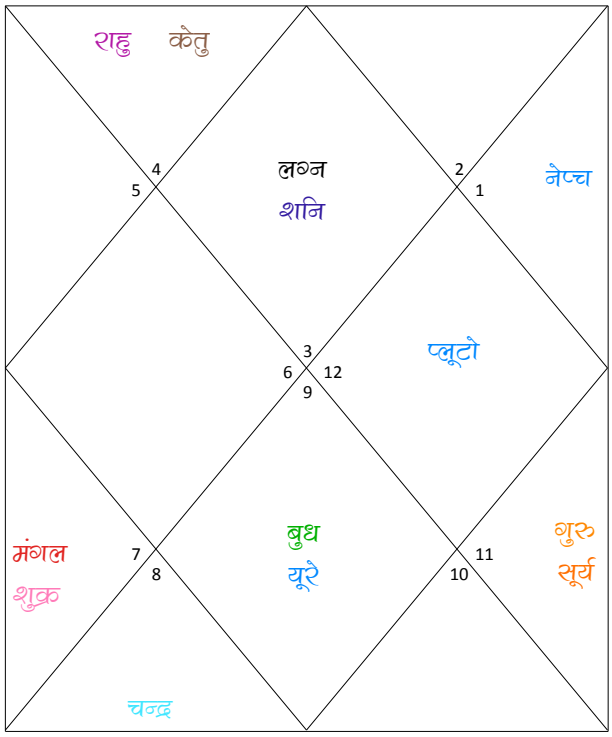

अक्षवेदांश "सर्वास्थिति के लिए"

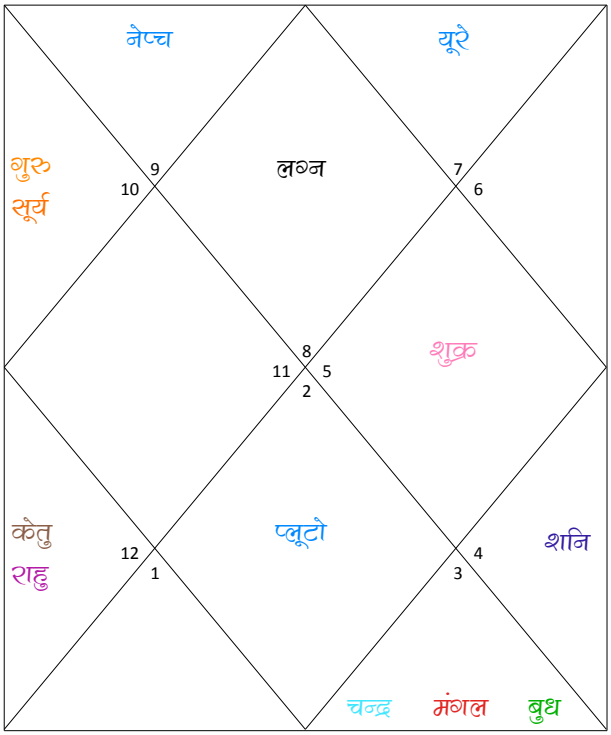

षष्ट्यंश "सर्वास्थिति के लिए"

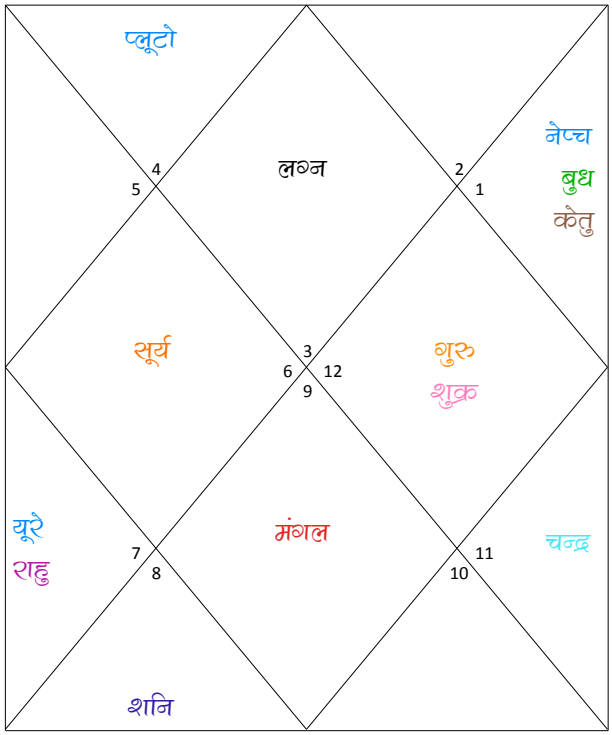

सुदर्शन चक्र

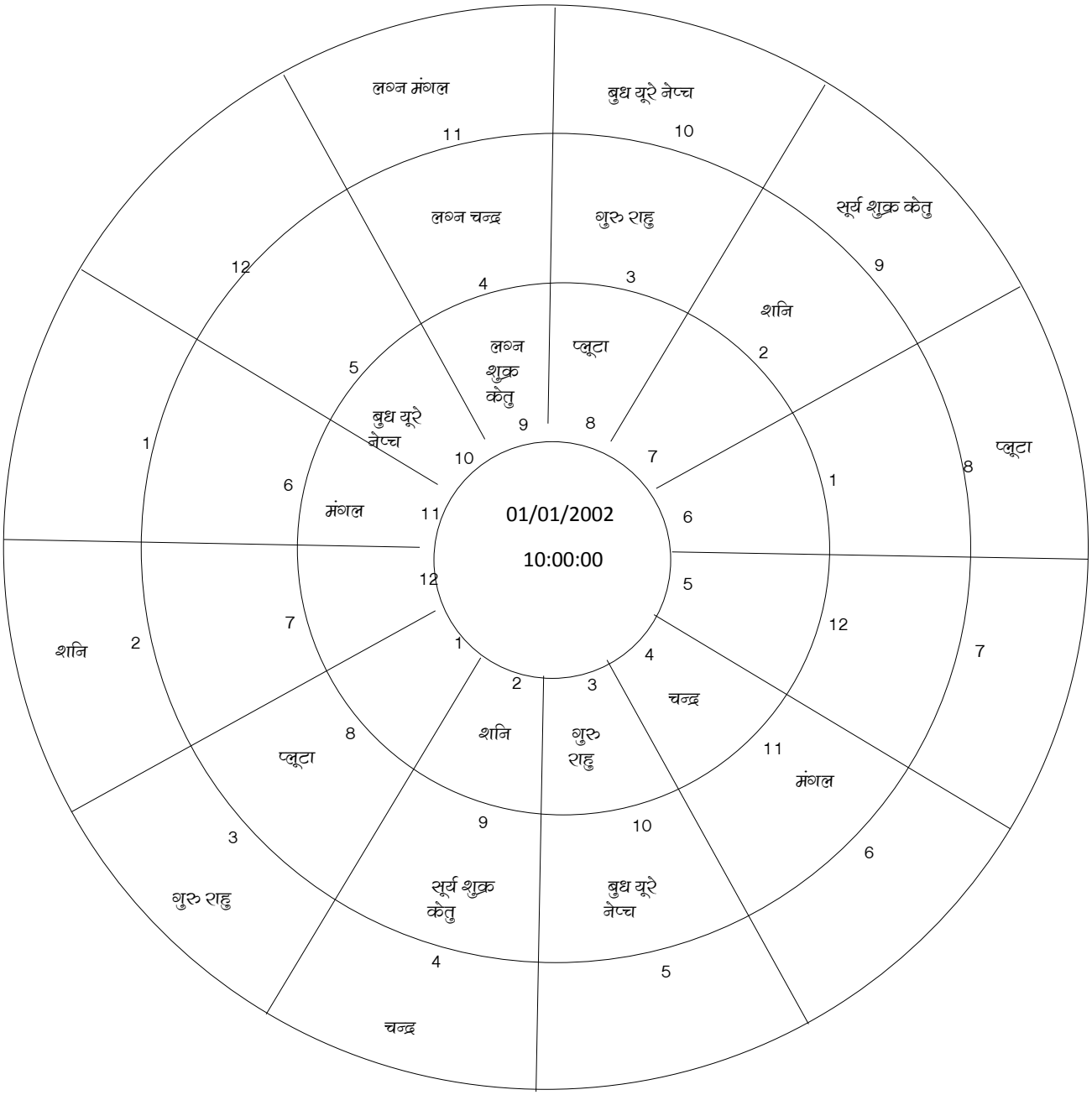

01/01/2002
10:00:00
लग्न मंगल
बुध यूरे नेप्च
सूर्य शुक्र केतु
प्लूटा
मंगल
चन्द्र
गुरु राहु
शनि
लग्न चन्द्र
गुरु राहु
शनि
चन्द्र
मंगल
बुध यूरे नेप्च
सूर्य शुक्र केतु
प्लूटा
लग्न शुक्र केतु
प्लूटा
चन्द्र
गुरु राहु
शनि
मंगल
बुध यूरे नेप्च

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म लग्न	कुम्भ	धनु	कर्क	कुम्भ	मकर	मिथुन	धनु	वृष	मिथुन	धनु
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	कुम्भ	मेष	कर्क	तुला	मकर	तुला	मेष	कन्या	मिथुन	धनु
चतुर्थांश	कुम्भ	मिथुन	तुला	वृश्चिक	मकर	धनु	मीन	वृश्चिक	मिथुन	धनु
सप्तमांश	कुम्भ	मीन	मीन	कर्क	कर्क	कन्या	मीन	कुम्भ	मिथुन	धनु
नवमांश	तुला	कन्या	कन्या	मेष	मकर	मीन	सिंह	वृष	तुला	मेष
दशमांश	कुम्भ	वृष	मिथुन	कन्या	कन्या	वृश्चिक	मेष	मिथुन	कर्क	मकर
द्वादशांश	कुम्भ	मिथुन	तुला	वृश्चिक	मकर	धनु	वृष	वृश्चिक	कर्क	मकर
षोडशांश	कन्या	सिंह	कन्या	सिंह	वृष	सिंह	कर्क	मेष	मकर	मकर
विशांश	मकर	कर्क	तुला	मीन	वृष	कर्क	वृष	तुला	तुला	तुला
चतुर्विंशांश	कन्या	कन्या	कुम्भ	कुम्भ	सिंह	कन्या	मिथुन	कर्क	तुला	तुला
सप्तविंशांश	वृश्चिक	कर्क	कन्या	मिथुन	सिंह	मकर	मेष	सिंह	धनु	मिथुन
त्रिंशांशा	मेष	धनु	कन्या	मिथुन	वृष	धनु	धनु	मीन	मेष	मेष
खवेदांश	मिथुन	कुम्भ	वृश्चिक	तुला	धनु	कुम्भ	तुला	मिथुन	सिंह	सिंह
अक्षवेदांश	वृश्चिक	मकर	मिथुन	मिथुन	मिथुन	मकर	सिंह	कर्क	मेष	मेष
षष्ट्यंश	मिथुन	कन्या	कुम्भ	धनु	मेष	मीन	मीन	वृश्चिक	धनु	मिथुन

विंशोपक बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	13.35	15.70	16.00	7.35	12.30	9.20	9.75	7.75	9.90
सप्तवर्ग	12.95	14.58	15.50	7.80	13.05	10.68	10.50	7.65	8.83
दशवर्ग	12.98	14.40	13.23	11.33	13.85	8.73	10.75	8.20	10.05
षोडशवर्ग	13.15	13.70	14.18	11.58	14.10	8.40	10.13	8.55	10.98

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा - शनि 9वर्ष 6मास 23दिन

शनि 19 वर्ष

शनि	00/00/0000 - 00/00/0000
बुध	00/00/0000 - 00/00/0000
केतु	00/00/0000 - 00/00/0000
शुक्र	01/01/2002 - 15/07/2002
सूर्य	15/07/2002 - 27/06/2003
चन्द्र	27/06/2003 - 25/01/2005
मंगल	25/01/2005 - 06/03/2006
राहु	06/03/2006 - 10/01/2009
गुरु	10/01/2009 - 24/07/2011

बुध 17 वर्ष

बुध	24/07/2011 - 20/12/2013
केतु	20/12/2013 - 17/12/2014
शुक्र	17/12/2014 - 17/10/2017
सूर्य	17/10/2017 - 23/08/2018
चन्द्र	23/08/2018 - 23/01/2020
मंगल	23/01/2020 - 19/01/2021
राहु	19/01/2021 - 09/08/2023
गुरु	09/08/2023 - 14/11/2025
शनि	14/11/2025 - 24/07/2028

केतु 7 वर्ष

केतु	24/07/2028 - 20/12/2028
शुक्र	20/12/2028 - 19/02/2030
सूर्य	19/02/2030 - 27/06/2030
चन्द्र	27/06/2030 - 26/01/2031
मंगल	26/01/2031 - 24/06/2031
राहु	24/06/2031 - 11/07/2032
गुरु	11/07/2032 - 17/06/2033
शनि	17/06/2033 - 27/07/2034
बुध	27/07/2034 - 24/07/2035

शुक्र 20 वर्ष

शुक्र	24/07/2035 - 22/11/2038
सूर्य	22/11/2038 - 23/11/2039
चन्द्र	23/11/2039 - 23/07/2041
मंगल	23/07/2041 - 22/09/2042
राहु	22/09/2042 - 22/09/2045
गुरु	22/09/2045 - 23/05/2048
शनि	23/05/2048 - 24/07/2051
बुध	24/07/2051 - 24/05/2054
केतु	24/05/2054 - 24/07/2055

सूर्य 6 वर्ष

सूर्य	24/07/2055 - 10/11/2055
चन्द्र	10/11/2055 - 11/05/2056
मंगल	11/05/2056 - 16/09/2056
राहु	16/09/2056 - 11/08/2057
गुरु	11/08/2057 - 30/05/2058
शनि	30/05/2058 - 12/05/2059
बुध	12/05/2059 - 18/03/2060
केतु	18/03/2060 - 24/07/2060
शुक्र	24/07/2060 - 24/07/2061

चन्द्र 10 वर्ष

चन्द्र	24/07/2061 - 24/05/2062
मंगल	24/05/2062 - 23/12/2062
राहु	23/12/2062 - 23/06/2064
गुरु	23/06/2064 - 23/10/2065
शनि	23/10/2065 - 24/05/2067
बुध	24/05/2067 - 23/10/2068
केतु	23/10/2068 - 24/05/2069
शुक्र	24/05/2069 - 22/01/2071
सूर्य	22/01/2071 - 24/07/2071

मंगल 7 वर्ष

मंगल	24/07/2071 - 20/12/2071
राहु	20/12/2071 - 07/01/2073
गुरु	07/01/2073 - 13/12/2073
शनि	13/12/2073 - 22/01/2075
बुध	22/01/2075 - 20/01/2076
केतु	20/01/2076 - 17/06/2076
शुक्र	17/06/2076 - 17/08/2077
सूर्य	17/08/2077 - 23/12/2077
चन्द्र	23/12/2077 - 24/07/2078

राहु 18 वर्ष

राहु	24/07/2078 - 05/04/2081
गुरु	05/04/2081 - 30/08/2083
शनि	30/08/2083 - 06/07/2086
बुध	06/07/2086 - 22/01/2089
केतु	22/01/2089 - 10/02/2090
शुक्र	10/02/2090 - 10/02/2093
सूर्य	10/02/2093 - 04/01/2094
चन्द्र	04/01/2094 - 06/07/2095
मंगल	06/07/2095 - 24/07/2096

गुरु 16 वर्ष

गुरु	24/07/2096 - 11/09/2098
शनि	11/09/2098 - 25/03/2101
बुध	25/03/2101 - 01/07/2103
केतु	01/07/2103 - 06/06/2104
शुक्र	06/06/2104 - 04/02/2107
सूर्य	04/02/2107 - 24/11/2107
चन्द्र	24/11/2107 - 25/03/2109
मंगल	25/03/2109 - 28/02/2110
राहु	28/02/2110 - 24/07/2112

भोग्य दशा - शनि 9वर्ष 6मास 23दिन

बुध - चन्द्र

चन्द्र	23/08/2018 - 05/10/2018
मंगल	05/10/2018 - 05/11/2018
राहु	05/11/2018 - 21/01/2019
गुरु	21/01/2019 - 31/03/2019
शनि	31/03/2019 - 21/06/2019
बुध	21/06/2019 - 03/09/2019
केतु	03/09/2019 - 03/10/2019
शुक्र	03/10/2019 - 28/12/2019
सूर्य	28/12/2019 - 23/01/2020

बुध - मंगल

मंगल	23/01/2020 - 13/02/2020
राहु	13/02/2020 - 07/04/2020
गुरु	07/04/2020 - 26/05/2020
शनि	26/05/2020 - 22/07/2020
बुध	22/07/2020 - 11/09/2020
केतु	11/09/2020 - 02/10/2020
शुक्र	02/10/2020 - 02/12/2020
सूर्य	02/12/2020 - 20/12/2020
चन्द्र	20/12/2020 - 19/01/2021

बुध - राहु

राहु	19/01/2021 - 08/06/2021
गुरु	08/06/2021 - 10/10/2021
शनि	10/10/2021 - 06/03/2022
बुध	06/03/2022 - 16/07/2022
केतु	16/07/2022 - 09/09/2022
शुक्र	09/09/2022 - 11/02/2023
सूर्य	11/02/2023 - 30/03/2023
चन्द्र	30/03/2023 - 15/06/2023
मंगल	15/06/2023 - 09/08/2023

बुध - गुरु

गुरु	09/08/2023 - 27/11/2023
शनि	27/11/2023 - 06/04/2024
बुध	06/04/2024 - 01/08/2024
केतु	01/08/2024 - 19/09/2024
शुक्र	19/09/2024 - 04/02/2025
सूर्य	04/02/2025 - 17/03/2025
चन्द्र	17/03/2025 - 25/05/2025
मंगल	25/05/2025 - 12/07/2025
राहु	12/07/2025 - 14/11/2025

बुध - शनि

शनि	14/11/2025 - 18/04/2026
बुध	18/04/2026 - 05/09/2026
केतु	05/09/2026 - 01/11/2026
शुक्र	01/11/2026 - 14/04/2027
सूर्य	14/04/2027 - 02/06/2027
चन्द्र	02/06/2027 - 23/08/2027
मंगल	23/08/2027 - 19/10/2027
राहु	19/10/2027 - 15/03/2028
गुरु	15/03/2028 - 24/07/2028

केतु - केतु

केतु	24/07/2028 - 02/08/2028
शुक्र	02/08/2028 - 26/08/2028
सूर्य	26/08/2028 - 03/09/2028
चन्द्र	03/09/2028 - 15/09/2028
मंगल	15/09/2028 - 24/09/2028
राहु	24/09/2028 - 16/10/2028
गुरु	16/10/2028 - 05/11/2028
शनि	05/11/2028 - 29/11/2028
बुध	29/11/2028 - 20/12/2028

केतु - शुक्र

शुक्र	20/12/2028 - 01/03/2029
सूर्य	01/03/2029 - 22/03/2029
चन्द्र	22/03/2029 - 27/04/2029
मंगल	27/04/2029 - 22/05/2029
राहु	22/05/2029 - 24/07/2029
गुरु	24/07/2029 - 19/09/2029
शनि	19/09/2029 - 26/11/2029
बुध	26/11/2029 - 25/01/2030
केतु	25/01/2030 - 19/02/2030

केतु - सूर्य

सूर्य	19/02/2030 - 25/02/2030
चन्द्र	25/02/2030 - 08/03/2030
मंगल	08/03/2030 - 15/03/2030
राहु	15/03/2030 - 04/04/2030
गुरु	04/04/2030 - 21/04/2030
शनि	21/04/2030 - 11/05/2030
बुध	11/05/2030 - 29/05/2030
केतु	29/05/2030 - 05/06/2030
शुक्र	05/06/2030 - 27/06/2030

केतु - चन्द्र

चन्द्र	27/06/2030 - 14/07/2030
मंगल	14/07/2030 - 27/07/2030
राहु	27/07/2030 - 28/08/2030
गुरु	28/08/2030 - 25/09/2030
शनि	25/09/2030 - 29/10/2030
बुध	29/10/2030 - 28/11/2030
केतु	28/11/2030 - 11/12/2030
शुक्र	11/12/2030 - 15/01/2031
सूर्य	15/01/2031 - 26/01/2031

भोग्य दशा - शनि 9वर्ष 6मास 23दिन

बुध - चन्द्र - बुध

बुध	02/07/2019 02:15:45
केतु	06/07/2019 08:54:00
शुक्र	18/07/2019 14:09:00
सूर्य	22/07/2019 06:07:30
चन्द्र	28/07/2019 08:45:00
मंगल	01/08/2019 15:23:15
राहु	12/08/2019 15:18:45
गुरु	22/08/2019 09:54:45
शनि	03/09/2019 00:30:00

बुध - चन्द्र - केतु

केतु	04/09/2019 18:45:45
शुक्र	09/09/2019 19:30:45
सूर्य	11/09/2019 07:44:15
चन्द्र	13/09/2019 20:06:45
मंगल	15/09/2019 14:22:30
राहु	20/09/2019 03:03:00
गुरु	24/09/2019 03:39:00
शनि	28/09/2019 22:21:45
बुध	03/10/2019 05:00:00

बुध - चन्द्र - शुक्र

शुक्र	17/10/2019 14:00:00
सूर्य	21/10/2019 21:30:00
चन्द्र	29/10/2019 02:00:00
मंगल	03/11/2019 02:45:00
राहु	16/11/2019 01:15:00
गुरु	27/11/2019 13:15:00
शनि	11/12/2019 05:00:00
बुध	23/12/2019 10:15:00
केतु	28/12/2019 11:00:00

बुध - चन्द्र - सूर्य

सूर्य	29/12/2019 18:03:00
चन्द्र	31/12/2019 21:48:00
मंगल	02/01/2020 10:01:30
राहु	06/01/2020 07:10:30
गुरु	09/01/2020 17:58:30
शनि	13/01/2020 20:18:00
बुध	17/01/2020 12:16:30
केतु	19/01/2020 00:30:00
शुक्र	23/01/2020 08:00:00

बुध - मंगल - मंगल

मंगल	24/01/2020 13:35:01
राहु	27/01/2020 17:39:22
गुरु	30/01/2020 13:16:34
शनि	02/02/2020 21:34:29
बुध	05/02/2020 21:25:15
केतु	07/02/2020 03:00:16
शुक्र	10/02/2020 15:31:46
सूर्य	11/02/2020 16:53:13
चन्द्र	13/02/2020 11:08:58

बुध - मंगल - राहु

राहु	21/02/2020 14:45:54
गुरु	28/02/2020 20:38:42
शनि	08/03/2020 11:07:39
बुध	16/03/2020 03:52:30
केतु	19/03/2020 07:56:51
शुक्र	28/03/2020 09:17:51
सूर्य	31/03/2020 02:30:09
चन्द्र	04/04/2020 15:10:39
मंगल	07/04/2020 19:15:00

बुध - मंगल - गुरु

गुरु	14/04/2020 05:48:36
शनि	21/04/2020 21:21:00
बुध	28/04/2020 17:34:12
केतु	01/05/2020 13:11:24
शुक्र	09/05/2020 14:23:24
सूर्य	12/05/2020 00:21:00
चन्द्र	16/05/2020 00:57:00
मंगल	18/05/2020 20:34:12
राहु	26/05/2020 02:27:00

बुध - मंगल - शनि

शनि	04/06/2020 04:24:13
बुध	12/06/2020 07:24:53
केतु	15/06/2020 15:42:48
शुक्र	25/06/2020 05:08:18
सूर्य	28/06/2020 01:57:57
चन्द्र	02/07/2020 20:40:42
मंगल	06/07/2020 04:58:37
राहु	14/07/2020 19:27:34
गुरु	22/07/2020 10:59:58

बुध - मंगल - बुध

बुध	29/07/2020 17:29:01
केतु	01/08/2020 17:19:47
शुक्र	10/08/2020 06:36:17
सूर्य	12/08/2020 20:11:14
चन्द्र	17/08/2020 02:49:29
मंगल	20/08/2020 02:40:15
राहु	27/08/2020 19:25:06
गुरु	03/09/2020 15:38:18
शनि	11/09/2020 18:38:58

भोग्य दशा - शनि 9वर्ष 6मास 23दिन

बुध - चन्द्र - बुध - शुक्र

शुक्र	08/07/2019 09:46:30
सूर्य	09/07/2019 00:26:15
चन्द्र	10/07/2019 00:52:30
मंगल	10/07/2019 17:58:52
राहु	12/07/2019 13:58:07
गुरु	14/07/2019 05:04:07
शनि	16/07/2019 03:29:59
बुध	17/07/2019 21:02:36
केतु	18/07/2019 14:08:58

बुध - चन्द्र - बुध - सूर्य

सूर्य	18/07/2019 18:32:55
चन्द्र	19/07/2019 01:52:47
मंगल	19/07/2019 07:00:41
राहु	19/07/2019 20:12:27
गुरु	20/07/2019 07:56:15
शनि	20/07/2019 21:52:00
बुध	21/07/2019 10:19:47
केतु	21/07/2019 15:27:41
शुक्र	22/07/2019 06:07:26

बुध - चन्द्र - बुध - चन्द्र

चन्द्र	22/07/2019 18:20:37
मंगल	23/07/2019 02:53:48
राहु	24/07/2019 00:53:25
गुरु	24/07/2019 20:26:25
शनि	25/07/2019 19:39:21
बुध	26/07/2019 16:25:39
केतु	27/07/2019 00:58:50
शुक्र	28/07/2019 01:25:05
सूर्य	28/07/2019 08:44:57

बुध - चन्द्र - बुध - मंगल

मंगल	28/07/2019 14:44:13
राहु	29/07/2019 06:07:57
गुरु	29/07/2019 19:49:03
शनि	30/07/2019 12:04:06
बुध	31/07/2019 02:36:31
केतु	31/07/2019 08:35:44
शुक्र	01/08/2019 01:42:06
सूर्य	01/08/2019 06:50:00
चन्द्र	01/08/2019 15:23:11

बुध - चन्द्र - बुध - राहु

राहु	03/08/2019 06:58:34
गुरु	04/08/2019 18:09:58
शनि	06/08/2019 11:57:15
बुध	08/08/2019 01:20:36
केतु	08/08/2019 16:44:20
शुक्र	10/08/2019 12:43:35
सूर्य	11/08/2019 01:55:21
चन्द्र	11/08/2019 23:54:58
मंगल	12/08/2019 15:18:42

बुध - चन्द्र - बुध - गुरु

गुरु	13/08/2019 22:35:33
शनि	15/08/2019 11:44:15
बुध	16/08/2019 20:58:21
केतु	17/08/2019 10:39:27
शुक्र	19/08/2019 01:45:27
सूर्य	19/08/2019 13:29:15
चन्द्र	20/08/2019 09:02:15
मंगल	20/08/2019 22:43:21
राहु	22/08/2019 09:54:45

बुध - चन्द्र - बुध - शनि

शनि	24/08/2019 06:01:19
बुध	25/08/2019 21:29:18
केतु	26/08/2019 13:44:21
शुक्र	28/08/2019 12:10:13
सूर्य	29/08/2019 02:05:58
चन्द्र	30/08/2019 01:18:54
मंगल	30/08/2019 17:33:57
राहु	01/09/2019 11:21:14
गुरु	03/09/2019 00:29:56

बुध - चन्द्र - केतु - केतु

केतु	03/09/2019 02:57:55
शुक्र	03/09/2019 10:00:32
सूर्य	03/09/2019 12:07:19
चन्द्र	03/09/2019 15:38:37
मंगल	03/09/2019 18:06:32
राहु	04/09/2019 00:26:53
गुरु	04/09/2019 06:04:59
शनि	04/09/2019 12:46:28
बुध	04/09/2019 18:45:41

बुध - चन्द्र - केतु - शुक्र

शुक्र	05/09/2019 14:53:15
सूर्य	05/09/2019 20:55:30
चन्द्र	06/09/2019 06:59:15
मंगल	06/09/2019 14:01:52
राहु	07/09/2019 08:08:37
गुरु	08/09/2019 00:14:37
शनि	08/09/2019 19:21:44
बुध	09/09/2019 12:28:06
केतु	09/09/2019 19:30:43

भोग्य दशा - शनि 9वर्ष 6मास 23दिन

बुध - चन्द्र - केतु - सूर्य

सूर्य	09/09/2019 21:19:25
चन्द्र	10/09/2019 00:20:32
मंगल	10/09/2019 02:27:19
राहु	10/09/2019 07:53:20
गुरु	10/09/2019 12:43:08
शनि	10/09/2019 18:27:16
बुध	10/09/2019 23:35:10
केतु	11/09/2019 01:41:57
शुक्र	11/09/2019 07:44:12

बुध - चन्द्र - केतु - चन्द्र

चन्द्र	11/09/2019 12:46:07
मंगल	11/09/2019 16:17:25
राहु	12/09/2019 01:20:47
गुरु	12/09/2019 09:23:47
शनि	12/09/2019 18:57:20
बुध	13/09/2019 03:30:31
केतु	13/09/2019 07:01:49
शुक्र	13/09/2019 17:05:34
सूर्य	13/09/2019 20:06:41

बुध - चन्द्र - केतु - मंगल

मंगल	13/09/2019 22:34:40
राहु	14/09/2019 04:55:01
गुरु	14/09/2019 10:33:07
शनि	14/09/2019 17:14:36
बुध	14/09/2019 23:13:49
केतु	15/09/2019 01:41:44
शुक्र	15/09/2019 08:44:21
सूर्य	15/09/2019 10:51:08
चन्द्र	15/09/2019 14:22:26

बुध - चन्द्र - केतु - राहु

राहु	16/09/2019 06:40:34
गुरु	16/09/2019 21:09:58
शनि	17/09/2019 14:22:22
बुध	18/09/2019 05:46:06
केतु	18/09/2019 12:06:27
शुक्र	19/09/2019 06:13:12
सूर्य	19/09/2019 11:39:13
चन्द्र	19/09/2019 20:42:35
मंगल	20/09/2019 03:02:56

बुध - चन्द्र - केतु - गुरु

गुरु	20/09/2019 15:55:48
शनि	21/09/2019 07:13:30
बुध	21/09/2019 20:54:36
केतु	22/09/2019 02:32:42
शुक्र	22/09/2019 18:38:42
सूर्य	22/09/2019 23:28:30
चन्द्र	23/09/2019 07:31:30
मंगल	23/09/2019 13:09:36
राहु	24/09/2019 03:39:00

बुध - चन्द्र - केतु - शनि

शनि	24/09/2019 21:48:46
बुध	25/09/2019 14:03:49
केतु	25/09/2019 20:45:18
शुक्र	26/09/2019 15:52:25
सूर्य	26/09/2019 21:36:33
चन्द्र	27/09/2019 07:10:06
मंगल	27/09/2019 13:51:35
राहु	28/09/2019 07:03:59
गुरु	28/09/2019 22:21:41

बुध - चन्द्र - केतु - बुध

बुध	29/09/2019 12:54:10
केतु	29/09/2019 18:53:23
शुक्र	30/09/2019 11:59:45
सूर्य	30/09/2019 17:07:39
चन्द्र	01/10/2019 01:40:50
मंगल	01/10/2019 07:40:03
राहु	01/10/2019 23:03:47
गुरु	02/10/2019 12:44:53
शनि	03/10/2019 04:59:56

बुध - चन्द्र - शुक्र - शुक्र

शुक्र	05/10/2019 14:30:00
सूर्य	06/10/2019 07:45:00
चन्द्र	07/10/2019 12:30:00
मंगल	08/10/2019 08:37:30
राहु	10/10/2019 12:22:30
गुरु	12/10/2019 10:22:30
शनि	14/10/2019 17:00:00
बुध	16/10/2019 17:52:30
केतु	17/10/2019 14:00:00

बुध - चन्द्र - शुक्र - सूर्य

सूर्य	17/10/2019 19:10:30
चन्द्र	18/10/2019 03:48:00
मंगल	18/10/2019 09:50:15
राहु	19/10/2019 01:21:45
गुरु	19/10/2019 15:09:45
शनि	20/10/2019 07:33:00
बुध	20/10/2019 22:12:45
केतु	21/10/2019 04:15:00
शुक्र	21/10/2019 21:30:00

भोग्य दशा - शनि 9वर्ष 6मास 23दिन

बुध - चन्द्र - शुक्र - चन्द्र

चन्द्र	22/10/2019 11:52:30
मंगल	22/10/2019 21:56:15
राहु	23/10/2019 23:48:45
गुरु	24/10/2019 22:48:45
शनि	26/10/2019 02:07:30
बुध	27/10/2019 02:33:45
केतु	27/10/2019 12:37:30
शुक्र	28/10/2019 17:22:30
सूर्य	29/10/2019 02:00:00

बुध - चन्द्र - शुक्र - मंगल

मंगल	29/10/2019 09:02:37
राहु	30/10/2019 03:09:22
गुरु	30/10/2019 19:15:22
शनि	31/10/2019 14:22:29
बुध	01/11/2019 07:28:51
केतु	01/11/2019 14:31:28
शुक्र	02/11/2019 10:38:58
सूर्य	02/11/2019 16:41:13
चन्द्र	03/11/2019 02:44:58

बुध - चन्द्र - शुक्र - राहु

राहु	05/11/2019 01:19:30
गुरु	06/11/2019 18:43:30
शनि	08/11/2019 19:53:15
बुध	10/11/2019 15:52:30
केतु	11/11/2019 09:59:15
शुक्र	13/11/2019 13:44:15
सूर्य	14/11/2019 05:15:45
चन्द्र	15/11/2019 07:08:15
मंगल	16/11/2019 01:15:00

बुध - चन्द्र - शुक्र - गुरु

गुरु	17/11/2019 14:03:00
शनि	19/11/2019 09:45:00
बुध	21/11/2019 00:51:00
केतु	21/11/2019 16:57:00
शुक्र	23/11/2019 14:57:00
सूर्य	24/11/2019 04:45:00
चन्द्र	25/11/2019 03:45:00
मंगल	25/11/2019 19:51:00
राहु	27/11/2019 13:15:00

बुध - चन्द्र - शुक्र - शनि

शनि	29/11/2019 17:08:37
बुध	01/12/2019 15:34:29
केतु	02/12/2019 10:41:36
शुक्र	04/12/2019 17:19:06
सूर्य	05/12/2019 09:42:21
चन्द्र	06/12/2019 13:01:06
मंगल	07/12/2019 08:08:13
राहु	09/12/2019 09:17:58
गुरु	11/12/2019 04:59:58

बुध - चन्द्र - शुक्र - बुध

बुध	12/12/2019 22:32:37
केतु	13/12/2019 15:38:59
शुक्र	15/12/2019 16:31:29
सूर्य	16/12/2019 07:11:14
चन्द्र	17/12/2019 07:37:29
मंगल	18/12/2019 00:43:51
राहु	19/12/2019 20:43:06
गुरु	21/12/2019 11:49:06
शनि	23/12/2019 10:14:58

बुध - चन्द्र - शुक्र - केतु

केतु	23/12/2019 17:17:37
शुक्र	24/12/2019 13:25:07
सूर्य	24/12/2019 19:27:22
चन्द्र	25/12/2019 05:31:07
मंगल	25/12/2019 12:33:44
राहु	26/12/2019 06:40:29
गुरु	26/12/2019 22:46:29
शनि	27/12/2019 17:53:36
बुध	28/12/2019 10:59:58

बुध - चन्द्र - सूर्य - सूर्य

सूर्य	28/12/2019 12:33:09
चन्द्र	28/12/2019 15:08:24
मंगल	28/12/2019 16:57:04
राहु	28/12/2019 21:36:31
गुरु	29/12/2019 01:44:55
शनि	29/12/2019 06:39:53
बुध	29/12/2019 11:03:48
केतु	29/12/2019 12:52:28
शुक्र	29/12/2019 18:02:58

बुध - चन्द्र - सूर्य - चन्द्र

चन्द्र	29/12/2019 22:21:45
मंगल	30/12/2019 01:22:52
राहु	30/12/2019 09:08:37
गुरु	30/12/2019 16:02:37
शनि	31/12/2019 00:14:14
बुध	31/12/2019 07:34:06
केतु	31/12/2019 10:35:13
शुक्र	31/12/2019 19:12:43
सूर्य	31/12/2019 21:47:58

भोग्य दशा - शनि 9वर्ष 6मास 23दिन

बुध - चन्द्र - सूर्य - मंगल

मंगल	31/12/2019 23:54:47
राहु	01/01/2020 05:20:48
गुरु	01/01/2020 10:10:36
शनि	01/01/2020 15:54:44
बुध	01/01/2020 21:02:38
केतु	01/01/2020 23:09:25
शुक्र	02/01/2020 05:11:40
सूर्य	02/01/2020 07:00:20
चन्द्र	02/01/2020 10:01:27

बुध - चन्द्र - सूर्य - राहु

राहु	02/01/2020 23:59:51
गुरु	03/01/2020 12:25:03
शनि	04/01/2020 03:09:58
बुध	04/01/2020 16:21:44
केतु	04/01/2020 21:47:45
शुक्र	05/01/2020 13:19:15
सूर्य	05/01/2020 17:58:42
चन्द्र	06/01/2020 01:44:27
मंगल	06/01/2020 07:10:28

बुध - चन्द्र - सूर्य - गुरु

गुरु	06/01/2020 18:12:54
शनि	07/01/2020 07:19:30
बुध	07/01/2020 19:03:18
केतु	07/01/2020 23:53:06
शुक्र	08/01/2020 13:41:06
सूर्य	08/01/2020 17:49:30
चन्द्र	09/01/2020 00:43:30
मंगल	09/01/2020 05:33:18
राहु	09/01/2020 17:58:30

बुध - चन्द्र - सूर्य - शनि

शनि	10/01/2020 09:32:35
बुध	10/01/2020 23:28:20
केतु	11/01/2020 05:12:28
शुक्र	11/01/2020 21:35:43
सूर्य	12/01/2020 02:30:41
चन्द्र	12/01/2020 10:42:18
मंगल	12/01/2020 16:26:26
राहु	13/01/2020 07:11:21
गुरु	13/01/2020 20:17:57

बुध - चन्द्र - सूर्य - बुध

बुध	14/01/2020 08:45:47
केतु	14/01/2020 13:53:41
शुक्र	15/01/2020 04:33:26
सूर्य	15/01/2020 08:57:21
चन्द्र	15/01/2020 16:17:13
मंगल	15/01/2020 21:25:07
राहु	16/01/2020 10:36:53
गुरु	16/01/2020 22:20:41
शनि	17/01/2020 12:16:26

बुध - चन्द्र - सूर्य - केतु

केतु	17/01/2020 14:23:17
शुक्र	17/01/2020 20:25:32
सूर्य	17/01/2020 22:14:12
चन्द्र	18/01/2020 01:15:19
मंगल	18/01/2020 03:22:06
राहु	18/01/2020 08:48:07
गुरु	18/01/2020 13:37:55
शनि	18/01/2020 19:22:03
बुध	19/01/2020 00:29:57

बुध - चन्द्र - सूर्य - शुक्र

शुक्र	19/01/2020 17:45:00
सूर्य	19/01/2020 22:55:30
चन्द्र	20/01/2020 07:33:00
मंगल	20/01/2020 13:35:15
राहु	21/01/2020 05:06:45
गुरु	21/01/2020 18:54:45
शनि	22/01/2020 11:18:00
बुध	23/01/2020 01:57:45
केतु	23/01/2020 08:00:00

बुध - मंगल - मंगल - मंगल

मंगल	23/01/2020 09:43:32
राहु	23/01/2020 14:09:47
गुरु	23/01/2020 18:06:27
शनि	23/01/2020 22:47:29
बुध	24/01/2020 02:58:56
केतु	24/01/2020 04:42:28
शुक्र	24/01/2020 09:38:18
सूर्य	24/01/2020 11:07:03
चन्द्र	24/01/2020 13:34:58

बुध - मंगल - मंगल - राहु

राहु	25/01/2020 00:59:40
गुरु	25/01/2020 11:08:14
शनि	25/01/2020 23:10:55
बुध	26/01/2020 09:57:31
केतु	26/01/2020 14:23:46
शुक्र	27/01/2020 03:04:29
सूर्य	27/01/2020 06:52:42
चन्द्र	27/01/2020 13:13:03
मंगल	27/01/2020 17:39:18

भोग्य दशा - शनि 9वर्ष 6मास 23दिन

बुध - मंगल - मंगल - गुरु

गुरु	28/01/2020 02:40:19
शनि	28/01/2020 13:22:42
बुध	28/01/2020 22:57:28
केतु	29/01/2020 02:54:08
शुक्र	29/01/2020 14:10:20
सूर्य	29/01/2020 17:33:11
चन्द्र	29/01/2020 23:11:17
मंगल	30/01/2020 03:07:57
राहु	30/01/2020 13:16:31

बुध - मंगल - मंगल - शनि

शनि	31/01/2020 01:59:24
बुध	31/01/2020 13:21:56
केतु	31/01/2020 18:02:58
शुक्र	01/02/2020 07:25:57
सूर्य	01/02/2020 11:26:50
चन्द्र	01/02/2020 18:08:19
मंगल	01/02/2020 22:49:21
राहु	02/02/2020 10:52:02
गुरु	02/02/2020 21:34:25

बुध - मंगल - मंगल - बुध

बुध	03/02/2020 07:45:10
केतु	03/02/2020 11:56:37
शुक्र	03/02/2020 23:55:04
सूर्य	04/02/2020 03:30:36
चन्द्र	04/02/2020 09:29:49
मंगल	04/02/2020 13:41:16
राहु	05/02/2020 00:27:52
गुरु	05/02/2020 10:02:38
शनि	05/02/2020 21:25:10

बुध - मंगल - मंगल - केतु

केतु	05/02/2020 23:08:47
शुक्र	06/02/2020 04:04:37
सूर्य	06/02/2020 05:33:22
चन्द्र	06/02/2020 08:01:17
मंगल	06/02/2020 09:44:49
राहु	06/02/2020 14:11:04
गुरु	06/02/2020 18:07:44
शनि	06/02/2020 22:48:46
बुध	07/02/2020 03:00:13

बुध - मंगल - मंगल - शुक्र

शुक्र	07/02/2020 17:05:31
सूर्य	07/02/2020 21:19:05
चन्द्र	08/02/2020 04:21:42
मंगल	08/02/2020 09:17:32
राहु	08/02/2020 21:58:15
गुरु	09/02/2020 09:14:27
शनि	09/02/2020 22:37:26
बुध	10/02/2020 10:35:53
केतु	10/02/2020 15:31:43

बुध - मंगल - मंगल - सूर्य

सूर्य	10/02/2020 16:47:50
चन्द्र	10/02/2020 18:54:37
मंगल	10/02/2020 20:23:22
राहु	11/02/2020 00:11:35
गुरु	11/02/2020 03:34:26
शनि	11/02/2020 07:35:19
बुध	11/02/2020 11:10:51
केतु	11/02/2020 12:39:36
शुक्र	11/02/2020 16:53:10

बुध - मंगल - मंगल - चन्द्र

चन्द्र	11/02/2020 20:24:31
मंगल	11/02/2020 22:52:26
राहु	12/02/2020 05:12:47
गुरु	12/02/2020 10:50:53
शनि	12/02/2020 17:32:22
बुध	12/02/2020 23:31:35
केतु	13/02/2020 01:59:30
शुक्र	13/02/2020 09:02:07
सूर्य	13/02/2020 11:08:54

बुध - मंगल - राहु - राहु

राहु	14/02/2020 16:29:32
गुरु	15/02/2020 18:34:27
शनि	17/02/2020 01:32:47
बुध	18/02/2020 05:15:30
केतु	18/02/2020 16:40:09
शुक्र	20/02/2020 01:16:18
सूर्य	20/02/2020 11:03:08
चन्द्र	21/02/2020 03:21:12
मंगल	21/02/2020 14:45:51

बुध - मंगल - राहु - गुरु

गुरु	22/02/2020 13:56:56
शनि	23/02/2020 17:28:47
बुध	24/02/2020 18:06:45
केतु	25/02/2020 04:15:19
शुक्र	26/02/2020 09:14:07
सूर्य	26/02/2020 17:55:45
चन्द्र	27/02/2020 08:25:09
मंगल	27/02/2020 18:33:43
राहु	28/02/2020 20:38:38

भोग्य दशा - शनि 9वर्ष 6मास 23दिन

बुध - मंगल - राहु - शनि

शनि	01/03/2020 05:20:17
बुध	02/03/2020 10:35:23
केतु	02/03/2020 22:38:04
शुक्र	04/03/2020 09:02:53
सूर्य	04/03/2020 19:22:19
चन्द्र	05/03/2020 12:34:43
मंगल	06/03/2020 00:37:24
राहु	07/03/2020 07:35:44
गुरु	08/03/2020 11:07:35

बुध - मंगल - राहु - बुध

बुध	09/03/2020 13:18:00
केतु	10/03/2020 00:04:36
शुक्र	11/03/2020 06:52:04
सूर्य	11/03/2020 16:06:18
चन्द्र	12/03/2020 07:30:02
मंगल	12/03/2020 18:16:38
राहु	13/03/2020 21:59:21
गुरु	14/03/2020 22:37:19
शनि	16/03/2020 03:52:25

बुध - मंगल - राहु - केतु

केतु	16/03/2020 08:18:45
शुक्र	16/03/2020 20:59:28
सूर्य	17/03/2020 00:47:41
चन्द्र	17/03/2020 07:08:02
मंगल	17/03/2020 11:34:17
राहु	17/03/2020 22:58:56
गुरु	18/03/2020 09:07:30
शनि	18/03/2020 21:10:11
बुध	19/03/2020 07:56:47

बुध - मंगल - राहु - शुक्र

शुक्र	20/03/2020 20:10:21
सूर्य	21/03/2020 07:02:24
चन्द्र	22/03/2020 01:09:09
मंगल	22/03/2020 13:49:52
राहु	23/03/2020 22:26:01
गुरु	25/03/2020 03:24:49
शनि	26/03/2020 13:49:38
बुध	27/03/2020 20:37:06
केतु	28/03/2020 09:17:49

बुध - मंगल - राहु - सूर्य

सूर्य	28/03/2020 12:33:27
चन्द्र	28/03/2020 17:59:28
मंगल	28/03/2020 21:47:41
राहु	29/03/2020 07:34:31
गुरु	29/03/2020 16:16:09
शनि	30/03/2020 02:35:35
बुध	30/03/2020 11:49:49
केतु	30/03/2020 15:38:02
शुक्र	31/03/2020 02:30:05

बुध - मंगल - राहु - चन्द्र

चन्द्र	31/03/2020 11:33:31
मंगल	31/03/2020 17:53:52
राहु	01/04/2020 10:11:56
गुरु	02/04/2020 00:41:20
शनि	02/04/2020 17:53:44
बुध	03/04/2020 09:17:28
केतु	03/04/2020 15:37:49
शुक्र	04/04/2020 09:44:34
सूर्य	04/04/2020 15:10:35

बुध - मंगल - राहु - मंगल

मंगल	04/04/2020 19:36:54
राहु	05/04/2020 07:01:33
गुरु	05/04/2020 17:10:07
शनि	06/04/2020 05:12:48
बुध	06/04/2020 15:59:24
केतु	06/04/2020 20:25:39
शुक्र	07/04/2020 09:06:22
सूर्य	07/04/2020 12:54:35
चन्द्र	07/04/2020 19:14:56

बुध - मंगल - गुरु - गुरु

गुरु	08/04/2020 15:51:28
शनि	09/04/2020 16:19:47
बुध	10/04/2020 14:13:32
केतु	10/04/2020 23:14:29
शुक्र	12/04/2020 01:00:05
सूर्य	12/04/2020 08:43:45
चन्द्र	12/04/2020 21:36:33
मंगल	13/04/2020 06:37:30
राहु	14/04/2020 05:48:32

बुध - मंगल - गुरु - शनि

शनि	15/04/2020 10:52:13
बुध	16/04/2020 12:52:18
केतु	16/04/2020 23:34:41
शुक्र	18/04/2020 06:10:05
सूर्य	18/04/2020 15:20:42
चन्द्र	19/04/2020 06:38:24
मंगल	19/04/2020 17:20:47
राहु	20/04/2020 20:52:38
गुरु	21/04/2020 21:20:57

भोग्य दशा - शनि 9वर्ष 6मास 23दिन

बुध - मंगल - गुरु - बुध

बुध	22/04/2020 20:36:52
केतु	23/04/2020 06:11:38
शुक्र	24/04/2020 09:33:50
सूर्य	24/04/2020 17:46:29
चन्द्र	25/04/2020 07:27:35
मंगल	25/04/2020 17:02:21
राहु	26/04/2020 17:40:19
गुरु	27/04/2020 15:34:04
शनि	28/04/2020 17:34:09

बुध - मंगल - गुरु - केतु

केतु	28/04/2020 21:30:52
शुक्र	29/04/2020 08:47:04
सूर्य	29/04/2020 12:09:55
चन्द्र	29/04/2020 17:48:01
मंगल	29/04/2020 21:44:41
राहु	30/04/2020 07:53:15
गुरु	30/04/2020 16:54:12
शनि	01/05/2020 03:36:35
बुध	01/05/2020 13:11:21

बुध - मंगल - गुरु - शुक्र

शुक्र	02/05/2020 21:23:24
सूर्य	03/05/2020 07:03:00
चन्द्र	03/05/2020 23:09:00
मंगल	04/05/2020 10:25:12
राहु	05/05/2020 15:24:00
गुरु	06/05/2020 17:09:36
शनि	07/05/2020 23:45:00
बुध	09/05/2020 03:07:12
केतु	09/05/2020 14:23:24

बुध - मंगल - गुरु - सूर्य

सूर्य	09/05/2020 17:17:16
चन्द्र	09/05/2020 22:07:04
मंगल	10/05/2020 01:29:55
राहु	10/05/2020 10:11:33
गुरु	10/05/2020 17:55:13
शनि	11/05/2020 03:05:50
बुध	11/05/2020 11:18:29
केतु	11/05/2020 14:41:20
शुक्र	12/05/2020 00:20:56

बुध - मंगल - गुरु - चन्द्र

चन्द्र	12/05/2020 08:24:00
मंगल	12/05/2020 14:02:06
राहु	13/05/2020 04:31:30
गुरु	13/05/2020 17:24:18
शनि	14/05/2020 08:42:00
बुध	14/05/2020 22:23:06
केतु	15/05/2020 04:01:12
शुक्र	15/05/2020 20:07:12
सूर्य	16/05/2020 00:57:00

बुध - मंगल - गुरु - मंगल

मंगल	16/05/2020 04:53:40
राहु	16/05/2020 15:02:14
गुरु	17/05/2020 00:03:11
शनि	17/05/2020 10:45:34
बुध	17/05/2020 20:20:20
केतु	18/05/2020 00:17:00
शुक्र	18/05/2020 11:33:12
सूर्य	18/05/2020 14:56:03
चन्द्र	18/05/2020 20:34:09

बुध - मंगल - गुरु - राहु

राहु	19/05/2020 22:39:07
गुरु	20/05/2020 21:50:09
शनि	22/05/2020 01:22:00
बुध	23/05/2020 01:59:58
केतु	23/05/2020 12:08:32
शुक्र	24/05/2020 17:07:20
सूर्य	25/05/2020 01:48:58
चन्द्र	25/05/2020 16:18:22
मंगल	26/05/2020 02:26:56

बुध - मंगल - शनि - शनि

शनि	27/05/2020 12:57:33
बुध	28/05/2020 19:50:09
केतु	29/05/2020 08:32:59
शुक्र	30/05/2020 20:52:31
सूर्य	31/05/2020 07:46:22
चन्द्र	01/06/2020 01:56:08
मंगल	01/06/2020 14:38:58
राहु	02/06/2020 23:20:32
गुरु	04/06/2020 04:24:09

बुध - मंगल - शनि - बुध

बुध	05/06/2020 08:01:48
केतु	05/06/2020 19:24:20
शुक्र	07/06/2020 03:54:26
सूर्य	07/06/2020 13:39:28
चन्द्र	08/06/2020 05:54:31
मंगल	08/06/2020 17:17:03
राहु	09/06/2020 22:32:09
गुरु	11/06/2020 00:32:14
शनि	12/06/2020 07:24:50

भोग्य दशा - शनि 9वर्ष 6मास 23दिन

बुध - मंगल - शनि - केतु

केतु	12/06/2020 12:05:55
शुक्र	13/06/2020 01:28:54
सूर्य	13/06/2020 05:29:47
चन्द्र	13/06/2020 12:11:16
मंगल	13/06/2020 16:52:18
राहु	14/06/2020 04:54:59
गुरु	14/06/2020 15:37:22
शनि	15/06/2020 04:20:12
बुध	15/06/2020 15:42:44

बुध - मंगल - शनि - शुक्र

शुक्र	17/06/2020 05:57:03
सूर्य	17/06/2020 17:25:19
चन्द्र	18/06/2020 12:32:26
मंगल	19/06/2020 01:55:25
राहु	20/06/2020 12:20:14
गुरु	21/06/2020 18:55:38
शनि	23/06/2020 07:15:10
बुध	24/06/2020 15:45:16
केतु	25/06/2020 05:08:15

बुध - मंगल - शनि - सूर्य

सूर्य	25/06/2020 08:34:46
चन्द्र	25/06/2020 14:18:54
मंगल	25/06/2020 18:19:47
राहु	26/06/2020 04:39:13
गुरु	26/06/2020 13:49:50
शनि	27/06/2020 00:43:41
बुध	27/06/2020 10:28:43
केतु	27/06/2020 14:29:36
शुक्र	28/06/2020 01:57:52

बुध - मंगल - शनि - चन्द्र

चन्द्र	28/06/2020 11:31:30
मंगल	28/06/2020 18:12:59
राहु	29/06/2020 11:25:23
गुरु	30/06/2020 02:43:05
शनि	30/06/2020 20:52:51
बुध	01/07/2020 13:07:54
केतु	01/07/2020 19:49:23
शुक्र	02/07/2020 14:56:30
सूर्य	02/07/2020 20:40:38

बुध - मंगल - शनि - मंगल

मंगल	03/07/2020 01:21:44
राहु	03/07/2020 13:24:25
गुरु	04/07/2020 00:06:48
शनि	04/07/2020 12:49:38
बुध	05/07/2020 00:12:10
केतु	05/07/2020 04:53:12
शुक्र	05/07/2020 18:16:11
सूर्य	05/07/2020 22:17:04
चन्द्र	06/07/2020 04:58:33

बुध - मंगल - शनि - राहु

राहु	07/07/2020 11:56:57
गुरु	08/07/2020 15:28:48
शनि	10/07/2020 00:10:23
बुध	11/07/2020 05:25:29
केतु	11/07/2020 17:28:10
शुक्र	13/07/2020 03:52:59
सूर्य	13/07/2020 14:12:25
चन्द्र	14/07/2020 07:24:49
मंगल	14/07/2020 19:27:30

बुध - मंगल - शनि - गुरु

गुरु	15/07/2020 19:55:53
शनि	17/07/2020 00:59:30
बुध	18/07/2020 02:59:35
केतु	18/07/2020 13:41:58
शुक्र	19/07/2020 20:17:22
सूर्य	20/07/2020 05:27:59
चन्द्र	20/07/2020 20:45:41
मंगल	21/07/2020 07:28:04
राहु	22/07/2020 10:59:55

बुध - मंगल - बुध - बुध

बुध	23/07/2020 11:43:06
केतु	23/07/2020 21:53:47
शुक्र	25/07/2020 02:58:37
सूर्य	25/07/2020 11:42:04
चन्द्र	26/07/2020 02:14:29
मंगल	26/07/2020 12:25:10
राहु	27/07/2020 14:35:31
गुरु	28/07/2020 13:51:23
शनि	29/07/2020 17:28:58

बुध - मंगल - बुध - केतु

केतु	29/07/2020 21:40:28
शुक्र	30/07/2020 09:38:55
सूर्य	30/07/2020 13:14:27
चन्द्र	30/07/2020 19:13:40
मंगल	30/07/2020 23:25:07
राहु	31/07/2020 10:11:43
गुरु	31/07/2020 19:46:29
शनि	01/08/2020 07:09:01
बुध	01/08/2020 17:19:42

भोग्य दशा – धान्या 1वर्ष 6मास 6दिन

धान्या 3 वर्ष

धान्या	00/00/0000 - 00/00/0000
भ्रामरी	00/00/0000 - 00/00/0000
भद्रिका	00/00/0000 - 00/00/0000
उल्का	01/01/2002 - 05/01/2002
सिद्धा	05/01/2002 - 06/08/2002
संकटा	06/08/2002 - 06/04/2003
मंगला	06/04/2003 - 06/05/2003
पिंगला	06/05/2003 - 06/07/2003

भ्रामरी 4 वर्ष

भ्रामरी	06/07/2003 - 16/12/2003
भद्रिका	16/12/2003 - 05/07/2004
उल्का	05/07/2004 - 06/03/2005
सिद्धा	06/03/2005 - 15/12/2005
संकटा	15/12/2005 - 05/11/2006
मंगला	05/11/2006 - 15/12/2006
पिंगला	15/12/2006 - 06/03/2007
धान्या	06/03/2007 - 06/07/2007

भद्रिका 5 वर्ष

भद्रिका	06/07/2007 - 16/03/2008
उल्का	16/03/2008 - 14/01/2009
सिद्धा	14/01/2009 - 05/01/2010
संकटा	05/01/2010 - 15/02/2011
मंगला	15/02/2011 - 06/04/2011
पिंगला	06/04/2011 - 17/07/2011
धान्या	17/07/2011 - 16/12/2011
भ्रामरी	16/12/2011 - 06/07/2012

उल्का 6 वर्ष

उल्का	06/07/2012 - 06/07/2013
सिद्धा	06/07/2013 - 05/09/2014
संकटा	05/09/2014 - 05/01/2016
मंगला	05/01/2016 - 06/03/2016
पिंगला	06/03/2016 - 06/07/2016
धान्या	06/07/2016 - 04/01/2017
भ्रामरी	04/01/2017 - 05/09/2017
भद्रिका	05/09/2017 - 06/07/2018

सिद्धा 7 वर्ष

सिद्धा	06/07/2018 - 15/11/2019
संकटा	15/11/2019 - 06/06/2021
मंगला	06/06/2021 - 16/08/2021
पिंगला	16/08/2021 - 05/01/2022
धान्या	05/01/2022 - 06/08/2022
भ्रामरी	06/08/2022 - 17/05/2023
भद्रिका	17/05/2023 - 06/05/2024
उल्का	06/05/2024 - 06/07/2025

संकटा 8 वर्ष

संकटा	06/07/2025 - 17/04/2027
मंगला	17/04/2027 - 07/07/2027
पिंगला	07/07/2027 - 16/12/2027
धान्या	16/12/2027 - 16/08/2028
भ्रामरी	16/08/2028 - 06/07/2029
भद्रिका	06/07/2029 - 16/08/2030
उल्का	16/08/2030 - 16/12/2031
सिद्धा	16/12/2031 - 06/07/2033

मंगला 1 वर्ष

मंगला	06/07/2033 - 16/07/2033
पिंगला	16/07/2033 - 06/08/2033
धान्या	06/08/2033 - 05/09/2033
भ्रामरी	05/09/2033 - 16/10/2033
भद्रिका	16/10/2033 - 05/12/2033
उल्का	05/12/2033 - 04/02/2034
सिद्धा	04/02/2034 - 16/04/2034
संकटा	16/04/2034 - 06/07/2034

पिंगला 2 वर्ष

पिंगला	06/07/2034 - 16/08/2034
धान्या	16/08/2034 - 16/10/2034
भ्रामरी	16/10/2034 - 05/01/2035
भद्रिका	05/01/2035 - 16/04/2035
उल्का	16/04/2035 - 16/08/2035
सिद्धा	16/08/2035 - 05/01/2036
संकटा	05/01/2036 - 16/06/2036
मंगला	16/06/2036 - 06/07/2036

धान्या 3 वर्ष

धान्या	06/07/2036 - 05/10/2036
भ्रामरी	05/10/2036 - 04/02/2037
भद्रिका	04/02/2037 - 06/07/2037
उल्का	06/07/2037 - 05/01/2038
सिद्धा	05/01/2038 - 06/08/2038
संकटा	06/08/2038 - 06/04/2039
मंगला	06/04/2039 - 06/05/2039
पिंगला	06/05/2039 - 06/07/2039

भोग्य दशा – धान्या 1वर्ष 6मास 6दिन

भ्रामरी 4 वर्ष

भ्रामरी	06/07/2039 - 16/12/2039
भद्रिका	16/12/2039 - 05/07/2040
उल्का	05/07/2040 - 06/03/2041
सिद्धा	06/03/2041 - 15/12/2041
संकटा	15/12/2041 - 05/11/2042
मंगला	05/11/2042 - 15/12/2042
पिंगला	15/12/2042 - 06/03/2043
धान्या	06/03/2043 - 06/07/2043

भद्रिका 5 वर्ष

भद्रिका	06/07/2043 - 16/03/2044
उल्का	16/03/2044 - 14/01/2045
सिद्धा	14/01/2045 - 05/01/2046
संकटा	05/01/2046 - 15/02/2047
मंगला	15/02/2047 - 06/04/2047
पिंगला	06/04/2047 - 17/07/2047
धान्या	17/07/2047 - 16/12/2047
भ्रामरी	16/12/2047 - 06/07/2048

उल्का 6 वर्ष

उल्का	06/07/2048 - 06/07/2049
सिद्धा	06/07/2049 - 05/09/2050
संकटा	05/09/2050 - 05/01/2052
मंगला	05/01/2052 - 06/03/2052
पिंगला	06/03/2052 - 06/07/2052
धान्या	06/07/2052 - 04/01/2053
भ्रामरी	04/01/2053 - 05/09/2053
भद्रिका	05/09/2053 - 06/07/2054

सिद्धा 7 वर्ष

सिद्धा	06/07/2054 - 15/11/2055
संकटा	15/11/2055 - 06/06/2057
मंगला	06/06/2057 - 16/08/2057
पिंगला	16/08/2057 - 05/01/2058
धान्या	05/01/2058 - 06/08/2058
भ्रामरी	06/08/2058 - 17/05/2059
भद्रिका	17/05/2059 - 06/05/2060
उल्का	06/05/2060 - 06/07/2061

संकटा 8 वर्ष

संकटा	06/07/2061 - 17/04/2063
मंगला	17/04/2063 - 07/07/2063
पिंगला	07/07/2063 - 16/12/2063
धान्या	16/12/2063 - 16/08/2064
भ्रामरी	16/08/2064 - 06/07/2065
भद्रिका	06/07/2065 - 16/08/2066
उल्का	16/08/2066 - 16/12/2067
सिद्धा	16/12/2067 - 06/07/2069

मंगला 1 वर्ष

मंगला	06/07/2069 - 16/07/2069
पिंगला	16/07/2069 - 06/08/2069
धान्या	06/08/2069 - 05/09/2069
भ्रामरी	05/09/2069 - 16/10/2069
भद्रिका	16/10/2069 - 05/12/2069
उल्का	05/12/2069 - 04/02/2070
सिद्धा	04/02/2070 - 16/04/2070
संकटा	16/04/2070 - 06/07/2070

पिंगला 2 वर्ष

पिंगला	06/07/2070 - 16/08/2070
धान्या	16/08/2070 - 16/10/2070
भ्रामरी	16/10/2070 - 05/01/2071
भद्रिका	05/01/2071 - 16/04/2071
उल्का	16/04/2071 - 16/08/2071
सिद्धा	16/08/2071 - 05/01/2072
संकटा	05/01/2072 - 16/06/2072
मंगला	16/06/2072 - 06/07/2072

धान्या 3 वर्ष

धान्या	06/07/2072 - 05/10/2072
भ्रामरी	05/10/2072 - 04/02/2073
भद्रिका	04/02/2073 - 06/07/2073
उल्का	06/07/2073 - 05/01/2074
सिद्धा	05/01/2074 - 06/08/2074
संकटा	06/08/2074 - 06/04/2075
मंगला	06/04/2075 - 06/05/2075
पिंगला	06/05/2075 - 06/07/2075

भ्रामरी 4 वर्ष

भ्रामरी	06/07/2075 - 16/12/2075
भद्रिका	16/12/2075 - 05/07/2076
उल्का	05/07/2076 - 06/03/2077
सिद्धा	06/03/2077 - 15/12/2077
संकटा	15/12/2077 - 05/11/2078
मंगला	05/11/2078 - 15/12/2078
पिंगला	15/12/2078 - 06/03/2079
धान्या	06/03/2079 - 06/07/2079

भोग्य दशा - कन्या 1वर्ष 0मास 26दिन

कन्या		कुम्भ		मकर	
कन्या	00/00/0000 - 00/00/0000	कुम्भ	27/01/2003 - 05/04/2003	मकर	27/01/2007 - 05/04/2007
कुम्भ	00/00/0000 - 00/00/0000	मकर	05/04/2003 - 13/06/2003	धनु	05/04/2007 - 24/09/2007
मकर	00/00/0000 - 00/00/0000	धनु	13/06/2003 - 02/12/2003	मेष	24/09/2007 - 22/01/2008
धनु	00/00/0000 - 00/00/0000	मेष	02/12/2003 - 31/03/2004	वृष	22/01/2008 - 24/10/2008
मेष	00/00/0000 - 00/00/0000	वृष	31/03/2004 - 31/12/2004	मिथुन	24/10/2008 - 27/03/2009
वृष	00/00/0000 - 00/00/0000	मिथुन	31/12/2004 - 04/06/2005	कर्क	27/03/2009 - 23/03/2010
मिथुन	00/00/0000 - 00/00/0000	कर्क	04/06/2005 - 31/05/2006	सिंह	23/03/2010 - 17/06/2010
कर्क	01/01/2002 - 17/07/2002	सिंह	31/05/2006 - 25/08/2006	कन्या	17/06/2010 - 19/11/2010
सिंह	17/07/2002 - 27/01/2003	कन्या	25/08/2006 - 27/01/2007	कुम्भ	19/11/2010 - 27/01/2011

धनु		मेष		वृष	
धनु	27/01/2011 - 31/03/2012	मेष	27/01/2021 - 25/08/2021	वृष	27/01/2028 - 31/01/2031
मेष	31/03/2012 - 26/01/2013	वृष	25/08/2021 - 19/12/2022	मिथुन	31/01/2031 - 10/10/2032
वृष	26/01/2013 - 15/12/2014	मिथुन	19/12/2022 - 16/09/2023	कर्क	10/10/2032 - 23/09/2036
मिथुन	15/12/2014 - 06/01/2016	कर्क	16/09/2023 - 08/06/2025	सिंह	23/09/2036 - 02/09/2037
कर्क	06/01/2016 - 26/06/2018	सिंह	08/06/2025 - 06/11/2025	कन्या	02/09/2037 - 14/05/2039
सिंह	26/06/2018 - 27/01/2019	कन्या	06/11/2025 - 03/08/2026	कुम्भ	14/05/2039 - 13/02/2040
कन्या	27/01/2019 - 18/02/2020	कुम्भ	03/08/2026 - 02/12/2026	मकर	13/02/2040 - 14/11/2040
कुम्भ	18/02/2020 - 08/08/2020	मकर	02/12/2026 - 01/04/2027	धनु	14/11/2040 - 02/10/2042
मकर	08/08/2020 - 27/01/2021	धनु	01/04/2027 - 27/01/2028	मेष	02/10/2042 - 27/01/2044

मिथुन		कर्क		सिंह	
मिथुन	27/01/2044 - 09/01/2045	कर्क	27/01/2053 - 05/04/2058	सिंह	27/01/2074 - 14/05/2074
कर्क	09/01/2045 - 01/04/2047	सिंह	05/04/2058 - 01/07/2059	कन्या	14/05/2074 - 23/11/2074
सिंह	01/04/2047 - 11/10/2047	कन्या	01/07/2059 - 20/09/2061	कुम्भ	23/11/2074 - 17/02/2075
कन्या	11/10/2047 - 24/09/2048	कुम्भ	20/09/2061 - 16/09/2062	मकर	17/02/2075 - 14/05/2075
कुम्भ	24/09/2048 - 25/02/2049	मकर	16/09/2062 - 12/09/2063	धनु	14/05/2075 - 15/12/2075
मकर	25/02/2049 - 30/07/2049	धनु	12/09/2063 - 02/03/2066	मेष	15/12/2075 - 13/05/2076
धनु	30/07/2049 - 21/08/2050	मेष	02/03/2066 - 24/11/2067	वृष	13/05/2076 - 22/04/2077
मेष	21/08/2050 - 19/05/2051	वृष	24/11/2067 - 06/11/2071	मिथुन	22/04/2077 - 01/11/2077
वृष	19/05/2051 - 27/01/2053	मिथुन	06/11/2071 - 27/01/2074	कर्क	01/11/2077 - 27/01/2079

कुल दशाकाल: 85 वर्ष	नक्षत्र : पुष्य	चरण : 2
वर्ग : सव्य	देह : कुम्भ	जीव : कन्या

भोग्य दशा - कन्या 1वर्ष 0मास 26दिन

धनु - कन्या

कन्या	27/01/2019 - 09/03/2019
कुम्भ	09/03/2019 - 27/03/2019
मकर	27/03/2019 - 14/04/2019
धनु	14/04/2019 - 30/05/2019
मेष	30/05/2019 - 01/07/2019
वृष	01/07/2019 - 11/09/2019
मिथुन	11/09/2019 - 22/10/2019
कर्क	22/10/2019 - 26/01/2020
सिंह	26/01/2020 - 18/02/2020

धनु - कुम्भ

कुम्भ	18/02/2020 - 26/02/2020
मकर	26/02/2020 - 05/03/2020
धनु	05/03/2020 - 25/03/2020
मेष	25/03/2020 - 08/04/2020
वृष	08/04/2020 - 11/05/2020
मिथुन	11/05/2020 - 29/05/2020
कर्क	29/05/2020 - 10/07/2020
सिंह	10/07/2020 - 20/07/2020
कन्या	20/07/2020 - 08/08/2020

धनु - मकर

मकर	08/08/2020 - 16/08/2020
धनु	16/08/2020 - 05/09/2020
मेष	05/09/2020 - 19/09/2020
वृष	19/09/2020 - 21/10/2020
मिथुन	21/10/2020 - 09/11/2020
कर्क	09/11/2020 - 21/12/2020
सिंह	21/12/2020 - 31/12/2020
कन्या	31/12/2020 - 18/01/2021
कुम्भ	18/01/2021 - 27/01/2021

मेष - मेष

मेष	27/01/2021 - 13/02/2021
वृष	13/02/2021 - 24/03/2021
मिथुन	24/03/2021 - 16/04/2021
कर्क	16/04/2021 - 07/06/2021
सिंह	07/06/2021 - 19/06/2021
कन्या	19/06/2021 - 11/07/2021
कुम्भ	11/07/2021 - 21/07/2021
मकर	21/07/2021 - 31/07/2021
धनु	31/07/2021 - 25/08/2021

मेष - वृष

वृष	25/08/2021 - 24/11/2021
मिथुन	24/11/2021 - 14/01/2022
कर्क	14/01/2022 - 12/05/2022
सिंह	12/05/2022 - 10/06/2022
कन्या	10/06/2022 - 31/07/2022
कुम्भ	31/07/2022 - 22/08/2022
मकर	22/08/2022 - 14/09/2022
धनु	14/09/2022 - 10/11/2022
मेष	10/11/2022 - 19/12/2022

मेष - मिथुन

मिथुन	19/12/2022 - 17/01/2023
कर्क	17/01/2023 - 25/03/2023
सिंह	25/03/2023 - 10/04/2023
कन्या	10/04/2023 - 08/05/2023
कुम्भ	08/05/2023 - 21/05/2023
मकर	21/05/2023 - 03/06/2023
धनु	03/06/2023 - 05/07/2023
मेष	05/07/2023 - 27/07/2023
वृष	27/07/2023 - 16/09/2023

मेष - कर्क

कर्क	16/09/2023 - 19/02/2024
सिंह	19/02/2024 - 27/03/2024
कन्या	27/03/2024 - 02/06/2024
कुम्भ	02/06/2024 - 02/07/2024
मकर	02/07/2024 - 31/07/2024
धनु	31/07/2024 - 14/10/2024
मेष	14/10/2024 - 05/12/2024
वृष	05/12/2024 - 02/04/2025
मिथुन	02/04/2025 - 08/06/2025

मेष - सिंह

सिंह	08/06/2025 - 17/06/2025
कन्या	17/06/2025 - 03/07/2025
कुम्भ	03/07/2025 - 10/07/2025
मकर	10/07/2025 - 17/07/2025
धनु	17/07/2025 - 04/08/2025
मेष	04/08/2025 - 16/08/2025
वृष	16/08/2025 - 14/09/2025
मिथुन	14/09/2025 - 29/09/2025
कर्क	29/09/2025 - 06/11/2025

मेष - कन्या

कन्या	06/11/2025 - 04/12/2025
कुम्भ	04/12/2025 - 17/12/2025
मकर	17/12/2025 - 30/12/2025
धनु	30/12/2025 - 31/01/2026
मेष	31/01/2026 - 22/02/2026
वृष	22/02/2026 - 14/04/2026
मिथुन	14/04/2026 - 12/05/2026
कर्क	12/05/2026 - 18/07/2026
सिंह	18/07/2026 - 03/08/2026

कुल दशाकाल: 85 वर्ष	नक्षत्र : पुष्य	चरण : 2
वर्ग : सव्य	देह : कुम्भ	जीव : कन्या

भोग्य दशा - कन्या 1वर्ष 0मास 26दिन

मेष - कुम्भ

कुम्भ	03/08/2026 - 09/08/2026
मकर	09/08/2026 - 15/08/2026
धनु	15/08/2026 - 29/08/2026
मेष	29/08/2026 - 08/09/2026
वृष	08/09/2026 - 30/09/2026
मिथुन	30/09/2026 - 13/10/2026
कर्क	13/10/2026 - 12/11/2026
सिंह	12/11/2026 - 19/11/2026
कन्या	19/11/2026 - 02/12/2026

मेष - मकर

मकर	02/12/2026 - 07/12/2026
धनु	07/12/2026 - 21/12/2026
मेष	21/12/2026 - 31/12/2026
वृष	31/12/2026 - 23/01/2027
मिथुन	23/01/2027 - 05/02/2027
कर्क	05/02/2027 - 06/03/2027
सिंह	06/03/2027 - 13/03/2027
कन्या	13/03/2027 - 26/03/2027
कुम्भ	26/03/2027 - 01/04/2027

मेष - धनु

धनु	01/04/2027 - 06/05/2027
मेष	06/05/2027 - 31/05/2027
वृष	31/05/2027 - 27/07/2027
मिथुन	27/07/2027 - 27/08/2027
कर्क	27/08/2027 - 10/11/2027
सिंह	10/11/2027 - 27/11/2027
कन्या	27/11/2027 - 29/12/2027
कुम्भ	29/12/2027 - 12/01/2028
मकर	12/01/2028 - 27/01/2028

वृष - वृष

वृष	27/01/2028 - 21/08/2028
मिथुन	21/08/2028 - 15/12/2028
कर्क	15/12/2028 - 13/09/2029
सिंह	13/09/2029 - 17/11/2029
कन्या	17/11/2029 - 13/03/2030
कुम्भ	13/03/2030 - 04/05/2030
मकर	04/05/2030 - 25/06/2030
धनु	25/06/2030 - 01/11/2030
मेष	01/11/2030 - 31/01/2031

वृष - मिथुन

मिथुन	31/01/2031 - 06/04/2031
कर्क	06/04/2031 - 06/09/2031
सिंह	06/09/2031 - 12/10/2031
कन्या	12/10/2031 - 17/12/2031
कुम्भ	17/12/2031 - 15/01/2032
मकर	15/01/2032 - 13/02/2032
धनु	13/02/2032 - 26/04/2032
मेष	26/04/2032 - 16/06/2032
वृष	16/06/2032 - 10/10/2032

वृष - कर्क

कर्क	10/10/2032 - 02/10/2033
सिंह	02/10/2033 - 26/12/2033
कन्या	26/12/2033 - 28/05/2034
कुम्भ	28/05/2034 - 04/08/2034
मकर	04/08/2034 - 11/10/2034
धनु	11/10/2034 - 30/03/2035
मेष	30/03/2035 - 27/07/2035
वृष	27/07/2035 - 23/04/2036
मिथुन	23/04/2036 - 23/09/2036

वृष - सिंह

सिंह	23/09/2036 - 13/10/2036
कन्या	13/10/2036 - 19/11/2036
कुम्भ	19/11/2036 - 05/12/2036
मकर	05/12/2036 - 21/12/2036
धनु	21/12/2036 - 31/01/2037
मेष	31/01/2037 - 28/02/2037
वृष	28/02/2037 - 04/05/2037
मिथुन	04/05/2037 - 09/06/2037
कर्क	09/06/2037 - 02/09/2037

वृष - कन्या

कन्या	02/09/2037 - 06/11/2037
कुम्भ	06/11/2037 - 06/12/2037
मकर	06/12/2037 - 04/01/2038
धनु	04/01/2038 - 17/03/2038
मेष	17/03/2038 - 07/05/2038
वृष	07/05/2038 - 01/09/2038
मिथुन	01/09/2038 - 05/11/2038
कर्क	05/11/2038 - 07/04/2039
सिंह	07/04/2039 - 14/05/2039

वृष - कुम्भ

कुम्भ	14/05/2039 - 27/05/2039
मकर	27/05/2039 - 09/06/2039
धनु	09/06/2039 - 11/07/2039
मेष	11/07/2039 - 03/08/2039
वृष	03/08/2039 - 23/09/2039
मिथुन	23/09/2039 - 22/10/2039
कर्क	22/10/2039 - 29/12/2039
सिंह	29/12/2039 - 15/01/2040
कन्या	15/01/2040 - 13/02/2040

कुल दशाकाल : 85 वर्ष	नक्षत्र : पुष्य	चरण : 2
वर्ग : सव्य	देह : कुम्भ	जीव : कन्या

भोग्य दशा - सूर्य 2वर्ष 3मास 4दिन

सूर्य 6 वर्ष

सूर्य	00/00/0000 - 00/00/0000
चन्द्र	00/00/0000 - 00/00/0000
मंगल	00/00/0000 - 00/00/0000
बुध	00/00/0000 - 00/00/0000
शनि	00/00/0000 - 00/00/0000
गुरु	01/01/2002 - 04/06/2002
राहु	04/06/2002 - 02/02/2003
शुक्र	02/02/2003 - 03/04/2004

चन्द्र 10 वर्ष

चन्द्र	03/04/2004 - 04/05/2006
मंगल	04/05/2006 - 14/06/2007
बुध	14/06/2007 - 23/10/2009
शनि	23/10/2009 - 15/03/2011
गुरु	15/03/2011 - 02/11/2013
राहु	02/11/2013 - 04/07/2015
शुक्र	04/07/2015 - 03/06/2018
सूर्य	03/06/2018 - 03/04/2019

मंगल 7 वर्ष

मंगल	03/04/2019 - 06/11/2019
बुध	06/11/2019 - 08/02/2021
शनि	08/02/2021 - 05/11/2021
गुरु	05/11/2021 - 03/04/2023
राहु	03/04/2023 - 22/02/2024
शुक्र	22/02/2024 - 12/09/2025
सूर्य	12/09/2025 - 22/02/2026
चन्द्र	22/02/2026 - 03/04/2027

बुध 17 वर्ष

बुध	03/04/2027 - 06/12/2029
शनि	06/12/2029 - 04/07/2031
गुरु	04/07/2031 - 30/06/2034
राहु	30/06/2034 - 20/05/2036
शुक्र	20/05/2036 - 10/09/2039
सूर्य	10/09/2039 - 20/08/2040
चन्द्र	20/08/2040 - 30/12/2042
मंगल	30/12/2042 - 03/04/2044

शनि 19 वर्ष

शनि	03/04/2044 - 08/03/2045
गुरु	08/03/2045 - 10/12/2046
राहु	10/12/2046 - 20/01/2048
शुक्र	20/01/2048 - 30/12/2049
सूर्य	30/12/2049 - 21/07/2050
चन्द्र	21/07/2050 - 10/12/2051
मंगल	10/12/2051 - 06/09/2052
बुध	06/09/2052 - 03/04/2054

गुरु 16 वर्ष

गुरु	03/04/2054 - 06/08/2057
राहु	06/08/2057 - 16/09/2059
शुक्र	16/09/2059 - 28/05/2063
सूर्य	28/05/2063 - 16/06/2064
चन्द्र	16/06/2064 - 05/02/2067
मंगल	05/02/2067 - 03/07/2068
बुध	03/07/2068 - 01/07/2071
शनि	01/07/2071 - 03/04/2073

राहु 18 वर्ष

राहु	03/04/2073 - 03/08/2074
शुक्र	03/08/2074 - 03/12/2076
सूर्य	03/12/2076 - 03/08/2077
चन्द्र	03/08/2077 - 04/04/2079
मंगल	04/04/2079 - 23/02/2080
बुध	23/02/2080 - 13/01/2082
शनि	13/01/2082 - 22/02/2083
गुरु	22/02/2083 - 03/04/2085

शुक्र 20 वर्ष

शुक्र	03/04/2085 - 04/05/2089
सूर्य	04/05/2089 - 04/07/2090
चन्द्र	04/07/2090 - 03/06/2093
मंगल	03/06/2093 - 23/12/2094
बुध	23/12/2094 - 13/04/2098
शनि	13/04/2098 - 24/03/2100
गुरु	24/03/2100 - 03/12/2103
राहु	03/12/2103 - 03/04/2106

सूर्य 6 वर्ष

सूर्य	03/04/2106 - 03/08/2106
चन्द्र	03/08/2106 - 04/06/2107
मंगल	04/06/2107 - 13/11/2107
बुध	13/11/2107 - 23/10/2108
शनि	23/10/2108 - 14/05/2109
गुरु	14/05/2109 - 04/06/2110
राहु	04/06/2110 - 02/02/2111
शुक्र	02/02/2111 - 03/04/2112

भोग्य दशा - सूर्य 2वर्ष 3मास 4दिन

मंगल - मंगल

मंगल	03/04/2019 - 19/04/2019
बुध	19/04/2019 - 24/05/2019
शनि	24/05/2019 - 13/06/2019
गुरु	13/06/2019 - 21/07/2019
राहु	21/07/2019 - 14/08/2019
शुक्र	14/08/2019 - 25/09/2019
सूर्य	25/09/2019 - 07/10/2019
चन्द्र	07/10/2019 - 06/11/2019

मंगल - बुध

बुध	06/11/2019 - 17/01/2020
शनि	17/01/2020 - 29/02/2020
गुरु	29/02/2020 - 20/05/2020
राहु	20/05/2020 - 10/07/2020
शुक्र	10/07/2020 - 07/10/2020
सूर्य	07/10/2020 - 02/11/2020
चन्द्र	02/11/2020 - 05/01/2021
मंगल	05/01/2021 - 08/02/2021

मंगल - शनि

शनि	08/02/2021 - 05/03/2021
गुरु	05/03/2021 - 21/04/2021
राहु	21/04/2021 - 22/05/2021
शुक्र	22/05/2021 - 13/07/2021
सूर्य	13/07/2021 - 28/07/2021
चन्द्र	28/07/2021 - 04/09/2021
मंगल	04/09/2021 - 24/09/2021
बुध	24/09/2021 - 05/11/2021

मंगल - गुरु

गुरु	05/11/2021 - 04/02/2022
राहु	04/02/2022 - 02/04/2022
शुक्र	02/04/2022 - 11/07/2022
सूर्य	11/07/2022 - 08/08/2022
चन्द्र	08/08/2022 - 19/10/2022
मंगल	19/10/2022 - 26/11/2022
बुध	26/11/2022 - 15/02/2023
शनि	15/02/2023 - 03/04/2023

मंगल - राहु

राहु	03/04/2023 - 09/05/2023
शुक्र	09/05/2023 - 12/07/2023
सूर्य	12/07/2023 - 30/07/2023
चन्द्र	30/07/2023 - 13/09/2023
मंगल	13/09/2023 - 07/10/2023
बुध	07/10/2023 - 27/11/2023
शनि	27/11/2023 - 27/12/2023
गुरु	27/12/2023 - 22/02/2024

मंगल - शुक्र

शुक्र	22/02/2024 - 12/06/2024
सूर्य	12/06/2024 - 13/07/2024
चन्द्र	13/07/2024 - 30/09/2024
मंगल	30/09/2024 - 11/11/2024
बुध	11/11/2024 - 09/02/2025
शनि	09/02/2025 - 02/04/2025
गुरु	02/04/2025 - 11/07/2025
राहु	11/07/2025 - 12/09/2025

मंगल - सूर्य

सूर्य	12/09/2025 - 21/09/2025
चन्द्र	21/09/2025 - 14/10/2025
मंगल	14/10/2025 - 26/10/2025
बुध	26/10/2025 - 20/11/2025
शनि	20/11/2025 - 05/12/2025
गुरु	05/12/2025 - 03/01/2026
राहु	03/01/2026 - 21/01/2026
शुक्र	21/01/2026 - 22/02/2026

मंगल - चन्द्र

चन्द्र	22/02/2026 - 19/04/2026
मंगल	19/04/2026 - 19/05/2026
बुध	19/05/2026 - 22/07/2026
शनि	22/07/2026 - 28/08/2026
गुरु	28/08/2026 - 08/11/2026
राहु	08/11/2026 - 23/12/2026
शुक्र	23/12/2026 - 12/03/2027
सूर्य	12/03/2027 - 03/04/2027

बुध - बुध

बुध	03/04/2027 - 04/09/2027
शनि	04/09/2027 - 04/12/2027
गुरु	04/12/2027 - 24/05/2028
राहु	24/05/2028 - 09/09/2028
शुक्र	09/09/2028 - 18/03/2029
सूर्य	18/03/2029 - 12/05/2029
चन्द्र	12/05/2029 - 25/09/2029
मंगल	25/09/2029 - 06/12/2029

भोग्य दशा - सूर्य 2वर्ष 3मास 4दिन

बुध - शनि

शनि	06/12/2029 - 28/01/2030
गुरु	28/01/2030 - 09/05/2030
राहु	09/05/2030 - 12/07/2030
शुक्र	12/07/2030 - 01/11/2030
सूर्य	01/11/2030 - 03/12/2030
चन्द्र	03/12/2030 - 21/02/2031
मंगल	21/02/2031 - 04/04/2031
बुध	04/04/2031 - 04/07/2031

बुध - गुरु

गुरु	04/07/2031 - 12/01/2032
राहु	12/01/2032 - 13/05/2032
शुक्र	13/05/2032 - 11/12/2032
सूर्य	11/12/2032 - 10/02/2033
चन्द्र	10/02/2033 - 11/07/2033
मंगल	11/07/2033 - 30/09/2033
बुध	30/09/2033 - 21/03/2034
शनि	21/03/2034 - 30/06/2034

बुध - राहु

राहु	30/06/2034 - 15/09/2034
शुक्र	15/09/2034 - 27/01/2035
सूर्य	27/01/2035 - 07/03/2035
चन्द्र	07/03/2035 - 10/06/2035
मंगल	10/06/2035 - 01/08/2035
बुध	01/08/2035 - 17/11/2035
शनि	17/11/2035 - 20/01/2036
गुरु	20/01/2036 - 20/05/2036

बुध - शुक्र

शुक्र	20/05/2036 - 10/01/2037
सूर्य	10/01/2037 - 18/03/2037
चन्द्र	18/03/2037 - 02/09/2037
मंगल	02/09/2037 - 30/11/2037
बुध	30/11/2037 - 09/06/2038
शनि	09/06/2038 - 28/09/2038
गुरु	28/09/2038 - 29/04/2039
राहु	29/04/2039 - 10/09/2039

बुध - सूर्य

सूर्य	10/09/2039 - 29/09/2039
चन्द्र	29/09/2039 - 16/11/2039
मंगल	16/11/2039 - 12/12/2039
बुध	12/12/2039 - 04/02/2040
शनि	04/02/2040 - 07/03/2040
गुरु	07/03/2040 - 07/05/2040
राहु	07/05/2040 - 14/06/2040
शुक्र	14/06/2040 - 20/08/2040

बुध - चन्द्र

चन्द्र	20/08/2040 - 18/12/2040
मंगल	18/12/2040 - 20/02/2041
बुध	20/02/2041 - 05/07/2041
शनि	05/07/2041 - 23/09/2041
गुरु	23/09/2041 - 22/02/2042
राहु	22/02/2042 - 29/05/2042
शुक्र	29/05/2042 - 13/11/2042
सूर्य	13/11/2042 - 30/12/2042

बुध - मंगल

मंगल	30/12/2042 - 02/02/2043
बुध	02/02/2043 - 16/04/2043
शनि	16/04/2043 - 28/05/2043
गुरु	28/05/2043 - 17/08/2043
राहु	17/08/2043 - 08/10/2043
शुक्र	08/10/2043 - 05/01/2044
सूर्य	05/01/2044 - 31/01/2044
चन्द्र	31/01/2044 - 03/04/2044

शनि - शनि

शनि	03/04/2044 - 05/05/2044
गुरु	05/05/2044 - 03/07/2044
राहु	03/07/2044 - 10/08/2044
शुक्र	10/08/2044 - 15/10/2044
सूर्य	15/10/2044 - 02/11/2044
चन्द्र	02/11/2044 - 19/12/2044
मंगल	19/12/2044 - 13/01/2045
बुध	13/01/2045 - 08/03/2045

शनि - गुरु

गुरु	08/03/2045 - 29/06/2045
राहु	29/06/2045 - 08/09/2045
शुक्र	08/09/2045 - 11/01/2046
सूर्य	11/01/2046 - 16/02/2046
चन्द्र	16/02/2046 - 16/05/2046
मंगल	16/05/2046 - 02/07/2046
बुध	02/07/2046 - 12/10/2046
शनि	12/10/2046 - 10/12/2046

कुम्भ 8 वर्ष

मीन	01/01/2002 - 01/09/2002
मेष	01/09/2002 - 01/05/2003
वृष	01/05/2003 - 01/01/2004
मिथुन	01/01/2004 - 01/09/2004
कर्क	01/09/2004 - 01/05/2005
सिंह	01/05/2005 - 01/01/2006
कन्या	01/01/2006 - 01/09/2006
तुला	01/09/2006 - 01/05/2007
वृश्चिक	01/05/2007 - 01/01/2008
धनु	01/01/2008 - 01/09/2008
मकर	01/09/2008 - 01/05/2009
कुम्भ	01/05/2009 - 01/01/2010

मीन 9 वर्ष

मेष	01/01/2010 - 01/10/2010
वृष	01/10/2010 - 01/07/2011
मिथुन	01/07/2011 - 01/04/2012
कर्क	01/04/2012 - 01/01/2013
सिंह	01/01/2013 - 01/10/2013
कन्या	01/10/2013 - 01/07/2014
तुला	01/07/2014 - 01/04/2015
वृश्चिक	01/04/2015 - 01/01/2016
धनु	01/01/2016 - 01/10/2016
मकर	01/10/2016 - 01/07/2017
कुम्भ	01/07/2017 - 01/04/2018
मीन	01/04/2018 - 01/01/2019

मेष 10 वर्ष

वृष	01/01/2019 - 01/11/2019
मिथुन	01/11/2019 - 01/09/2020
कर्क	01/09/2020 - 01/07/2021
सिंह	01/07/2021 - 01/05/2022
कन्या	01/05/2022 - 01/03/2023
तुला	01/03/2023 - 01/01/2024
वृश्चिक	01/01/2024 - 01/11/2024
धनु	01/11/2024 - 01/09/2025
मकर	01/09/2025 - 01/07/2026
कुम्भ	01/07/2026 - 01/05/2027
मीन	01/05/2027 - 01/03/2028
मेष	01/03/2028 - 01/01/2029

वृष 7 वर्ष

मेष	01/01/2029 - 01/08/2029
मीन	01/08/2029 - 01/03/2030
कुम्भ	01/03/2030 - 01/10/2030
मकर	01/10/2030 - 01/05/2031
धनु	01/05/2031 - 01/12/2031
वृश्चिक	01/12/2031 - 01/07/2032
तुला	01/07/2032 - 01/02/2033
कन्या	01/02/2033 - 01/09/2033
सिंह	01/09/2033 - 01/04/2034
कर्क	01/04/2034 - 01/11/2034
मिथुन	01/11/2034 - 01/06/2035
वृष	01/06/2035 - 01/01/2036

मिथुन 7 वर्ष

वृष	01/01/2036 - 01/08/2036
मेष	01/08/2036 - 01/03/2037
मीन	01/03/2037 - 01/10/2037
कुम्भ	01/10/2037 - 01/05/2038
मकर	01/05/2038 - 01/12/2038
धनु	01/12/2038 - 01/07/2039
वृश्चिक	01/07/2039 - 01/02/2040
तुला	01/02/2040 - 01/09/2040
कन्या	01/09/2040 - 01/04/2041
सिंह	01/04/2041 - 01/11/2041
कर्क	01/11/2041 - 01/06/2042
मिथुन	01/06/2042 - 01/01/2043

कर्क 12 वर्ष

मिथुन	01/01/2043 - 01/01/2044
वृष	01/01/2044 - 01/01/2045
मेष	01/01/2045 - 01/01/2046
मीन	01/01/2046 - 01/01/2047
कुम्भ	01/01/2047 - 01/01/2048
मकर	01/01/2048 - 01/01/2049
धनु	01/01/2049 - 01/01/2050
वृश्चिक	01/01/2050 - 01/01/2051
तुला	01/01/2051 - 01/01/2052
कन्या	01/01/2052 - 01/01/2053
सिंह	01/01/2053 - 01/01/2054
कर्क	01/01/2054 - 01/01/2055

सिंह 8 वर्ष

कन्या	01/01/2055 - 01/09/2055
तुला	01/09/2055 - 01/05/2056
वृश्चिक	01/05/2056 - 01/01/2057
धनु	01/01/2057 - 01/09/2057
मकर	01/09/2057 - 01/05/2058
कुम्भ	01/05/2058 - 01/01/2059
मीन	01/01/2059 - 01/09/2059
मेष	01/09/2059 - 01/05/2060
वृष	01/05/2060 - 01/01/2061
मिथुन	01/01/2061 - 01/09/2061
कर्क	01/09/2061 - 01/05/2062
सिंह	01/05/2062 - 01/01/2063

कन्या 8 वर्ष

तुला	01/01/2063 - 01/09/2063
वृश्चिक	01/09/2063 - 01/05/2064
धनु	01/05/2064 - 01/01/2065
मकर	01/01/2065 - 01/09/2065
कुम्भ	01/09/2065 - 01/05/2066
मीन	01/05/2066 - 01/01/2067
मेष	01/01/2067 - 01/09/2067
वृष	01/09/2067 - 01/05/2068
मिथुन	01/05/2068 - 01/01/2069
कर्क	01/01/2069 - 01/09/2069
सिंह	01/09/2069 - 01/05/2070
कन्या	01/05/2070 - 01/01/2071

तुला 2 वर्ष

वृश्चिक	01/01/2071 - 01/03/2071
धनु	01/03/2071 - 01/05/2071
मकर	01/05/2071 - 01/07/2071
कुम्भ	01/07/2071 - 01/09/2071
मीन	01/09/2071 - 01/11/2071
मेष	01/11/2071 - 01/01/2072
वृष	01/01/2072 - 01/03/2072
मिथुन	01/03/2072 - 01/05/2072
कर्क	01/05/2072 - 01/07/2072
सिंह	01/07/2072 - 01/09/2072
कन्या	01/09/2072 - 01/11/2072
तुला	01/11/2072 - 01/01/2073

वृश्चिक 1 वर्ष

तुला	01/01/2073 - 01/02/2073
कन्या	01/02/2073 - 01/03/2073
सिंह	01/03/2073 - 01/04/2073
कर्क	01/04/2073 - 01/05/2073
मिथुन	01/05/2073 - 01/06/2073
वृष	01/06/2073 - 01/07/2073
मेष	01/07/2073 - 01/08/2073
मीन	01/08/2073 - 01/09/2073
कुम्भ	01/09/2073 - 01/10/2073
मकर	01/10/2073 - 01/11/2073
धनु	01/11/2073 - 01/12/2073
वृश्चिक	01/12/2073 - 01/01/2074

धनु 6 वर्ष

वृश्चिक	01/01/2074 - 01/07/2074
तुला	01/07/2074 - 01/01/2075
कन्या	01/01/2075 - 01/07/2075
सिंह	01/07/2075 - 01/01/2076
कर्क	01/01/2076 - 01/07/2076
मिथुन	01/07/2076 - 01/01/2077
वृष	01/01/2077 - 01/07/2077
मेष	01/07/2077 - 01/01/2078
मीन	01/01/2078 - 01/07/2078
कुम्भ	01/07/2078 - 01/01/2079
मकर	01/01/2079 - 01/07/2079
धनु	01/07/2079 - 01/01/2080

मकर 8 वर्ष

धनु	01/01/2080 - 01/09/2080
वृश्चिक	01/09/2080 - 01/05/2081
तुला	01/05/2081 - 01/01/2082
कन्या	01/01/2082 - 01/09/2082
सिंह	01/09/2082 - 01/05/2083
कर्क	01/05/2083 - 01/01/2084
मिथुन	01/01/2084 - 01/09/2084
वृष	01/09/2084 - 01/05/2085
मेष	01/05/2085 - 01/01/2086
मीन	01/01/2086 - 01/09/2086
कुम्भ	01/09/2086 - 01/05/2087
मकर	01/05/2087 - 01/01/2088

कुम्भ 8 वर्ष

मीन	01/01/2088 - 01/09/2088
मेष	01/09/2088 - 01/05/2089
वृष	01/05/2089 - 01/01/2090
मिथुन	01/01/2090 - 01/09/2090
कर्क	01/09/2090 - 01/05/2091
सिंह	01/05/2091 - 01/01/2092
कन्या	01/01/2092 - 01/09/2092
तुला	01/09/2092 - 01/05/2093
वृश्चिक	01/05/2093 - 01/01/2094
धनु	01/01/2094 - 01/09/2094
मकर	01/09/2094 - 01/05/2095
कुम्भ	01/05/2095 - 01/01/2096

मीन 9 वर्ष

मेष	01/01/2096 - 01/10/2096
वृष	01/10/2096 - 01/07/2097
मिथुन	01/07/2097 - 01/04/2098
कर्क	01/04/2098 - 01/01/2099
सिंह	01/01/2099 - 01/10/2099
कन्या	01/10/2099 - 01/07/2100
तुला	01/07/2100 - 01/04/2101
वृश्चिक	01/04/2101 - 01/01/2102
धनु	01/01/2102 - 01/10/2102
मकर	01/10/2102 - 01/07/2103
कुम्भ	01/07/2103 - 01/04/2104
मीन	01/04/2104 - 01/01/2105

मेष 10 वर्ष

वृष	01/01/2105 - 01/11/2105
मिथुन	01/11/2105 - 01/09/2106
कर्क	01/09/2106 - 01/07/2107
सिंह	01/07/2107 - 01/05/2108
कन्या	01/05/2108 - 01/03/2109
तुला	01/03/2109 - 01/01/2110
वृश्चिक	01/01/2110 - 01/11/2110
धनु	01/11/2110 - 01/09/2111
मकर	01/09/2111 - 01/07/2112
कुम्भ	01/07/2112 - 01/05/2113
मीन	01/05/2113 - 01/03/2114
मेष	01/03/2114 - 01/01/2115

वृष 7 वर्ष

मेष	01/01/2115 - 01/08/2115
मीन	01/08/2115 - 01/03/2116
कुम्भ	01/03/2116 - 01/10/2116
मकर	01/10/2116 - 01/05/2117
धनु	01/05/2117 - 01/12/2117
वृश्चिक	01/12/2117 - 01/07/2118
तुला	01/07/2118 - 01/02/2119
कन्या	01/02/2119 - 01/09/2119
सिंह	01/09/2119 - 01/04/2120
कर्क	01/04/2120 - 01/11/2120
मिथुन	01/11/2120 - 01/06/2121
वृष	01/06/2121 - 01/01/2122

मिथुन 7 वर्ष

वृष	01/01/2122 - 01/08/2122
मेष	01/08/2122 - 01/03/2123
मीन	01/03/2123 - 01/10/2123
कुम्भ	01/10/2123 - 01/05/2124
मकर	01/05/2124 - 01/12/2124
धनु	01/12/2124 - 01/07/2125
वृश्चिक	01/07/2125 - 01/02/2126
तुला	01/02/2126 - 01/09/2126
कन्या	01/09/2126 - 01/04/2127
सिंह	01/04/2127 - 01/11/2127
कर्क	01/11/2127 - 01/06/2128
मिथुन	01/06/2128 - 01/01/2129

कर्क 12 वर्ष

मिथुन	01/01/2129 - 01/01/2130
वृष	01/01/2130 - 01/01/2131
मेष	01/01/2131 - 01/01/2132
मीन	01/01/2132 - 01/01/2133
कुम्भ	01/01/2133 - 01/01/2134
मकर	01/01/2134 - 01/01/2135
धनु	01/01/2135 - 01/01/2136
वृश्चिक	01/01/2136 - 01/01/2137
तुला	01/01/2137 - 01/01/2138
कन्या	01/01/2138 - 01/01/2139
सिंह	01/01/2139 - 01/01/2140
कर्क	01/01/2140 - 01/01/2141

सिंह 8 वर्ष

कन्या	01/01/2141 - 01/09/2141
तुला	01/09/2141 - 01/05/2142
वृश्चिक	01/05/2142 - 01/01/2143
धनु	01/01/2143 - 01/09/2143
मकर	01/09/2143 - 01/05/2144
कुम्भ	01/05/2144 - 01/01/2145
मीन	01/01/2145 - 01/09/2145
मेष	01/09/2145 - 01/05/2146
वृष	01/05/2146 - 01/01/2147
मिथुन	01/01/2147 - 01/09/2147
कर्क	01/09/2147 - 01/05/2148
सिंह	01/05/2148 - 01/01/2149

कन्या 8 वर्ष

तुला	01/01/2149 - 01/09/2149
वृश्चिक	01/09/2149 - 01/05/2150
धनु	01/05/2150 - 01/01/2151
मकर	01/01/2151 - 01/09/2151
कुम्भ	01/09/2151 - 01/05/2152
मीन	01/05/2152 - 01/01/2153
मेष	01/01/2153 - 01/09/2153
वृष	01/09/2153 - 01/05/2154
मिथुन	01/05/2154 - 01/01/2155
कर्क	01/01/2155 - 01/09/2155
सिंह	01/09/2155 - 01/05/2156
कन्या	01/05/2156 - 01/01/2157

तुला 2 वर्ष

वृश्चिक	01/01/2157 - 01/03/2157
धनु	01/03/2157 - 01/05/2157
मकर	01/05/2157 - 01/07/2157
कुम्भ	01/07/2157 - 01/09/2157
मीन	01/09/2157 - 01/11/2157
मेष	01/11/2157 - 01/01/2158
वृष	01/01/2158 - 01/03/2158
मिथुन	01/03/2158 - 01/05/2158
कर्क	01/05/2158 - 01/07/2158
सिंह	01/07/2158 - 01/09/2158
कन्या	01/09/2158 - 01/11/2158
तुला	01/11/2158 - 01/01/2159

वृश्चिक 1 वर्ष

तुला	01/01/2159 - 01/02/2159
कन्या	01/02/2159 - 01/03/2159
सिंह	01/03/2159 - 01/04/2159
कर्क	01/04/2159 - 01/05/2159
मिथुन	01/05/2159 - 01/06/2159
वृष	01/06/2159 - 01/07/2159
मेष	01/07/2159 - 01/08/2159
मीन	01/08/2159 - 01/09/2159
कुम्भ	01/09/2159 - 01/10/2159
मकर	01/10/2159 - 01/11/2159
धनु	01/11/2159 - 01/12/2159
वृश्चिक	01/12/2159 - 01/01/2160

धनु 6 वर्ष

वृश्चिक	01/01/2160 - 01/07/2160
तुला	01/07/2160 - 01/01/2161
कन्या	01/01/2161 - 01/07/2161
सिंह	01/07/2161 - 01/01/2162
कर्क	01/01/2162 - 01/07/2162
मिथुन	01/07/2162 - 01/01/2163
वृष	01/01/2163 - 01/07/2163
मेष	01/07/2163 - 01/01/2164
मीन	01/01/2164 - 01/07/2164
कुम्भ	01/07/2164 - 01/01/2165
मकर	01/01/2165 - 01/07/2165
धनु	01/07/2165 - 01/01/2166

मकर 8 वर्ष

धनु	01/01/2166 - 01/09/2166
वृश्चिक	01/09/2166 - 01/05/2167
तुला	01/05/2167 - 01/01/2168
कन्या	01/01/2168 - 01/09/2168
सिंह	01/09/2168 - 01/05/2169
कर्क	01/05/2169 - 01/01/2170
मिथुन	01/01/2170 - 01/09/2170
वृष	01/09/2170 - 01/05/2171
मेष	01/05/2171 - 01/01/2172
मीन	01/01/2172 - 01/09/2172
कुम्भ	01/09/2172 - 01/05/2173
मकर	01/05/2173 - 01/01/2174

मैत्री चक्र

नैसर्गिक

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	..	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चन्द्र	मित्र	..	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	..	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	..	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	..	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	..	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	..	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	..	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	..

तात्कालिक

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	..	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चन्द्र	शत्रु	..	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
मंगल	मित्र	शत्रु	..	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	मित्र	..	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
गुरु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	..	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
शुक्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	..	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शनि	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	..	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	..	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	..

पंचधा

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	..	सम	अतिमित्र	मित्र	सम	अतिशत्रु	अतिशत्रु	अतिशत्रु	अतिशत्रु
चन्द्र	सम	..	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	अतिशत्रु
मंगल	अतिमित्र	सम	..	सम	सम	मित्र	मित्र	अतिशत्रु	अतिमित्र
बुध	अतिमित्र	अतिशत्रु	मित्र	..	शत्रु	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
गुरु	सम	अतिमित्र	सम	अतिशत्रु	..	अतिशत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
शुक्र	अतिशत्रु	अतिशत्रु	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	..	सम	सम	सम
शनि	अतिशत्रु	सम	सम	सम	मित्र	सम	..	अतिमित्र	अतिशत्रु
राहु	अतिशत्रु	सम	अतिशत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	अतिमित्र	..	अतिशत्रु
केतु	अतिशत्रु	अतिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	सम	अतिशत्रु	अतिशत्रु	..

अष्टकवर्ग

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	कुल
सूर्य	3	6	4	2	3	4	4	6	6	3	3	4	48
चन्द्र	6	4	4	6	2	5	5	3	4	3	2	5	49
मंगल	3	7	1	2	2	3	2	6	4	1	4	4	39
बुध	4	7	2	2	5	3	5	6	6	4	5	5	54
गुरु	4	5	4	4	6	6	5	4	4	5	4	5	56
शुक्र	4	3	4	5	3	5	6	3	4	4	5	6	52
शनि	3	4	3	4	1	4	5	5	5	2	1	2	39
लग्न	6	3	2	5	3	3	5	5	5	2	6	4	49
कुल	33	39	24	30	25	33	37	38	38	24	30	35	386
कुल	27	36	22	25	22	30	32	33	33	22	24	31	337

शोधित अष्टकवर्ग

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	कुल
सूर्य	0	3	1	0	0	1	1	4	3	0	0	2	15
चन्द्र	4	1	2	3	0	2	3	0	2	0	0	2	19
मंगल	1	6	0	0	0	2	1	4	2	0	3	2	21
बुध	0	4	0	0	1	0	3	4	2	1	3	3	21
गुरु	0	0	0	0	2	1	1	0	0	0	0	1	5
शुक्र	1	0	0	2	0	2	2	0	1	1	1	3	13
शनि	2	2	2	2	0	2	4	3	4	0	0	0	21
लग्न	3	1	0	1	0	1	3	1	2	0	4	0	16

एकादिपत्य शोधन

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	कुल
सूर्य	0	3	1	0	0	0	0	4	3	0	0	0	11
चन्द्र	4	1	2	3	0	0	2	0	2	0	0	0	14
मंगल	0	6	0	0	0	2	0	3	2	0	3	0	16
बुध	0	4	0	0	1	0	0	4	2	1	3	1	16
गुरु	0	0	0	0	2	1	1	0	0	0	0	1	5
शुक्र	1	0	0	2	0	2	2	0	1	1	1	2	12
शनि	0	2	2	2	0	0	2	1	4	0	0	0	13
लग्न	2	1	0	1	0	1	2	0	2	0	4	0	13

पिंड

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	131	133	139	191	195	44	100	156
ग्रह पिंड	66	61	64	78	73	0	35	88
शोध्य पिंड	197	194	203	269	268	44	135	244

प्रस्ताराष्टक वर्ग

लग्न

	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	म	कुल
लग्न	I	I	0	I	0	I	I	0	I	0	0	0	6
बुध	I	I	I	0	I	I	0	I	I	I	I	0	9
सूर्य	I	0	I	0	0	I	0	0	0	I	I	0	5
गुरु	I	I	0	I	0	0	0	I	I	I	0	0	6
चन्द्र	I	I	I	0	0	I	I	0	I	0	I	I	8
शुक्र	I	0	I	0	I	0	I	0	I	I	0	I	7
मंगल	0	0	I	I	0	0	0	I	0	0	I	0	4
शनि	0	0	I	0	0	I	0	0	0	I	I	0	4
कुल	6	4	6	3	2	5	3	3	5	5	5	2	49

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

सूर्य

	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	कुल
लग्न	I	I	I	I	0	I	I	0	I	0	0	I	8
बुध	0	0	I	0	I	0	0	0	0	0	I	I	4
सूर्य	I	0	I	I	0	I	0	0	I	I	I	I	8
गुरु	I	I	0	I	0	0	I	I	I	I	I	0	8
चन्द्र	0	0	0	0	0	I	I	0	0	0	0	I	3
शुक्र	I	0	0	I	0	I	I	0	0	I	I	I	7
मंगल	I	0	0	0	I	I	0	0	0	I	0	0	4
शनि	I	I	0	0	I	I	0	I	0	0	0	I	6
कुल	6	3	3	4	3	6	4	2	3	4	4	6	48

चन्द्र

	क	सि	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	कुल
लग्न	I	0	I	I	0	0	0	0	I	0	0	0	4
बुध	0	0	I	0	0	I	I	0	I	I	I	I	7
सूर्य	I	0	0	I	I	I	0	0	I	I	0	I	7
गुरु	I	0	I	I	0	0	0	I	0	0	I	I	6
चन्द्र	0	I	I	I	0	0	0	I	I	I	0	I	7
शुक्र	I	I	0	I	I	0	I	0	I	I	I	0	8
मंगल	I	0	I	0	0	I	I	0	0	I	I	0	6
शनि	I	0	0	0	I	I	0	0	0	I	0	0	4
कुल	6	2	5	5	3	4	3	2	5	6	4	4	49

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

मंगल

	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	म	कुल
लग्न	I	I	0	I	0	0	I	0	0	I	I	I	7
बुध	0	I	I	I	0	0	0	0	0	I	0	0	4
सूर्य	I	I	0	I	0	0	I	I	0	I	I	0	7
गुरु	I	0	I	I	0	0	0	I	I	0	0	0	5
चन्द्र	0	0	0	I	0	I	0	0	I	I	0	0	4
शुक्र	0	I	0	I	I	0	0	0	0	I	0	0	4
मंगल	0	0	0	I	0	0	0	I	0	0	I	0	3
शनि	I	0	I	0	0	I	0	0	0	I	I	0	5
कुल	4	4	3	7	1	2	2	3	2	6	4	1	39

बुध

	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	कुल
लग्न	I	I	I	0	I	I	0	I	0	0	I	I	8
बुध	I	0	0	I	I	0	0	0	0	0	I	0	4
सूर्य	0	I	I	0	I	0	0	I	I	I	I	I	8
गुरु	0	0	0	I	I	0	0	I	0	I	I	0	5
चन्द्र	I	I	I	I	0	0	I	I	0	I	0	I	8
शुक्र	I	0	I	0	I	I	0	0	I	I	I	I	8
मंगल	0	I	0	I	I	0	0	I	0	I	0	I	6
शनि	0	I	I	0	I	0	I	0	I	0	I	I	7
कुल	4	5	5	4	7	2	2	5	3	5	6	6	54

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

गुरु

	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	कुल
लग्न	0	I	0	I	I	0	0	0	0	0	I	0	4
बुध	I	I	I	I	0	0	I	I	0	I	I	0	8
सूर्य	0	0	I	I	0	I	I	0	I	I	0	I	7
गुरु	I	I	I	I	I	0	I	I	I	I	0	0	9
चन्द्र	0	0	I	I	I	0	0	I	0	0	I	I	6
शुक्र	I	0	0	I	I	I	0	I	I	0	I	I	8
मंगल	0	0	I	0	0	I	0	I	0	I	0	I	5
शनि	I	I	I	0	I	I	I	0	I	I	0	I	9
कुल	4	4	6	6	5	4	4	5	4	5	4	5	56

शुक्र

	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	कुल
लग्न	I	I	I	I	0	0	0	I	I	I	0	0	7
बुध	0	I	I	I	I	0	0	0	0	0	I	0	5
सूर्य	I	I	0	0	I	0	I	I	0	0	I	0	6
गुरु	0	0	0	0	0	0	0	I	0	0	I	I	3
चन्द्र	I	I	I	I	I	0	0	I	I	I	I	0	9
शुक्र	0	0	0	I	0	I	I	0	0	I	0	I	5
मंगल	0	0	I	I	0	I	I	I	I	I	I	I	9
शनि	I	0	I	I	I	I	I	0	0	I	I	0	8
कुल	4	4	5	6	4	3	4	5	3	5	6	3	52

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

शनि

	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे	कुल
लग्न	0	0	I	0	I	I	0	0	0	0	I	0	4
बुध	I	0	0	0	0	I	I	0	0	0	0	I	4
सूर्य	0	I	I	0	0	0	I	I	I	0	0	I	6
गुरु	0	I	I	0	I	I	0	I	I	0	I	0	7
चन्द्र	I	0	0	0	0	I	I	0	0	0	0	0	3
शुक्र	0	I	0	I	I	I	I	I	0	0	0	0	6
मंगल	I	0	0	0	I	0	0	I	0	0	0	0	3
शनि	I	0	I	0	0	0	I	I	0	I	0	I	6
कुल	4	3	4	1	4	5	5	5	2	1	2	3	39

मिलान तालिका

यदि आप अविवाहित हैं तो निम्न सूचना आपके लिये उपयोगी होगी। अपने भावी जीवन साथी से गुण दोष मिलान के लिए उसका नक्षत्र व चरण निम्न तालिका से मिलाइए।

नक्षत्र	चरण	गुण	दोष	मिलान
अश्विनी	1 - 4	31.5		उत्तम है।
भरणी	1 - 4	23.5	3	मध्यम है।
कृतिका	1 - 1	26.5		मध्यम है।
कृतिका	2 - 4	23		मध्यम है।
रोहिणी	1 - 4	27		मध्यम है।
मृगशिरा	1 - 2	19	3	मध्यम है।
मृगशिरा	3 - 4	12	3,4	अच्छा नहीं है।
आरद्रा	1 - 4	20	-4	मध्यम है।
पुनर्वसु	1 - 3	22.5	4,0	मध्यम है।
पुनर्वसु	4 - 4	35	0	उत्तम है।
पुष्य	1 - 4	28	3	मध्यम है।
अश्लेषा	1 - 4	29		मध्यम है।
मघा	1 - 4	19.5	+4	मध्यम है।
पू फाल्गुनी	1 - 4	17.5	3,4	अच्छा नहीं है।
उ फाल्गुनी	1 - 1	25.5	+4	मध्यम है।
उ फाल्गुनी	2 - 4	28		मध्यम है।
हस्त	1 - 4	28		मध्यम है।
चित्रा	1 - 2	12	3	अच्छा नहीं है।
चित्रा	3 - 4	11.5	3	अच्छा नहीं है।
स्वाती	1 - 4	27.5		मध्यम है।
विशाखा	1 - 3	21		मध्यम है।
विशाखा	4 - 4	18	-5	अच्छा नहीं है।
अनुराधा	1 - 4	18	3,5	अच्छा नहीं है।
ज्येष्ठा	1 - 4	20	+5	मध्यम है।
मूल	1 - 4	17	6	अच्छा नहीं है।
पूर्वाषाढ़ा	1 - 4	13	2,3,6	अच्छा नहीं है।
उत्तराषाढ़ा	1 - 1	23.5	6	मध्यम है।
उत्तराषाढ़ा	2 - 4	27		मध्यम है।
श्रवण	1 - 4	25	+2	मध्यम है।
धनिष्ठा	1 - 2	13	3	अच्छा नहीं है।
धनिष्ठा	3 - 4	4.5	3,6	अच्छा नहीं है।
शतभिषा	1 - 4	14.5	6	अच्छा नहीं है।
पू भाद्रपद	1 - 3	20	6	मध्यम है।
पू भाद्रपद	4 - 4	25	5	मध्यम है।
उ भाद्रपद	1 - 4	19	3,5	मध्यम है।
रेवती	1 - 4	27	5	मध्यम है।

दोष प्रकार

0 रन्द्र दोष : 1 गण महा दोषः 2 योनिवर दोषः 3 नाड़ी दोष
4 द्विदाश दोष : 5 नवपंच दोषः 6 भकूट दोषः

चर कारक

आत्म	अमात्य	भ्रातृ	मातृ	पुत्र	ज्ञाति	दारा
मंगल	गुरु	सूर्य	शनि	शुक्र	चन्द्र	बुध
23 08	16 45	16 41	15 25	13 31	09 57	01 59

नवमांश

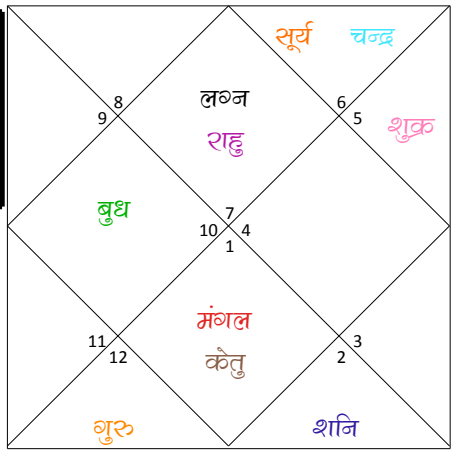

जन्म लग्न

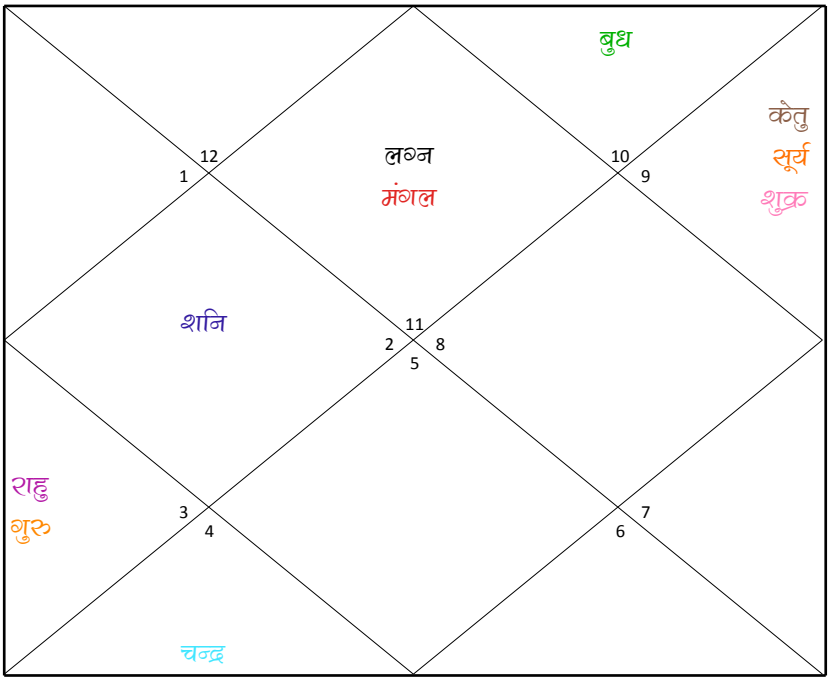

पद कुण्डली

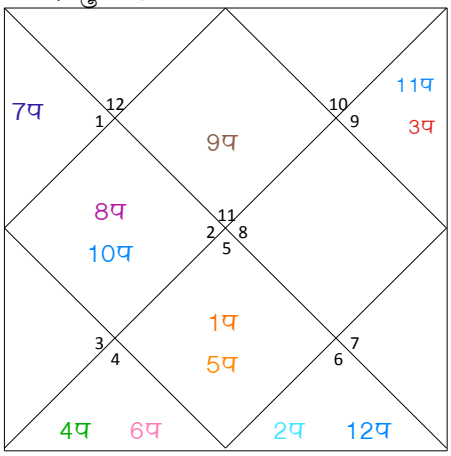

कारकाँश कुण्डली

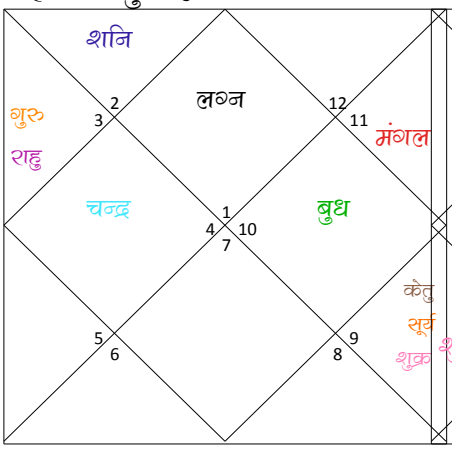

स्वांश कुण्डली

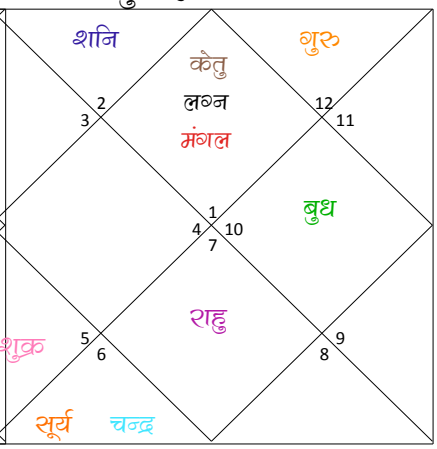

जैमिनी दृष्टि

सूर्य	गुरु,शुक्र,राहु,केतु,
चन्द्र	मंगल,शनि,
मंगल	चन्द्र,
बुध	शनि,
गुरु	सूर्य,शुक्र,राहु,केतु,
शुक्र	सूर्य,गुरु,राहु,केतु,
शनि	चन्द्र,बुध,
राहु	सूर्य,गुरु,शुक्र,केतु,
केतु	सूर्य,गुरु,शुक्र,राहु,

चर दशा

कुम्भ 8 Yr 01/01/2002 - 01/01/2010	मिथुन 7 Yr 01/01/2036 - 01/01/2043	तुला 2 Yr 01/01/2071 - 01/01/2073
मीन 9 Yr 01/01/2010 - 01/01/2019	कर्क 12 Yr 01/01/2043 - 01/01/2055	वृश्चिक 1 Yr 01/01/2073 - 01/01/2074
मेष 10 Yr 01/01/2019 - 01/01/2029	सिंह 8 Yr 01/01/2055 - 01/01/2063	धनु 6 Yr 01/01/2074 - 01/01/2080
वृष 7 Yr 01/01/2029 - 01/01/2036	कन्या 8 Yr 01/01/2063 - 01/01/2071	मकर 8 Yr 01/01/2080 - 01/01/2088

अष्टकवर्ग चक्र

		शोधन से पूर्व	त्रिकोण शोधन	एकाधिपत्य शोधन
सूर्य		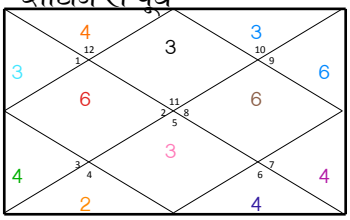	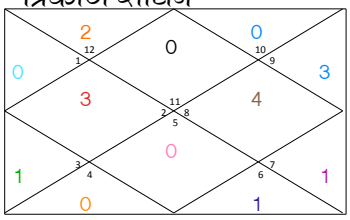	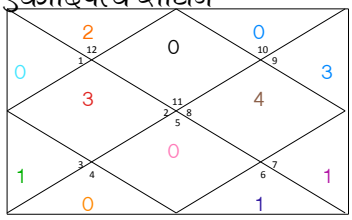
राशि पिंड	133			
ग्रह पिंड	61			
शोध्य पिंड	194			
चन्द्र		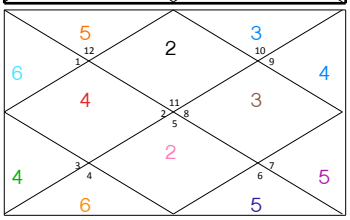	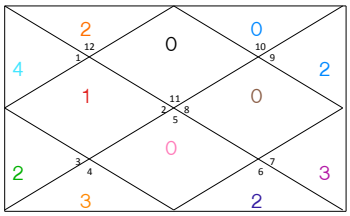	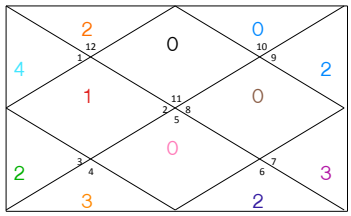
राशि पिंड	139			
ग्रह पिंड	64			
शोध्य पिंड	203			
मंगल		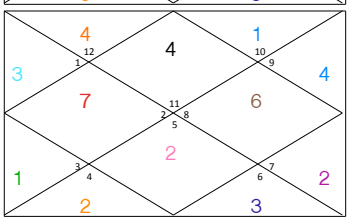	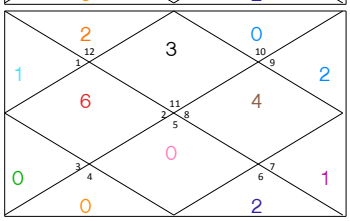	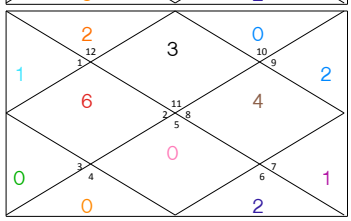
राशि पिंड	191			
ग्रह पिंड	78			
शोध्य पिंड	269			
बुध		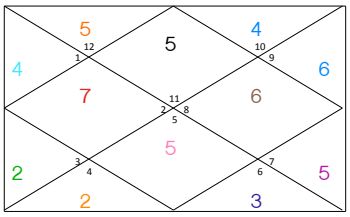	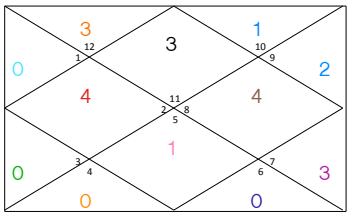	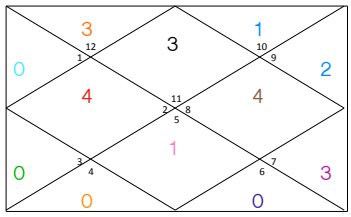
राशि पिंड	195			
ग्रह पिंड	73			
शोध्य पिंड	268			
गुरु		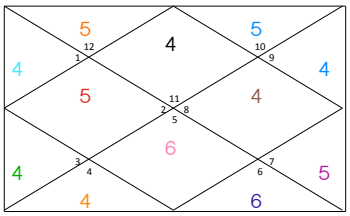	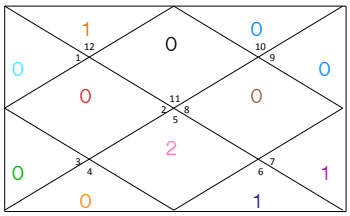	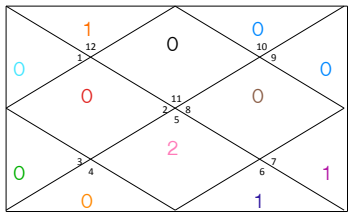
राशि पिंड	44			
ग्रह पिंड	0			
शोध्य पिंड	44			
शुक्र		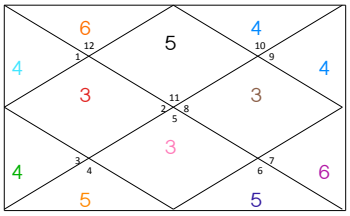	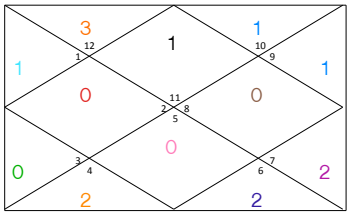	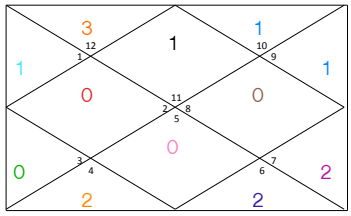
राशि पिंड	100			
ग्रह पिंड	35			
शोध्य पिंड	135			
शनि		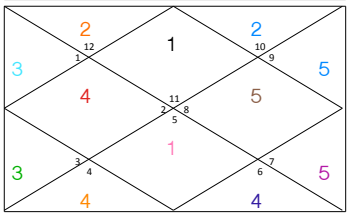	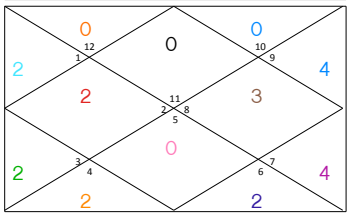	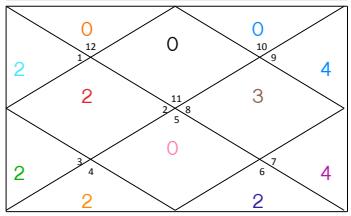
राशि पिंड	156			
ग्रह पिंड	88			
शोध्य पिंड	244			
लग्न		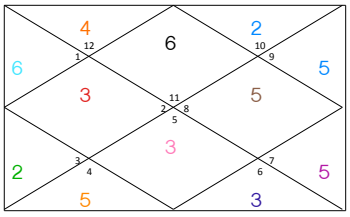	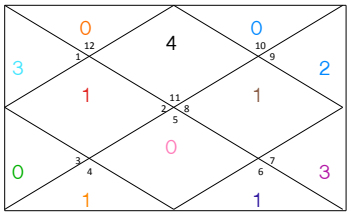	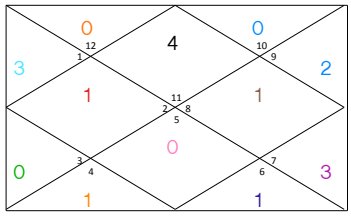
राशि पिंड	131			
ग्रह पिंड	66			
शोध्य पिंड	197			

उपग्रह एवं आरुढ़

उपग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण
लग्न	कुम्भ	02 04 14	धनिष्ठा	3
गुलिक	मेष	18 30 58	भरणी	2
काल	वृष	10 54 31	रोहिणी	1
मृत्यू	मकर	05 41 00	उत्तराषाढ़ा	3
यमघंटक	कुम्भ	25 07 45	पू.भाद्रपद	2
अर्द्धप्रहर	मकर	28 46 43	धनिष्ठा	2
धूम	वृष	00 01 39	कृतिका	2
व्यतिपात	कुम्भ	29 58 21	पू.भाद्रपद	3
परिवेश	सिंह	29 58 21	उ.फाल्गुनी	1
इन्द्रचाप	वृश्चिक	00 01 39	विशाखा	4
उपकेतू	वृश्चिक	16 41 39	ज्येष्ठा	1

उपग्रह

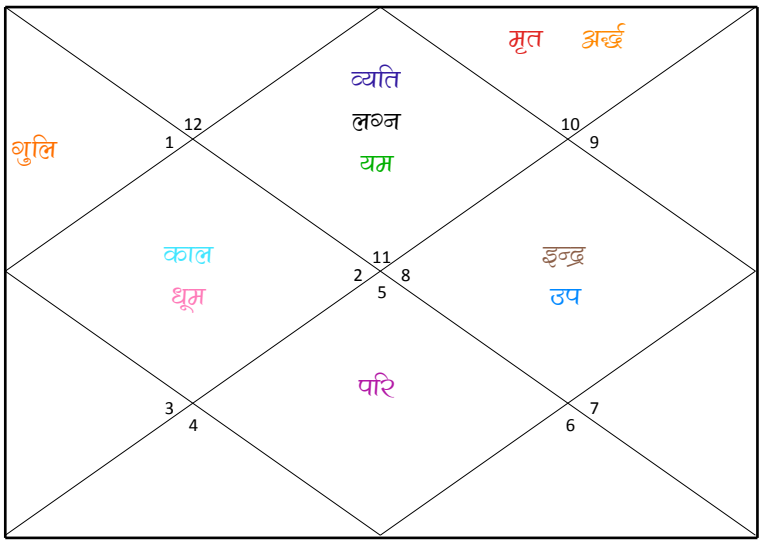

विशेष लग्न

भाव लग्न	मीन	13:27:38	64वां नवमांश	धनु
होरा लग्न	मेष	24:57:00	22वां द्रेष्काण	कन्या
घटिका लग्न	कर्क	13:31:37	इन्दु लग्न	मेष
बीज स्फुट	वृश्चिक	16:58:17		
प्राणपद	सिंह	03:41:39		

षडबल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	22.23	37.68	51.62	24.34	53.92	25.51	8.48
सप्तवर्ग बल	82.50	123.75	112.50	41.25	118.13	60.00	76.88
ओजयुग्मक बल	15.00	30.00	30.00	0.00	15.00	0.00	0.00
केन्द्र बल	30.00	15.00	60.00	15.00	30.00	30.00	60.00
द्रेष्काण बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	15.00
1कुल स्थान बल	149.73	206.43	254.12	80.59	217.05	115.51	160.35
2कुल दिग्बल बल	48.87	41.11	26.72	49.97	15.10	10.07	34.45
नतोन्नत बल	48.23	11.77	11.77	60.00	48.23	48.23	11.77
पक्ष बल	7.75	104.49	7.75	52.25	52.25	52.25	7.75
त्रिभाग बल	0.00	0.00	0.00	60.00	60.00	0.00	0.00
अब्द बल	0.00	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00
मास बल	0.00	0.00	30.00	0.00	0.00	0.00	0.00
वार बल	0.00	0.00	45.00	0.00	0.00	0.00	0.00
होरा बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00
अयन बल	1.53	5.47	23.48	56.65	59.23	0.53	2.27
युद्ध बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3कुल काल बल	57.52	121.73	133.00	228.90	219.71	161.01	21.79
4कुल चेष्टा बल	0.00	0.00	27.35	28.17	59.77	1.26	50.27
5कुल नैसर्गिक बल	60.00	51.43	17.14	25.70	34.28	42.85	8.57
6कुल द्रग्बल	6.44	7.25	13.21	14.93	-5.23	2.47	-4.54
कुल षडबल	322.55	427.94	471.53	428.25	540.68	333.17	270.89
षडबल रुपा में	5.38	7.13	7.86	7.14	9.01	5.55	4.51
न्यूनतम आवश्यकता	5.00	6.00	5.00	7.00	6.50	5.50	5.00
अनुपात	1.08	1.19	1.57	1.02	1.39	1.01	0.90
संबंधित पद	6	4	2	3	1	5	7
इष्ट फल	8.85	44.37	37.57	26.18	56.77	5.67	20.64
कष्ट फल	46.18	13.16	16.54	33.70	1.19	45.01	22.39

भावबल

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भावाधिपति	270.89	540.68	471.53	333.17	428.25	427.94	322.55	428.25	333.17	471.53	540.68	270.89
भावदिग्बल	60.00	40.00	10.00	0.00	20.00	40.00	30.00	10.00	20.00	30.00	40.00	40.00
भावदृष्टि बल	44.60	65.65	46.18	9.12	3.76	50.81	28.59	42.86	41.16	21.22	32.00	54.70
कुल भावबल	375.49	646.33	527.70	342.28	452.01	518.76	381.14	481.11	394.33	522.75	612.68	365.59
भाव बल रुपा में	6.26	10.77	8.80	5.70	7.53	8.65	6.35	8.02	6.57	8.71	10.21	6.09
संबंधित पद	10	1	3	12	7	5	9	6	8	4	2	11

लग्नफल

कुम्भ आपका लग्न चिन्ह है

शनि द्वारा शासित राशि चक्र के ग्यारहवें चिह्न, कुम्भ राशि में आपका जन्म हुआ है। आपकी गर्दन मोटी होगी। आप आत्म सम्मान को बहुत महत्व देते हैं। मित्रों व सम्बन्धियों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आपके सिर पर बाल कम हो सकते हैं। बचपन में आपको कुछ सुख प्राप्त हुए होंगे लेकिन जीवन के परवर्ती भाग में आप सुखी रहेंगे। जीवन के परवर्ती भाग में आपको सम्पत्ति और जायदाद प्राप्त होगी। भाईयों से कुप्रभाव मिलेगा। 24-25 वर्ष की आयु से आप भाग्यशाली होंगे। आप दार्शनिक और जिज्ञासु, अत्यंत शिक्षित व शांतिप्रिय, सभी प्रकार की चीजों के बारें में निरन्तर सोचते रहने वाले, दूसरों की सहायता करने वाले, तेज स्मरण शक्ति वाले और सोचने में तीव्र स्पष्टवादी व्यक्ति हैं। कई उतार चढ़ावों का सामना होगा। आप लंबे और आकर्षक व ओजस्वी व्यक्तित्व के स्वामी हैं। आप कई कठिनाईयों का सामना करते हैं लेकिन निर्भय हैं। आप व्यवहार कुशल हैं और राजनीति में रुचि लेते हैं। सार्वजनिक संस्थानों में भी आपकी रुचि है। आप खेल कूद में रुचि रखते हैं। आपका शरीर गठीला और मजबूत हैं। आप अत्यंत उदार हैं। आप जमीन व सम्पत्ति के स्वामी होंगे लेकिन सावधानी से व्यय करेंगे। आप अपने विचारों व कार्यों में दृढ़ हैं। आपको पार्टियों और क्लबों में जाना पसंद है और सम्भवतः आपकी प्रतिष्ठा अच्छी न हो। आप अपने भावों या प्रेम को प्रकट नहीं करते हैं। आप होशियार हैं। आप शिक्षित और बुद्धिमान साथी को प्राथमिकता देते हैं। चूंकि आप पुष्य नक्षत्र में पैदा हुए थे, आपका अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण होगा, आपको प्रायः लोग पसंद करेंगे। आप धार्मिक उदार और दूसरों को सहायता प्रदान करने वाले होंगे। आप बुद्धिमान शिक्षित होंगे और निष्पाप सत्यवादी और सुखी जीवन यापन करेंगे। आप अत्यंत भाग्यशाली, लोकप्रिय धनी व सुन्दर शारीरिक गठन के स्वामी होंगे। 35 वर्ष की आयु के बाद आपकी उन्नति होगी।

सूर्य ग्रह का प्रभाव

सातवें गृह का स्वामी, ग्यारहवें घर में सूर्य दर्शाता है कि कई स्थानों की यात्रा करेंगे और धन व यश अर्जित करेंगे। आप गुणवान व्यक्ति हैं। आपकी जीवन साथी प्रभावशाली और गरिमायुक्त व्यक्तित्व कि होंगी। आप धार्मिक प्रवृत्ति वाले व्यक्ति हैं और आपको तत्व ज्ञान का सम्पूर्ण ज्ञान है। अपने प्रशंसनीय कार्यों से आप यश व सम्मान अर्जित करेंगे और आपकी आय में वृद्धि होगी।
आपके पुत्र धनी और भाग्यशाली होंगे। आप धनी, शक्तिशाली होंगे और कई प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ आपकी मित्रता होगी। आप बुद्धिमान हैं और गणित का आपका ज्ञान अच्छा है। विभिन्न स्त्रोतों से ठोस आमदनी होगी। आप धनी व्यक्ति होंगे। आप एक प्रकार के धर्म के ज्वर से पीड़ित हो सकते हैं। अपने कर्मचारियों से आपके मधुर सम्बन्ध होंगे। आप बहुत धनी, प्रतिष्ठित और एक शक्तिशाली पद पर पदासीन होंगे। चारों ओर समृद्धि और घरेलु जीवन में प्रसन्नता रहेगी। अच्छी संतान पैदा होगी।
आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति कर लेते हैं। आप आदर्शवादी, चरित्रवान और झगड़ों से बचने वाले व्यक्ति हैं। आप दूसरों की ओर से बीच-बचाव करेंगे। आप वार्तालाप में निपुण और एक अच्छे वाचक है। आप तेज, कुशाग्र बुद्धि वाले, अहंकारी आत्म-निर्भर व्यक्ति हैं। स्वयं द्वारा कमाई गई पूंजी शक्ति, पद, यश और राजनैतिक सफलता में वृद्धि होगी।

चन्द्र ग्रह का प्रभाव

चंद्र के षष्ठेश होकर छठे भाव "अपने भाव" में होने के कारण आप धनी, स्वस्थ और सुखी रहेंगे। परिवार एवं व्यवसाय में आपका वर्चस्व रहने की सम्भावना है। अहंकारी होने की आपकी प्रवृत्ति है। आप लोगों को अपना शत्रु बना लेते हैं।
आप बीमार रहेंगे। चर्म रोग, ब्रोंकाईटिस, पेट की शिकायत, स्नायविक रोग, संग्रहणी, अपच एवं शूल के दर्द से आप परेशान रहेंगे। माता रुग्ण रहेंगी। सरकार कृपालु रहेगी। लेनदारों एवं शत्रुओं का काफी दबाव झेलेंगे । आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे। सम्पत्ति का क्षय भी हो सकता है।
चंद्र कर्क में : आप दीर्घकाय, बड़ी हड्डियों एवं बड़ी बड़ी आँखों वाले व्यक्ति होंगे। चाल आपकी तेज है लेकिन झुक कर चलते है। स्त्री वर्ग का आप पर काफी प्रभाव रहेगा। ज्योतिष शास्त्र में आपकी रुचि होगी। खाँसी से आप परेशान हो सकते हैं। आपके मित्र श्रेष्ठ होंगे। कई घरों के आप स्वामी होंगे। पानी एवं बाग बगीचों के आप प्रेमी होंगे। आप धनी एवं प्रभावशाली होंगे। खुशामद से आप शीघ्र प्रभावित होते हैं। द्वितीया, सप्तमी एवं द्वादशी तिथियाँ आपके लिए अशुभ रहेंगी। सिंह मिथुन एवं कन्या जन्म राशि वाले व्यक्ति आपके मित्र होंगे।

आग से सावधान रहे। ऊँचे स्थान से गिर कर या पानी में डूब कर दुर्घटना ग्रस्त होने की सम्भावना है। नीच जाति के व्यक्तियों से आपको वैमनस्य रहता है। अपने प्रयत्नों से ही आप अपनी पदवी ऊँची करेंगे। संगीत, चित्रकारिता एवं काव्य के आप प्रेमी होंगे। नदी या समुद्र के निकट आपका वास होगा।

मंगल ग्रह का प्रभाव

तीसरे और दसवें गृह का स्वामी, लगन में मंगल दर्शाता है कि आप असंवेदनशील निष्ठुर होंगे, परिवार जनों से क्लेश होगा। पिता से अति स्नेह मिलेगा। बचपन में आप अस्वस्थ और अप्रसन्न रहेंगे। जीवन के परवर्ती भाग में आप स्वस्थ व सम्मानित होंगे व कई सुखों का आनंद लेंगे। जीवन साथी के गृह में कुछ अप्रसन्नता होगी। गर्मी से होने वाले विकारों व सूजन से ग्रस्त रहेंगे। माता के सुख से आपको बैचेनी अनुभव होगी। पिता या भाई से पूरा सहयोग प्राप्त होगा। अचल सम्पत्ति से धन लाभ होगा। सत्ता और समाज में सम्मानजनक स्थिति होगी। व्यवसाय कारोबार में उन्नति होगी।
स्त्री वर्ग का सानिध्य आपको पसंद है। आप पराक्रमी, अपार सम्पत्ति और जायदाद के स्वामी हैं। आप भूरे वर्ण के हैं। आपकी बनावट मजबूत है। आपकी आँखें भूरी और स्वभाव चिड़चिड़ा है। आपकी उतावली प्रवृत्तियाँ हैं। आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता और आप निष्ठुर कार्यों में लगे रहते हैं। यात्राएँ होंगी, व्यर्थ इधर उधर में भटकना होगा और शरीर चोट-ग्रस्त होगा।
कुम्भ राशि में मंगल : आप लालची होंगे और कुकृत्य करेंगे।

बुध ग्रह का प्रभाव

बुध के पंचमेश और अष्टमेश होकर द्वादश भाव में होने के कारण आप समस्याएँ झेलेंगे और अस्वस्थ रहेंगे। विदेशों का भ्रमण करेंगे। वृद्धावस्था में आघात झेलेंगे और बच्चों की शिक्षा के कारण निराश होंगे। आप संवेदनशील हैं, स्नायविक शिकायतों से परेशान रह सकते हैं और गंभीर प्रतिघात सह सकते हैं।
आप अपमान सहते है और थोड़े काहिल हैं। दूसरों के घर में निवास करते हैं। सोच-विचार में निमग्न रहेंगे। आप धारा प्रवाह रूप से बात-चीत करते हैं लेकिन आपकी आवाज कम सुनाई पड़ती है। मामा को खतरें या बीमारी झेलने की सम्भावना है। आपकी असंवेदनशील चेष्टाएं हैं और आप धन-हानि और दुख पाते हैं।
आपका स्वभाव डरपोक है तथा कभी-कदा सत्य नहीं कह पाते। पारिवारिक सुख में कमी रहेगी।

गुरु ग्रह का प्रभाव

गुरु के द्वितीयेश और एकाशेश होकर पंचम भाव में स्थित होना यह बताता है कि आप सहृदय व्यक्ति होंगे। जिसके पुत्र आज्ञाकारी होंगे। आपकी आँखें आकर्षक होंगी। आप कर्मठ हैं और प्रसिद्ध हैं। आपकी संतान संपदा भोगेगी। सुकृत्यों के कारण आप विख्यात होंगे। अपने नाना के परिवार से आपको काफी लगाव रहेगा। आपकी खुराक अच्छी नहीं होगी। आप एक पूर्ण-शिक्षित विद्वान होंगे। आप धार्मिक प्रवृत्ति के और ईश्वर को मानने वाले होंगे। मध्य आयु में परेशानी और कुछ कष्ट भोगने पड़ेंगे। आप पिता के भक्त होंगे और परिवार की रीति, आचार और धर्म भली प्रकार निभाएंगे। नाना पक्ष की कृपा विशेष रहेगी।
आप बुद्धिमान हैं, सरकार आप पर कृपालु रहेगी। पुत्रों द्वारा लाभ प्राप्त करेंगे। शर्तें लगाने में आपको आनंद आता है। मामा से कष्ट मिल सकता है। गुरु "बृहस्पति" सूचक है पुण्यवान् कृत्यों का मान-सम्मान का उचित सलाह का प्रभुतापूर्ण स्थिति का और धन - सम्पत्ति में बढ़ोत्तरी का। आप एक अच्छे विचारक हैं, वक्ता हैं और लेखक हैं। आप अपनी शिक्षा और बुद्धिमत्ता के कारण प्रसिद्ध होंगे। सरकार की आप पर कृपा रहेगी और आप प्रख्यात होंगे।
आपकी विज्ञान में रुचि है और अचानक लाभ या धन-प्राप्ति से आपको आनंद आता है। समाज और परिवार में आप सम्मानित व्यक्ति हैं। आप एक अच्छे लेखक हैं जिनका लोगों से बर्ताव अच्छा रहता है।

शुक्र ग्रह का प्रभाव

शुक्र के चतुर्थेश व नवमेश होकर एकादश भाव में होने के कारण आप दीर्घायु होंगे। माता पिता के आप भक्त होंगे। कई साधनों से लाभ पाएंगे और पुण्यवान् कृत्यों के कारण प्रसिद्ध होंगे। विदेश जाएंगे और भाग्योन्नति प्राप्त करेंगे। आप अचानक व अनायास लाभ एवं सफलता पाएंगे। जन प्रतिनिधित्व करने वाले आप अत्यंत धार्मिक व परोपकारी हैं और सरकार के कृपाभाजन रहेंगे। उच्च पदस्थ व्यक्तियों की आप पर कृपा रहेगी। सरकार व समाज में प्रसिद्ध होंगे। संतान सुन्दर व आकर्षक व्यक्तित्व वाली होगी। बच्चें कला प्रेमी होंगे। आपकी भी संगीत एवं कलाओं में रुचि रहेगी। आप विपुल सम्पत्ति अर्जित करेंगे। पुत्र सुख में कमी रहेगी। आप बुद्धिमान हैं लेकिन खर्चा बहुत करते हैं। व्यवसाय और व्यापार में सफल रहने वाले आपके कई कन्याएं होंगी।
शुक्र के एकादश भाव में होने के कारण आप प्रचुर आर्थिक लाभ प्राप्त करेंगे। ऊँचे तबके के लोगों के कृपा भाजन रहेंगे। आप अति वासना प्रिय हैं और स्थाई सम्पत्ति भोगेंगे। आप मिष्ठान प्रेमी व्यक्ति हैं। संतान श्रेष्ठ होगी। सद्गुणों से सम्पन्न आप अपनी कलात्मक अभिरुचि के लिए प्रसिद्ध होंगे। कई सुन्दर और कीमती वस्तुएँ आपके पास होंगी। शुक्र महती सुविधाएँ सुख विलासपूर्ण जीवन, प्रभावशीलता एवं विपुल सम्पत्ति का दाता है। भवन निर्माण एवं कलात्मक उद्यमों से आप लाभान्वित हो सकते हैं। आपका जानदार व्यक्तित्व है। संतान सुन्दर और बुद्धिमान होगी। आप सत्य प्रिय हैं और विपुल सुख सुविधाएँ भोगेंगे।

आप किसी संस्थान के अध्यक्ष होंगे।

शनि ग्रह का प्रभाव

शनि के लग्नेश और द्वादशेश होकर चतुर्थ भाव में होने के कारण आप परिवार जनों से प्राप्त सुख में कुछ कमी पाते हैं। आप अति चतुर और बुद्धिमान हैं। अपने बुद्धि चातुर्य और अध्यवसाय के कारण आप कठिन उद्यमों में भी सफलता प्राप्त करते हैं। पारिवारिक परम्पराओं का निर्वाह करते हैं। विदेश भ्रमण करेंगे। आप कई लोगों की सहायता करते हैं। अपने धन के बारे में आप सावधान रहते हैं। वाहनादि प्राप्त करने में हानि की सम्भावना है। शरीर में कुछ अशक्तता अनुभव करेंगे। आप अच्छे भोजन के शौकीन हैं और जीवन में सुख भोगते हैं। आप दीर्घायु हैं और बड़े-बड़े उद्यमों में सफल रहते हैं। माँ-बाप के आज्ञाकारी हैं। सरकार व समाज से उच्च सम्मान प्राप्त करते हैं। कभी-कभी शारीरिक परेशानियाँ भोगते हैं। पैतृक सम्पत्ति भोगने की सम्भावना है। आप अध्यवसायी हैं और कर्तव्य-परायण हैं। कला क्षेत्र में अच्छा नाम पाते हैं।
शनि के चतुर्थ भाव में होने के कारण आपके माता पिता रुग्ण रहेंगे। पैतृक धन हानि भी सम्भव है। सम्बन्धियों से झगड़े और विवाद रहेंगे। कुत्ते के काटने और वाहनादि के कारण परेशान रह सकते हैं। चतुर्थ का शनि रुग्णता, माता को खतरा, विदेश भ्रमण या सुदूर प्रदेशों की यात्रा का द्योतक है। अवांछित लोगों का साथ रहेगा। कलंक लग सकता है और शिक्षा प्राप्ति में बाधाएँ आती रहेंगी। स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहेगा। आप जल्दी गुस्सा हो जाते हैं। आप बेहद चतुर व चालाक हैं। कभी कभी बदनामी व अवमाननाएं भुगतेंगे। आप वैसे भाग्यशाली हैं लेकिन थोड़े निराशावादी भी। शरीर पर काफी बाल होंगे। मानसिक रूप से परेशान रहेंगे। बचपन में बीमारी भोगी होगी। संपत्ति और वाहन सुख में कुछ कमी रहेगी। आप काहिल हैं और व्याधिग्रस्त रहते हैं। अपने रिश्तेदारों के कारण धन संपत्ति की हानि भुगत सकते हैं। जन्म स्थान से दूर अधिक खुशहाल रहेंगे। आप अकेले ही रहना पसंद करते हैं। प्रवृत्ति धार्मिक हैं, परिवार के सुख में कमी रहेगी। आपके अधिक रौब-दाब दिखाने के कारण बुढ़ापे में पत्नी और संतानों से विरोध मिलेगा।
शनि वृष में: अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए आप सत्य बोलने से कतरा सकते हैं। धूम्रपान या मदिरा सेवन का आपको व्यसन है। कभी-कभी आर्थिक हानियाँ झेलते हैं। अपनी भाषा के प्रति आप लापरवाह हैं। विषय भोगों के आप प्रेमी हैं। आप चतुर और बुद्धिमान हैं।

राहु ग्रह का प्रभाव

पाँचवें गृह में राहु संकेत देता है कि आप अपार धन सम्पत्ति अर्जित करेंगे और कई देशों की यात्रा करेंगे। आप कामुक हैं और स्त्री वर्ग का साथ पसंद करते हैं। संतान के सुख में कुछ दुर्बलता है। उदर रोगों से ग्रस्त

रहने की सम्भावना है। आप भाग्यशाली, दृढ़ संकल्पी दर्शनशास्त्र और शास्त्रों में रुचि रखने वाले व्यक्ति हैं। पैतृक सम्पत्ति का आनंद है। आत्म प्रतिष्ठा को अधिक महत्व देते हैं। शोधकार्यों में रुचि है। अपने शोध कार्य के लिए उच्च प्रतिष्ठा प्राप्त करते हैं। आपके पास एक अच्छी डिग्री है। आप दलील देने में माहिर हैं। अपने व्यवसाय का संपूर्ण ज्ञान आपको प्राप्त है। राहु उच्च शक्ति व प्रतिष्ठा कामुक प्रकृति उच्च यश व आदर गर्भपात जीवन-साथी व बच्चों की अस्वस्थता का कारण है।

केतु ग्रह का प्रभाव

अपनी जटिल और युक्तिपूर्ण नीतियों से आप अपने विरोधियों पर विजय प्राप्त करते हैं। आप अत्यंत प्रतापी और लोकप्रिय हैं। आकस्मिक लाभ और परियोजनाओं में सफलता मिलेगी। सत्ता व समाज में उच्च सम्मान है। आप एक कुशल राजनेता है। अपने परिश्रम से आप परियोजनाओं में सफलता प्राप्त करते हैं। आपको दाँतों का कष्ट हो सकता है।

शारीरिक गठन, व्यक्तित्व

आपके जन्म के समय प्रथम भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शनि है। शनि लग्नेश होकर चौथे स्थान में स्थित है, जिससे अपना मध्यम फल प्रदर्शित कर रहा है। आपकी शारीरिक संरचना एवं आकृति-प्रकृति सामान्य रूप से अच्छी होने की सम्भावना है। आपका शरीर सुन्दर, कद सामान्य लंबा, हाथ पैर सामान्य मोटे, गर्दन कुछ लंबी तथा बड़ा मुख मण्डल होगा। आप सामान्य रूप से आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी, जिससे लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। धीरे-धीरे आपके व्यक्तित्व के आकर्षण में वृद्धि होगी। आप एक अच्छे स्वभाव युक्त एवं व्यवहार कुशल व्यक्ति हैं, जिससे आप दूसरों के साथ अपना सामंजस्य बिठाने में सफल रहेंगे। आपकी इच्छा शक्ति प्रबल है अतः आप विपरीत परिस्थितियों में भी अपने कार्यों में लगे रहेंगे तथा अपने कार्य को पूर्ण करके ही विश्राम लेंगे। आपकी वैचारिक प्रवृति में दार्शनिकता है। आप गुप्त रहस्यों को समझने में अपना समय लगाएँगे। आप स्वछन्द प्रकृति के मनुष्य हैं। आपका अधिकांश जीवन सुखमय व्यतीत होगा। जीवन में आप अपने पराक्रम तथा बुद्धि से खूब उन्नति करेंगे।

धन, परिवार

आपके जन्म के समय द्वितीय भाव में मीन राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बृहस्पति है। बृहस्पति द्वितीयेश होकर पांचवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आप अपने जीवन में आर्थिक रूप से सुसम्पन्न रहेंगे। आप बुद्धि विवेक के द्वारा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ करने में सफल होंगे तथा जीवन में आर्थिक पक्ष को लेकर विशेष संघर्ष करने की सम्भावना नहीं रहेगी। जिससे आपको जीवन में किसी तरह की कोई विशेष आर्थिक परेशानी नहीं रहेगी। जीवन में आपके पास स्थिर जमापूंजी रहेगी, जिससे आपको लाभ होगा। आपकी पारिवारिक स्थिति भी अच्छी रहेगी। सामाजिक तथा राजनैतिक स्तर से आपके कुटुम्ब की स्थिति प्रभावशाली हो सकती है। आपके पारिवारिक जन परिश्रमी तथा बुद्धिमान होंगे, जो कि आर्थिक रूप से आपके परिवार की उन्नति के लिए प्रयत्नशील रहेंगे। आपके कुटुम्बिजन आपसे प्रभावित रहेंगे। जीवन में आपको पैत्रक सम्पत्ति से लाभ रहेगा। आपकी वाणी मधुरता से युक्त तथा प्रभावशाली होगी तथा अपनी वाणी के द्वारा आप लोगों को प्रभावित रखेंगे। आपका मुख मण्डल ओजस्वी तथा आकर्षक होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और जिह्वा, मुख, गला तथा दायीं आँख में कोई परेशानी आदि होने की सम्भावना बहुत कम है।

पराक्रम, सहोदर

आपके जन्म के समय तीसरे भाव में मेष राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी मंगल है। मंगल तृतीयेश होकर पहले स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आप पराक्रमी, साहसी तथा परिश्रमी हैं। परिश्रम और साहस के बल पर आप अपने जीवन में अच्छी उन्नति कर सकते हैं तथा दूसरे लोग भी आपके साहस तथा पराक्रम से प्रभावित हो सकते हैं। जीवन में ऊँची स्थिति को प्राप्त करने के लिए आपके मन में सदैव इच्छा बनी रहेगी, जिससे आप यदा कदा जोश में आकर बिना विचारे ही किसी भी कार्य को करने अथवा निर्णय लेने की गलती कर सकते हैं। ऐसी स्थिति से आपको बचना चाहिए जिससे बाद में पचतावे वाली स्थिति न हो। विचार पूर्वक ही किसी महत्वपूर्ण कार्य के सम्बन्ध में निर्णय लेना आपके लिए हितकर रहेगा। धैर्यपूर्वक आप बड़े से बड़े कार्यों को भी सफलता पूर्वक पूर्ण कर सकते हैं। जीवन में आपको अपने छोटे भाई-बहनो से स्नेह, सहयोग, सहानुभूति प्राप्त होगी। विशेषकर छोटी बहनों की अपेक्षा छोटे भाइयों का अधिक स्नेह, आदर युक्त व्यवहार हो सकता है। आपका व्यवहार भी उनके प्रति स्नेह तथा सहयोगात्मक रहेगा, आपके छोटे भाई बहन परिश्रमी अच्छी आकृति एवं प्रकृति के होंगे। आपका हृदय विशाल तथा स्वच्छ होगा, जिससे आप अपने सहयोगी तथा निजि जनों के प्रति सहयोगात्मक व्यवहार रखेंगे। आपका कंठ स्वर सामान्यतया अच्छा होगा। तथा जीवन में संगीत आदि के प्रति अभिरुचि रहेगी। गला, हृदय तथा दाएँ कान में कोई विशेष परेशानी आदि होने की सम्भावना कम रहेगी। दूर तथा समीप की यात्राओं से आपके अच्छे सम्पर्क स्थापित होने की सम्भावना रहेगी, जिससे आपको लाभ तथा यश आदि की प्राप्ति हो सकती है, परंतु वाद-विवाद आदि से अवश्य सतर्क रहे।

जायदाद, माता, शिक्षा

आपके जन्म के समय चौथे भाव में वृष राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शुक्र है। शुक्र चतुर्थेश होकर ग्यारहवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आप अपने जीवन में भौतिक सुख ऐश्वर्यों से सम्पन्न रहेंगे। सांसारिक भौतिक सुख - सुविधाओं के प्रति आपके मन में लगाव हो सकता है तथा इनकी प्राप्ति के लिए आपको अधिक संघर्ष नहीं करना पड़ेगा। आप ऐश्वर्यवान होंगे तथा वैभव शाली जीवन यापन करेंगे। आपकी माता जी सुशिक्षित, बुद्धिमान, सौम्य तथा सद्गुणी महिला होगी। अपने आकर्षक व्यक्तित्व तथा कार्यशैली के माध्यम वे पारिवारिकजनों को अपने प्रभाव से प्रभावित रखेंगी तथा परिवार के अन्य जन भी उनके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आपके प्रति उनके मन में विशेष स्नेह रहेगा। उनकी ओर से आपको आवश्यकतानुसार वांछित सुख तथा सहयोग भी प्राप्त होगा। उनके प्रति आपका व्यवहार सम्मान तथा आदर युक्त रहेगा। आपको अपने जीवन में चल तथा अचल सम्पत्ति से लाभ होगा। आपको अच्छे वाहन की प्राप्ति होने की सम्भावना है एवं जीवन में चौपाए वाहन से विशेष लाभ रहेगा। आपका आवास किसी सुरम्य स्थल तथा विस्तृत स्थान में होगा। आपका घर सभी प्रकार की भौतिक तथा

आधुनिक उपकरणों तथा भौतिक सुख सुविधाओं से सुसज्जित रहेगा। तथा आपके पड़ोसी जन भी शिक्षित तथा बुद्धिमान होंगे। आप अध्ययन के क्षेत्र में रुचि लेंगे तथा परिश्रम पूर्वक अपने अध्ययन में सफलता प्राप्त करते हुए उच्च शिक्षा डिग्री को प्राप्त करेंगे। आप व्यवसायिक या तकनीकी शिक्षा में भी डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने जीवन में विविध प्रकार के मित्रों का सान्निध्य प्राप्त करेंगे तथा आपके मित्रों का व्यवहार अच्छा रहेगा। आपके मित्र जीवन में सुख - दुख के समय सहयोग देंगे।

बुद्धि, सन्तान

आपके जन्म के समय पंचम भाव में मिथुन राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बुध है। बुध पंचमेश होकर बारहवें स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आप साधारण रूप से बुद्धिमान होंगे तथा स्मरण शक्ति कम हो सकती है। आपको अपनी बुद्धि का सही तरीके से उपयोग करना चाहिए। आप किसी भी विषय को अच्छी तरह से समझने तथा दूसरों के समक्ष उसे अच्छी तरह से व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करेंगे। आप यदा-कदा अनुचित निर्णय ले सकते हैं अतः सोच समझ कर ही कोई निर्णय लें। आप गणित में कमजोर हो सकते हैं। संतति के सम्बन्ध में सामान्य रूप से चिन्तित हो सकते हैं तथा संतान प्राप्त होने में कुछ विलम्ब होने की सम्भावना है, लेकिन उपाय आदि करने से संतान लाभ शीघ्र ही होगा। आपकी संतान सामान्य रूप से बुद्धिमान, सुन्दर तथा योग्य रहेगी। माता-पिता के प्रति सामान्यतया स्नेह तथा सम्मान रहेगा। प्रेम प्रसंगों में आपकी सामान्य रूप से रुचि हो सकती है, लेकिन इस क्षेत्र में आपको कोई विशेष सफलता प्राप्त नहीं होगी। आपको इन प्रसंगों में मर्यादा का ध्यान अवश्य रखना चाहिए नहीं तो परेशानी हो सकती है। पूर्वजन्म के पुण्यकर्मों का इस जन्म में सामान्य लाभ हो सकता है। जीवन सामान्यतः सुखी रहेगा।

रोग, शत्रु,

आपके जन्म के समय छठे भाव में कर्क राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी चंद्र है। चंद्र षष्ठेश होकर छठे स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आप अपने जीवन में स्वस्थ रहेंगे तथा किसी तरह की कोई विशेष स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानी होने की सम्भावना नहीं रहेगी। सामान्यतया यदा-कदा स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानी होने पर शीघ्र ही स्वस्थ हो जाया करेंगे। जीवन में आपको शत्रु पक्ष से किसी प्रकार की हानि नहीं रहेगी लेकिन आपके शत्रु गुप्त रूप से सक्रिय हो सकते हैं। आपके साथ वे मित्रता की आड़ में गुप्त रूप से शत्रुता जैसा व्यवहार कर सकते हैं। जीवन में सतर्कता अवश्य रखें। जीवन में आपको अच्छे नौकर-चाकरों की प्राप्ति होगी तथा उनका व्यवहार एवं कार्य संतोषजनक रहेगा। आपके

प्रति उनके मन में मान-सम्मान तथा ईमानदारी रहेगी। मामा तथा मामिओं से आपको स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होने की सम्भावना रहेगी। जीवन में आप मानसिक रूप से अधिक क्रियाशील रहेंगे, जिससे अनावश्यक चिन्ता तथा मानसिक परेशानी नहीं रहेगी।

विवाह, दम्पति, साझेदारी

आपके जन्म के समय सातवें भाव में सिंह राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी सूर्य है। सूर्य सप्तमेश होकर ग्यारहवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आपकी जन्म कुण्डली में सप्तमेश सूर्य की अच्छी स्थिति होने से आपके जीवन-साथी का व्यक्तित्व प्रभावशाली, पराक्रमी, बुद्धिमान तथा ईमानदार होगा। आपके जीवन-साथी का शरीर सुन्दर, पुष्ट तथा आकर्षक रहेगा। गौरवर्ण, सामान्यतया कुछ लंबा कद, गंभीर प्रकृति, स्वभाव में सामान्य सौम्यता रहेगी। धार्मिक विचारों के प्रति भी उनकी प्रवृत्ति रहेगी। आपका विवाह किसी सम्पन्न कुल में होगा। उनका सामाजिक तथा राजनैतिक स्तर प्रभावशाली रहेगा। अपने जीवन-साथी के माता-पिता तथा पारिवारिक जनों के प्रति आपका व्यवहार सम्मान युक्त रहेगा तथा आपके जीवन-साथी का आपके माता-पिता तथा पारिवारिक जनों के प्रति संतोषजनक बर्ताव रहेगा। विवाह के पश्चात् आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा दामपत्य जीवन सुखमय रहेगा। आप दोनो एक दूसरे का सुख दुख में साथ देंगे एवं धन ऐश्वर्य से युक्त होकर सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। व्यापार या किसी महत्वपूर्ण कार्य की साझेदारी में स्थिति अनुकूल रहने की सम्भावना है, जिससे लाभ धन यश की प्राप्ति होगी। स्त्री वर्ग की अपेक्षा पुरुष वर्ग से साझेदारी करने में कुछ अधिक लाभ हो सकता है।

आयु, दुर्घटना

आपके जन्म के समय आठवें भाव में कन्या राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बुध है। बुध आठवें स्थान का स्वामी होकर बारहवें स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आप अपने आयु और आरोग्यता के सम्बन्ध में सामान्य रूप से चिन्तित हो सकते हैं लेकिन आप अच्छी आयु एवं आरोग्यता को प्राप्त करेंगे तथा दीर्घ जीवन यापन करेंगे। शरीर में किसी तरह के रोग आदि के लक्षण दिखाई देने पर उसकी जाँच अवश्य करवानी चाहिए। अपने स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान रखें। जीवन में किसी प्रकार की कोई बड़ी आकस्मिक दुर्घटना आदि होने के अवसर नहीं हैं, परंतु मानसिक रूप से इस तरह की घटनाओं के प्रति सामान्य भय हो सकता है। आपको अपने मन से इस तरह के भय को निकाल देना चाहिए तथा जीवन में लापरवाही न बर्तें। चोरी डकैती आदि आकस्मिक घटनाएँ होने की सामान्य सम्भावना रहेगी

परंतु इस तरह की हानि से आपको विशेष क्षति नहीं होगी। जीवन में सावधानी रखना लाभप्रद रहेगा। बीमा आदि करवाना आपके लिए उचित रहेगा। जीवन में आपको आकस्मिक लाभ आदि होने की कोई विशेष सम्भावना नहीं है। आप परिश्रम के बल पर अपने जीवन को सुखमय बनाने में सफल हो सकते हैं।

सौभाग्य, आध्यात्मिकता, प्रसिद्धि, यात्राएँ

आपके जन्म के समय नवम् भाव में तुला राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शुक्र है। शुक्र नवमेश होकर ग्यारहवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना मध्यम फल प्रदर्शित कर रहा है। जीवन में आप सामान्य रूप से सौभाग्यशाली रहेंगे। जीवन की प्रारंभिक अवस्था के पश्चात् आपका भाग्य अधिक साथ देगा, जिससे आपको परिश्रम का संतोषजनक फल प्राप्त होगा। आपको विवाह के पश्चात् अच्छे सुख ऐश्वर्यों का लाभ मिलेगा तथा सौभाग्य में भी वृद्धि होगी। 25 से 28 वर्ष तक की आयु के भीतर आपका भाग्योदय होने की सम्भावना है। इस अवधि में आपको अपने उज्जवल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता के लिए परिश्रम पूर्वक प्रयास करना चाहिए। आध्यात्मिकता के क्षेत्र में आपकी अभिरुचि रहेगी जिससे आप अपने धर्म-सम्प्रदाय के प्रति आस्थावान बनेंगे। आपका पारिवारिक वातावरण भी धार्मिक संस्कारों से युक्त रहेगा एवं आप भी दैनिक पूजा-पाठ आदि में रुचि लेंगे। योग, ध्यान आदि क्रियाओं में एवं धार्मिक दर्शन आदि ग्रन्थों के स्वाध्याय में भी आपकी रुचि रहेगी। ज्योतिष, हस्तविज्ञान आदि में आपकी आस्था रहेगी तथा इनके ज्ञान के प्रति भी रुचि रहेगी। धार्मिक तथा सामाजिक कार्यों से आप प्रसिद्धि तथा यश प्राप्त करेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता आदि में आपको सामान्य रूप से पुरस्कार, मान-सम्मान आदि प्राप्त होने की सम्भावना रहेगी। जीवन में लंबी दूरी की यात्राओं को सम्पन्न करने का योग है जिनसे मान-सम्मान, सुख, ऐश्वर्य आदि प्राप्त होगा। लंबी दूरी की यात्राओं में अच्छी धार्मिक यात्राएँ भी होंगी जिससे आपको आध्यात्मिक सुख तथा शांति प्राप्त होगी।

व्यवसाय, सामाजिक स्तर, आजीविका

आपके जन्म के समय दशम् भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी मंगल है। मंगल दशमेश होकर पहले स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आपकी जन्म कुण्डली में मंगल ग्रह के दशमेश होने के कारण आपको जीवन में आजीविका के सम्बन्ध में संघर्ष आदि कम ही करना पड़ेगा। आप पराक्रम के बल पर अपनी आजीविका का अच्छा विस्तार कर सकते हैं। आपके लिए आजीविका के क्षेत्र में सेना, पुलिस विभाग इंजीनियर, डाक्टर, (सर्जन) भूगर्भ विज्ञान से सम्बन्धित विभाग, उर्जा एवं शक्ति विभाग, विद्युत इंजीनियरिंग, होटल प्रबन्धक या अग्नि कर्मचारी से सम्बन्धित

विभागीय कार्य, अन्य पराक्रम से सम्बन्धित क्षेत्र अनुकूल रहेंगे। इन विभागों में कार्य करने से इच्छित उन्नति तथा लाभ प्राप्त होने की सम्भावना रहेगी, अतः आपको अपने उज्जवल भविष्य एवं चरमोन्नति के लिए उपरोक्त विभागों एवं कार्य क्षेत्रों में अपने कार्य का चयन करना चाहिए। व्यापारिक क्षेत्र में स्वर्ण, लोहा, अन्य धातु रसायन आदि कार्यों से, विद्युत उपकरणों का व्यापार या उत्पादन, कैमिस्ट, औषधि, विक्रय एवं होटल आदि के कार्य से तथा लाल वस्तुओं आदि के व्यापार से इच्छित धन लाभ अर्जित करेंगे। अतः उपरोक्त क्षेत्रों में अपने व्यवसाय का चुनाव कर सकते हैं। जीवन में आपको उच्च मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। आपके पराक्रम तथा कार्यों के द्वारा आपकी ख्याति दूर-दूर तक फैलेगी, जिससे आपके सामाजिक स्तर तथा प्रभाव में वृद्धि होने की सम्भावना रहेगी। सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाओं में भी आपको उच्च पद या सदस्य आदि के रूप में मनोनीत किया जा सकता है। सरकारी क्षेत्र में आपके अधिकार सम्पन्न व्यक्ति होने की सम्भावना है तथा मान-सम्मान आदि की भी प्राप्ति होगी। आपके पिता पराक्रमी, परिश्रमी, तेजस्वी, शिक्षित एवं आकर्षक व्यक्तित्व के होंगे। परिवार के सभी लोग उनसे प्रभावित रहेंगे तथा उनको यथोचित मान-सम्मान भी प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनका विशेष सहयोग तथा मार्ग निर्देशन रहेगा। आपकी उन्नति में उनका विशेष योगदान रहेगा तथा आप अपने उत्तम कार्य कलापों से अपने पिता के मान-सम्मान प्रतिष्ठा ख्याति आदि में चार चाँद लगा देंगे। अपने पिता के साथ आपके अधिकतर मधुर सम्बन्ध ही रहेंगे।

लाभ, आकांक्षाएँ, आय

आपके जन्म के समय ग्यारहवें भाव में धनु राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बृहस्पति है। बृहस्पति ग्यारहवें स्थान का स्वामी होकर पांचवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आपको जीवन में अच्छे धन-ऐश्वर्य का लाभ होने की सम्भावना है। आपको आय स्रोत को सदृढ करने के लिए अधिक संघर्ष नहीं करना पड़ेगा। आपको सम्मानजनक कार्यों के द्वारा लाभ प्राप्त होगा। जीवन में एक से अधिक आय स्रोतों के माध्यम से लाभ प्राप्त हो सकता है। विशेषतया आपको निजि व्यवसाय के माध्यम से लाभ रहेगा। शिक्षक, बैंक, वकील, कम्पनी तथा सरकारी विभाग आदि से आपको लाभ प्राप्त होगा। जीवन में आपकी कई बड़ी महत्वाकांक्षाएँ होंगी। ये आकांक्षाएँ अपने जीवन स्तर को उच्च बनाने के सम्बन्ध में हो सकती हैं। आप आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए प्रयासरत रहेंगे तथा अधिकतया महत्वाकांक्षाएँ पूर्ण होगी। आपके बड़े भाई बहनों की प्रकृति अच्छी रहेगी। उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा एवं उनका व्यवहार सहयोगात्मक होगा। विशेषतया बड़ी बहनों की अपेक्षा आपके बड़े भाईयों का अधिक सहयोग हो सकता है।

व्यय, आवास परिवर्तन

आपके जन्म के समय बारहवें भाव में मकर राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शनि है। शनि बारहवें स्थान का स्वामी होकर चौथे स्थान में स्थित है, जिससे अपना मध्यम फल प्रदर्शित कर रहा है। आप सामान्य रूप से अपने कुटुम्बिजनों, भाई बहनों तथा संतान के लिए धन खर्च करेंगे। आपको आकस्मिक धन आदि का लाभ हो सकता है लेकिन कभी-कभी अधिक धन व्यय होने की सम्भावना हो सकती है। आप किसी धार्मिक तथा सामाजिक कल्याण जैसी संस्थाओं व गरीब जनों के सहयोग के लिए तन, मन, धन से यथासंभव सहायता प्रदान करेंगे। जीवन में विशेष हानि आदि होने की सम्भावना कम रहेगी। आपको दूसरों से अनावश्यक विवाद करने तथा कर्ज लेने में सावधानी रखनी चाहिए जिससे भविष्य में किसी तरह की परेशानी से बचा जा सके। आपके जीवन में आवास परिवर्तन होने के सामान्य अवसर हैं परंतु आवास परिवर्तन होने से आपको कोई विशेष परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा, फिर भी सोच समझ कर ही निर्णय लेना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपकी मुक्ति (मोक्ष) के सम्बन्ध कुछ जिज्ञासा हो सकती है तथा आपकी ध्यान जप, पूजा, संकीर्तन तथा अच्छे ग्रन्थों के स्वाध्याय में सामान्य अभिरुचि रहेगी।

23/08/2018 - 23/01/2020 में आप
बुध की महादशा और चन्द्र की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि के दौरान आप अपने अच्छे विचारों और कल्पना के कारण कुछ ऐसे काम कर सकते हैं जिसे पिछले दिनों आप नहीं कर सके थे। यदि आप कलाकार, कवयित्री, लेखिका इत्यादि है तो यह अवधि आपके लिए शानदार होगी। अपने व्यवसाय / पेशे में आप बहुत अच्छा काम कर सकते हैं। अच्छे भाग्य के कारण कुछ बहुत अच्छे प्रस्ताव भी आपके पास आ सकते हैं। आर्थिक रूप से आपकी स्थिति प्रर्याप्त संतोषजनक रह सकती है। अगर नौकरी कर रहे हैं तो आपकी कार्य प्रणाली में काफी सुधार होगा। इस अवधि में आपकी पदोन्नति के भी योग है। विद्यार्थी हैं तो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का यह अच्छा समय है। थोड़ा सा अधिक प्रयास आपकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करेगा। पारिवारिक वातावरण प्रर्याप्त अच्छा रहेगा लेकिन आपकी माँ के स्वास्थ्य को लेकर समस्याओं का योग है।

23/01/2020 - 19/01/2021 में आप
बुध की महादशा और मंगल की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि के दौरान आप मिश्रित परिणाम प्राप्त करने वाले है। किसी काम को करने में अत्यधिक उत्साह और इच्छा-शक्ति रहेगी लेकिन व्यवहारिकता के आभाव में आप घाटा उठा सकते हैं। आपके व्यवसाय का पक्ष इतना अच्छा नहीं है कि बिना अच्छी तरह आगे-पीछे सोचे आप नया पूंजी निवेश करें, या साझेदारी या नए संस्थानों के काम में भाग लें। आपके कर्मचारी या साझेदार आपके लिए समस्या पैदा कर सकते हैं। अगर नौकरी करते हैं तो आपको अपने आफिस के माहौल में आगे बढ़ने में कठिनाई होगी। आपके वरिष्ठजन आपके काम की निगरानी कर सकते हैं और यह आपके अंदर चिड़चिड़ाहट पैदा करेगा। आप नौकरी छोड़ने की योजना बना सकते हैं या लंबी छुट्टी ले सकते हैं। विद्यार्थी हैं तो इच्छित परिणाम प्राप्त करने के लिए आप सर्वोत्तम प्रयत्न करें। अपने स्वास्थ्य का ख्याल करें, अन्यथा इस अवधि में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं ह सकता। पारिवारिक वातावरण बहुत सहयोगी और प्रसन्नतादायक नहीं रहेगा। परिवार के किसी सदस्य का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

19/01/2021 - 09/08/2023 में आप
बुध की महादशा और राहु की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि के दौरान आप कई चीजों को लेकर उलझन में रहेंगे। अधिकांश समय आप भय में रहेंगे। आपके

अंदर मानसिक भय पैदा हो सकता है जो अवचेतन रूप से आपको परेशान करेगा। आपके व्यवसाय / पेशे में अधिकांश समय उतार-चढ़ाव होंगे और निराशाजनक परिणाम अधिक प्राप्त होंगे। आप घाटा उठा सकते हैं और आर्थिक रूप से आपकी स्थिति बहुत बुरी हो सकती है। उधारदाताओं का दबाव आपको हताश कर सकता है। अगर नौकरी में हैं तो आपके काम-काज का वातावरण वैसा नहीं रहेगा जैसा पहले था। आपका अपने वरिष्ठजनों के साथ तनावपूर्ण सम्बन्ध रहेगा। अनचाही जगह पर स्थानांतरण का योग है। अगर विद्यार्थी हैं तो आप सर्वोत्तम परिणाम पाने योग्य नहीं होंगे। आपकी पढ़ाई में रुकावट भी आएगी। अगर आप अच्छे परिणाम चाहते हैं तो आपको अतिरिक्त गंभीर होना चाहिए। पारिवारिक वातावरण अच्छा नहीं रहेगा। माता-पिता का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

09/08/2023 - 14/11/2025 में आप
बुध की महादशा और गुरु की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि के दौरान आप मिश्रित परिणाम प्राप्त करेंगे लेकिन लाभदायक घटनाएँ ही अधिक होंगी। आप बुद्धिजीवियों के संपर्क में आएँगे और उनके साथ अच्छे सम्बन्ध और समझदारी बढ़ाएंगे। आपका दिमाग भी धर्म और आध्यात्मवाद की ओर झुकेगा। अपने व्यवसाय / पेशे में आप अच्छे मौके पा सकते हैं। यह आपके हुनर और क्षमता पर निर्भर करता है कि इस मौके का आप कितना फायदा उठाते है। बिना अच्छी तरह जाँचे-परखे किसी प्रकार के विस्तार का काम न करें। नौकरी में हैं तो आपको अच्छा वातावरण मिलेगा लेकिन यह लंबे समय तक के लिए नहीं होगा। एक समय विपरीत स्थिति हो जाएगी। इस अवधि में आपकी पदोन्नति हो सकती है लेकिन यह आपके उम्मीदों के अनुरूप नहीं होगी। विद्यार्थी हैं तो अपनी क्षमता दिखाने का यह बहुत अच्छा मौका है। और अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। कुल मिलाकर पारिवारिक वातावरण अच्छा रहेगा लेकिन परिवार के किसी सदस्य का स्वास्थ्य तनाव पैदा कर सकता है।

14/11/2025 - 24/07/2028 में आप
बुध की महादशा और शनि की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि के दौरान विभिन्न स्रोतों से आपके सामने कुछ समस्याएँ आ खड़ी होंगी। आपके मित्र और शुभ चिंतक आपसे बदला-बदला व्यवहार कर सकते हैं। अगर आप किसी व्यवसाय / पेशे से जुड़े हैं तो यह अच्छा समय नहीं है। परिणामों को प्राप्त करने में आपके काम के दौरान बाधाएँ और देर का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक रूप से आप तंग रह सकते हैं और अपने कामों की व्यवस्था में कठिनाई पा सकते हैं। अगर नौकरी पेशा हैं तो आपके काम-काज की स्थितियाँ अच्छी नहीं रहेंगी। आप कुछ लाभों से वंचित

भी हो सकते हैं। जो स्वतः आपके सामने आएँगे। अगर छात्र हैं तो इस अवधि में सुन्दरतम परिणाम प्राप्त करने के लिए आपको बेहद प्रयत्न करने पड़ेंगे। अपने स्वास्थ्य का भी ख्याल रखें। पारिवारिक वातावरण प्रर्याप्त अच्छा रहेगा लेकिन परिवार के किसी सदस्य का स्वास्थ्य समस्या खड़ी करेगा।

24/07/2028 - 20/12/2028 में आप
केतु की महादशा और केतु की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

यह समय आपको जीवन के कुछ ऐसे विचित्र स्वादों का अनुभव देगा जो सभी को एक न एक दिन होते हैं। यदि आपको सीमाएं तोड़कर समस्याओं के आरपार देखने की कला आती है तो मौके आपकी मुट्ठी में रहेंगे। आप भले ही यह लक्ष्य कर लें कि सभी सम्भव स्रोतों से समस्याएँ पैदा हो रही हैं और आपके लिए शायद ही कोई विकल्प बाकी रखा हैं। महानता इसी में है कि आप महान व्यक्तित्व की तरह काम करें। आपके कुछ समस्याग्रस्त क्षेत्र होंगे नौकरी, व्यवसाय, घरेलु मामलें आदि। यदि आपको इनका पता नहीं है तो इन पर सोचते रहने से आपकी चिंता बढ़ेगी। आपकी भ्रामक अंतः स्फूर्तियाँ आपको भयानक तनाव में डाल सकती है और यदि भावुकता का सहारा लेते हैं तो जाल से निकलने का रास्ता आपको मिलना कठिन हो सकता है। अन्यथा आप भी सिंह गर्जना करके एक-एक को ललकार सकते हैं और आपको ताज्जुब होगा कि कोई भी आपके सामने आने का साहस नहीं करेंगे।

20/12/2028 - 19/02/2030 में आप
केतु की महादशा और शुक्र की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि में आपकी चिंतनधारा काफी नकारात्मक रहेगी। आपका दृष्टिकोण भौतिकवादी रहेगा, सबसे लाभ तलाशने वाला विपरीत लिंग के प्रति भी आप काफी आकर्षित रहेंगे और इससे आप मुसिबत में फंसेंगे। अपने व्यवसाय / व्यापार में अपने मूर्खतापूर्ण कामों का चतुरताभरी युक्तियों में सुधार करेंगे और आपकी यहीं हरकत आपकी व्यवसायिक सम्भावनाओं को काफी हदतक बिगाड़ देगी। आपका अव्यवहारिक दृष्टिकोण आपके लिए तमाम समस्याएँ पैदा करेगा और ऐसा भी वक्त आ सकता है कि उनसे आपका उबरना कठिन हो जाए। यदि आप नौकरी-पेशा हैं तो समय ऐसा है कि इसमें आपके भविष्य की रूपरेखा बहुत कुछ आपके आचरण के ऊपर निर्भर करेगी। किसी तरह का गलत आचरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा अंतः इस पहलू की ओर से सतर्क रहे। यदि आप छात्र हैं, तो अच्छे परिणाम पाने के लिए तो काफी सावधानी और गंभीरता की आवश्यकता होगी। आपके पारिवारिक जीवन में झगड़े और तनाव रहेंगे जिनसे अलगाव की नौबत आ सकती है।

आपके जन्म के समय चंद्रमा पुष्य नक्षत्र के द्वितीय चरण में विचरण कर रहा था। इस कारण आपको जन्म के समय पुष्य नक्षत्र का द्वितीय चरण प्राप्त हुआ। इस नक्षत्र में जन्म लेने के कारण आपकी जन्म राशि कर्क है। इस राशि का स्वामी चंद्रमा है। शास्त्रों के अनुसार इस नक्षत्र के द्वितीय चरण में जन्म लेने वाले जातक के नाम का प्रारंभिक अक्षर "हे" होना चाहिए।

ज्योतिष के प्रसिद्ध ग्रंथ जातक-दीपिका में पुष्य नक्षत्र की व्याख्या निम्नलिखित मंत्र द्वारा की गई है।
देवकर्म धनैर्युक्तो बुद्धियुक्तो विचक्षणः।
पुष्ये च जायते लोकः शीतश्च सुभगः सुखी।।

अर्थात जिस जातक की उत्पत्ति पुष्य नक्षत्र में हो, वह देवता, धर्म धन, इन तीनो से युक्त पुत्र वाला, उत्तम पंडित, शांत स्वभाव वाला, सुन्दर आकृति वाला, तथा अधिक सुख प्राप्त करने वाला होता है।

ज्योतिष के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ बृहज्जातकम में पुष्य नक्षत्र की व्याख्या निम्नलिखित ढंग से की गई है।
शान्तात्मा सुभगः पंडितो धनी धर्मसंसृतः पुष्ये।

अर्थात पुष्य नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक शांत प्रकृति वाला, सब का प्रिय, सुन्दर, बुद्धिमान, धनी तथा धार्मिक आचरण वाला होता है।

ज्योतिष के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ जातक पारिजात में पुष्य नक्षत्र की व्याख्या निम्नलिखित श्लोक द्वारा की गई है :
स्तिष्ये विप्रसुरप्रियः सधनधी राजप्रियो बन्धुमान।

अर्थात पुष्य नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक ब्राह्मणों व देवताओं का आदर तथा पूजा करने वाला होता है। वह धनी, बुद्धिमान, राजा का प्रिय तथा बंधुयुक्त होता है।

एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ जातका भरणम में पुष्य नक्षत्र की व्याख्या निम्नलिखित ढंग से की गई है।
प्रसन्नगात्रः पितृमातृभक्तः स्वधर्मसक्तो विनयाभियुक्तः।
भवेन्मनुष्यः खलु पुष्यजन्मा सम्माननानाधनवाहनाढयः।।

अर्थात पुष्य नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक शरीर से स्वस्थ, माता तथा पिता का भक्त, धर्म में विश्वास

रखने वाला, नम्र स्वभाव का, जन मानस में मान प्राप्त करने वाला तथा धन, वाहन इत्यादि सुख से युक्त होता है।

संक्षेप में पुष्य नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक शांत स्वभाव, रूपवान, बहुत चतुर, धनवान् धार्मिक विचार का, ईश्वर एवं गुरुजनो से प्राप्ति करने वाला, बुद्धिमान, राजा द्वारा सम्मानित, बड़े परिवार वाला, अपने परिवार में मुखिया, सत्य प्रेमी तथा हर प्रकार के कार्य करने में कुशल होता है। उसके शरीर का गठन दृढ़ तथा उसके मन में करुणा होती है।

आपकी जन्म राशि कर्क है। विभिन्न ज्योतिष ग्रंथों में आपकी जन्म राशि की व्याख्या विभिन्न प्रकार से की गई है। जो इस प्रकार है :

ज्योतिष शास्त्र के प्रसिद्ध ग्रंथ जातक पारिजात के मतानुसारः
कामासक्तमनोऽटनः सुवचनश्चन्द्रे कुलीरस्थितेः

अर्थात कर्क राशि में जन्म लेने वाला जातका मन से कामासक्त, घूमने फिरने तथा यात्रा इत्यादि का शौक रखने वाला तथा अच्छे वचन बोलने वाला होता है।

मानसागरी नामक ग्रंथ के मतानुसारः
कार्यकारी धनी शूरो धार्मिष्ठो गुरुवत्सलः।
शिरोरोगी महाबुद्धिः कृशा□ः कृत्यवित्तमः।।
प्रवासशीलः कोपान्धोऽबलो दुखी सुमित्रकः।
अनासक्तो गृहे वक्रः कर्कराशौ भवेन्नरः।।

अर्थात कर्क जन्म राशि में जातक कार्यकर्ता, धनी, शूर, धर्मवान गुरु का सेवक, सिर में रोग रखने वाला, परम चतुर, पतली देह वाला, कृत्यों को जानने वालों में सर्वप्रथम, विदेशवासी, अत्यधिक क्रोधी, बलहीन, दुखी, अच्छे मित्रों वाला, असमर्थ तथा अपने घर में और लोगों की अपेक्षा विलक्षण बुद्धि वाला होता है।

सारावली नामक ग्रंथ के मतानुसारः
युक्तः सौभाग्य योगैर्गहसुहृदटन ज्योतिषज्ञानशीलैः
कामासक्तः कृतज्ञः क्षितिपतिसचिवः सत्यप्रमाणः प्रवासी।

सौन्माद् केशकल्पो जलकुसुमरुचिर्हानिवृद्धयानुयातः
प्रासादोद्यानवापीप्रियकरणरतः पीनकण्ठः कुलीरे।।

अर्थात जिस की जन्म राशि कर्क हो वह जातक सौभाग्य, धैर्य घर, मित्र, ज्योतिष ज्ञान व नम्रता से युक्त विषय इत्यादि में आस्कृत, कृतज्ञ, राजमंत्री, सत्यवादी, प्रवासी, उन्मादी, घने बालों वाला, जल तथा फलों की इच्छा रखने वाला, घर तथा बगीचा इत्यादि बनाने में लीन रहने वाला मोटे गले वाला होता है।

ज्योतिष के एक अन्य ग्रंथ ज्योतिशत्तवम के मतानुसारः
कामासक्तो ज्यौतिष ज्ञानशीलैः सयुंक्त सौभाग्ययोगैर्वयस्यैः।
गेहोन्मादैश्चटनैः केशकल्पो भूभृन्मंत्री हानिवृद्धयानुयातः।।
पीनः कण्ठः सत्प्रमाणः प्रवासी वाप्युद्यानस्वर्गनाथालयानाम।
कर्त्ता लोके वा प्रसूने रुचिः स्याताराजाथे कर्कराशि प्रयाते।।

अर्थात जिस जातक का जन्म कर्क राशि में हो तो वह काम में आस्कृत तथा भ्रमण इत्यादि से युक्त कम बालों वाला, राजमंत्री, हानि वृद्धि को प्राप्ति होने वाला, मोटे गले वाला, उत्तम प्रमाण वाला, प्रवास में रहने वाला, बावडी, उद्यान तथा देव मंदिर बनाने वाला तथा लोगों व फलों में प्रीति रखने वाला होता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ फलदीपिका के मतानुसारः
स्त्रीनिर्जितः पीनगलः समित्रो बह्वालयस्तु□कटिर्धनाढ्यः।
ह्रस्वश्र वक्रो द्रुतगः कुलीरे मेधान्वितस्तोयर तोऽल्पपुत्रः।।

अर्थात कर्क राशि में जन्म लेने वाला जातक स्त्रियों के वशीभूत होने वाला, स्थूल गले वाला तथा मित्रवान होता है। ऐसे जातक के कई मकान इत्यादि होते हैं। तथा वह धनी भी होता है। वह कद में अधिक ऊँचा नहीं होता है। परंतु उसकी कमर मोटी होती है। ऐसा जातक बुद्धिमान होता है। तथा जल क्रीड़ाओं का शौक रखने वाला होता है। वह शीघ्र गति से चलने वाला होता है। तथा उसके पुत्र कम होते हैं।

ज्योतिष के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ जातका-भरणम के मतानुसारः
श्रुतकलाबलनिर्मलवृतयः कुसुमगंध जलाशयकेलयः।
किल नरास्तु कुलीरगते विधौ वसुमतीसुमती स्मितलब्धयः।

अर्थात जिस जातक का जन्म कर्क राशि में हो वह जातक वेदों व शास्त्रों का ज्ञान रखने वाला, बली, सदाचार का पालन करने वाला, फूलों की सुगंध तथा जल क्रीड़ाओं का शौक रखने वाला, संचार में प्रसिद्धि तथा कीर्ति प्राप्त करने वाला होता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ जातक-दीपिका के मतानुसारः
पवनकफशरीरो देव संकाशरुपः।
स्वयमुपचितवित्तो देवताविप्रभक्तः।।
कुलजन परिसेवी मण्डलाकार मध्यो।
भवति विपुलवित्तः कर्कटो यस्य राशिः।।

अर्थात कर्क राशि में जन्म लेने वाला जातक वात व कफ प्रकृति युक्त देवताओं के समान रूप वाला, अपने स्वयं के प्रयत्नों से धन अर्जित करने वाला, देवताओं तथा ब्राह्मणों में भक्ति भाव रखने वाला, ऊँचे परिवार के लोगों की सेवा करने वाला, कमर का भाग ऊँचा तथा मोटा व अत्यधिक धनी होता है।

संक्षेप में कर्क राशि में जन्म लेने वाला जातक परोपकारी, वस्तुओं के संग्रह में कुशल, गुणवान, माता-पिता तथा ब्राह्मणों की भक्ती करने वाला, वेद व शास्त्रों का ज्ञान रखने वाला, सुगंधित वस्तुओं तथा जल क्रीड़ाओं अर्थात तैरने आदि का शौक रखने वाला होता है। वह तेज चाल से चलता है। तथा अच्छे मित्रों वाला, उद्यान इत्यादि का प्रेमी, दयावान, मिलनसार तथा प्रीति युक्त प्रवृत्ति वाला होता है। ऐसे जातक का किसी ऊँचे स्थान से गिरने का भी भय रहता है। वह ऊँचे कद का तो नहीं होता परंतु मोटा व पुष्ट गालों वाला होता है। वह दिखने में सुन्दर तथा सर पर कम बालों वाला होता है। उसकी स्त्री स्वभाव से पतिवृता तथा पति को प्रेम करने वाली होती है। उसकी संतान अधिक होती है। ऐसा जातक अपने पुरुषार्थ द्धारा अपने वंश के मान की उन्नति करवाने में समर्थ होता है। व्यवसाय द्धारा उसे लाभ होता है। परंतु ऐसे जातक का धन चंद्रमा के स्वभावानुसार घटता है। तथा चित्रकारी, कविता एवं गायन विद्या का शौकीन होता है। वह तरल पदार्थों का व्यापार करने वाला तथा गणित एवं ज्योतिष में रुचि रखने वाला होता है।

कर्क राशि में जन्म लेने वाले जातक के लिए बारहवां इक्कीसवां, इकत्तीसवां, इकतालिस तथा साठवां वर्ष, मास तथा दिन लाभदायक नहीं होता है।

द्वितीयए सप्तमी एवं द्वादशी तिथि जातक के लिए अशुभ होती है। सिंह, मिथुन एवं कन्या राशि का मनुष्य उत्तम तथा मेष, वृषभ, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ एवं मीन राशि के मनुष्य साधारण मित्र होते हैं।

माघ मास, शुक्ल पक्ष, नौमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र एवं शुक्रवार लाभदायक नहीं होते हैं।

पुष्य नक्षत्र में जन्म लेने वाले जातक को अपने इष्ट देव शंकर भगवान को प्रतिदिन विल्वपत्र चढ़ाने चाहिए तथा सोमवार को उपवास रखना भी लाभकारी सिद्ध होगा। ऐसा करने से मानसिक अथवा शारीरिक समस्याओं में कमी आती है। इसके अतिरिक्त ऐसे नियम का पालन करने से व्यापार अथवा नौकरी में भी आने वाली बाधाओं में कमी आने लगती है। दान स्वरूप आप सफेद मोती, सफेद वस्त्र, चावल या मिश्री इत्यादि दे सकते हैं। मानसिक तनाव तथा अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आप चंद्रमा के तंत्रीय मंत्र का जाप करना अथवा किन्ही योग्य पुरोहित जन से करवाना हितकारी सिद्ध होता है।

चंद्रमा का तंत्रीय मंत्र इस प्रकार है :

जन्म कुण्डली में जन्म राशि से बारहवीं राशि में गोचरस्थ शनि का प्रवेश साढ़े साती का आरंभ कहलाता है। साढ़े साती के तीन चरण है। गोचरस्थ शनि का जन्म राशि से बारहवीं राशि में प्रवेश पहला चरण, जन्म राशि में प्रवेश दूसरा चरण तथा जन्म राशि से द्वितीय राशि में प्रवेश तीसरा चरण होता है। चूंकि गोचरस्थ शनि प्रत्येक राशि में ढाई वर्ष तक रहता है। इसलिए इसे साढ़े साती कहते हैं। साढ़े सात वर्ष कभी भी केवल अशुभ ही नहीं होते शनि जिस राशि में हो उसके अधिपति की शनि से मित्रता, शत्रुता अथवा समता पर शनि की शुभता अथवा अशुभता निर्भर करती है। जन्म कुण्डली में शनि जिस भाव का अधिपति होगा शनि की शुभता अथवा अशुभता उसी के अनुरूप होगी।

शनि-साढ़ेसती की तिथि तालिका

पहला चक्र
पहला चरण 24/07/2002 - 06/09/2004
दूसरा चरण 06/09/2004 - 02/11/2006
तीसरा चरण 02/11/2006 - 10/09/2009

दूसरा चक्र
पहला चरण 31/05/2032 - 13/07/2034
दूसरा चरण 13/07/2034 - 28/08/2036
तीसरा चरण 28/08/2036 - 23/10/2038

तीसरा चक्र
पहला चरण 11/07/2061 - 25/08/2063
दूसरा चरण 25/08/2063 - 13/10/2065
तीसरा चरण 13/10/2065 - 31/08/2068

गोचरस्थ शनि का मिथुन राशि में प्रवेश करते ही कर्क राशि वालों के लिए साढ़े साती का प्रथम चरण आरंभ हो जाता है। प्रथम चरण में शनि अपने मित्र ग्रह बुध की राशि में है। इसमें शनि सप्तम तथा अष्टम भाव का अधिपति बन कर द्वादश भाव में स्थित है। शनि का मिथुन राशि में रहने से जातक का स्नायविक स्थान कमजोर पड़ जाता है। जातक को अपच, गैस, अपस्मार या उन्माद जैसे रोग कष्ट देते हैं। जातक व्यर्थ में भटकता रहता है। ऐसा जातक घर से बाहर रहना पसंद करता है। धन का अपव्यय होता है तथा

जातक धन उधार भी ले सकता है। इस कारण जातक को व्यर्थ की चिंताएँ व मानसिक क्लेश रहता है। ऐसे में जातक कई व्यसनों का आदी भी हो जाता है जिससे वह आलसी तथा अविश्वसनीय हो जाता है। जातक के मन में कटुता, क्रोध, वैर, विरोध इत्यादि बढ़ने लगते हैं। सीधी दिशा में किए गए कार्य भी उलटने लगते हैं। माता व मातृ-पक्ष को भी कष्ट हो सकता है। जातक को घर छोड़कर विदेश अथवा परदेश जाना पड़ सकता है। परंतु वहाँ जातक प्रायः सफल होता है। जातक की रुचि निम्न कार्यों में बढ़ने लगती है। ऐसे समय में यात्रा में कष्ट रहता है। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। बिजली व शस्त्र से भी सावधान रहना चाहिए। यदि जातक सरकारी कर्मचारी है या नौकरी में है तो प्रायः ऐसे समय जातक के उच्चाधिकारियों से सम्बन्ध बिगड़ जाते हैं। स्थानांतरण की भी सम्भावना बनी रहती है। कई बार व्यापार भी बदलना पड़ सकता है। व्यापार में साझेदारों से अनबन अथवा उनसे धोखे की आशा रहती है। स्त्री व पुत्र को कष्ट रह सकता है। जातक कई बार अपनी बातों के कारण हँसी का पात्र भी बन जाता है। भाइयों व परिवार जनों का साथ छूट जाता है अथवा परिवार में अनबन रह सकती है। ऐसे समय में कार्य स्थान पर चोरी की सम्भावना भी रहती है।

गोचरस्थ शनि का कर्क राशि में प्रवेश करते ही कर्क राशि वालों के लिए साढ़े साती का द्वितीय चरण आरंभ हो जाता है। द्वितीय चरण में शनि अपने शत्रु ग्रह चंद्रमा की राशि कर्क में है। इसमें शनि सप्तम तथा अष्टम भाव का अधिपति बन कर लगन में स्थित है। ऐसे समय जातक को विशेष कष्ट रहता है। जातक कुछ हठी हो जाता है। इसी कारण उसके बने बनाए काम बिगड़ने लगते हैं। उच्च वर्ग से सम्बन्ध कुछ सुधर जाते हैं। जातक कुछ उन्नति भी पा सकता है। शत्रु पक्ष को इस समय पराजित होना ही पड़ता है। परंतु सब कुछ होते हुए भी जातक मानसिक व शारीरिक रूप से परेशान ही रहता है। मातृ-सुख में भी कमी आने लगती है परंतु जातक की हिम्मत बनी रहती है। व्यवहार कुशल होने से वह अन्ततः विजयी होता है। इस समय शत्रु पक्ष प्रबल हो जाता है। जातक को कोई भी कार्य करने से पहले अच्छी तरह से विचार-विमर्श कर लेना चाहिए। किसी को दिया हुआ धन पुनः प्राप्त करना सरल नहीं होता। घर का वातावरण कलह पूर्ण हो जाता है। जातक को ऐसे समय में कहीं से अचानक सहायता मिलती है।

गोचरस्थ शनि का सिंह राशि में प्रवेश करते ही कर्क राशि वालों के लिए साढ़े साती का तृतीय व अंतिम चरण आरंभ हो जाता है। तृतीय चरण में शनि अपने शत्रु ग्रह सूर्य की राशि सिंह में है। इसमें शनि सप्तम व अष्टम भाव का स्वामी बन कर द्वितीय भाव में स्थित है। इस स्थिति में शनि धन का नाश करता है। संचित धन में कमी आने लगती है। धनाभाव से जातक गलत कार्यों में संलिप्त हो सकता है। जिसमें मान हानि का खतरा बना रहता है। इस समय जातक को बहुत दुख उठाने पड़ सकते हैं तथा नयी-नयी समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। भाई तथा परिवार जनों का साथ छूटने लगता है। घर की शांति भंग हो सकती है।

ऐसी स्थिति में जातक को किसी प्रियजन से दूर जाना पड़ सकता है। साझेदारी में विश्वास घात हो सकता है। लोहा, लकड़ी इत्यादि के कार्यों में हानि की सम्भावना रहती है। स्थानांतरण या किसी कारण वश घर से दूर जाना पड़ सकता है या घर बदलना भी पड़ सकता है। अधिकारी वर्ग नाराज रहते हैं। ऐसे समय वाहन की प्राप्ति हो सकती है परंतु चोट लगने की सम्भावना रहती है। वाहन चलाने में सावधानी बरतनी चाहिए। विद्या ग्रहण कर रहे जातक व्यवसाय में आने का प्रयास करते हैं तथा असफल भी हो सकते हैं। इस कारण जातक को अपयश मिलता है। इस समय जातक लेखन कार्य में सफलता प्राप्त कर सकता है। जातक आत्म निर्भर बनने का प्रयास भी करता है। तथा सफल होता है।

साढ़े साती का सम्पूर्ण समय एक जैसा नहीं होता तथा शुभ व अशुभ परिणाम इस बात पर निर्भर करते हैं कि गोचर में शनि किन नक्षत्रों में भ्रमण कर रहा है। साढ़े साती में अनिष्ट फलों को कम करने के उपाय मंत्र जाप, पूजा, सेवा तथा दान पर आधारित है। दोष शांति का उपाय जानने के लिए जन्म कुण्डली की सम्पूर्ण विवेचना आवश्यक है। फिर भी साढ़े साती के अरिष्ट फलों को कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं। ये उपाय यदि साढ़े साती के आरंभ होने से पहले ही कर लें तो विशेष लाभ की सम्भावना होती है।

1 प्रत्येक शनिवार को शनि देवता के मंदिर में जाकर पूजा करें, व तेल चढ़ाए।
2 शनि ग्रह का मंत्र जाप करें,। संध्या के समय 108 बार इस मंत्र का जाप करें, - " ऊँ सः शनैश्चराय नमः " या " ऊँ शं शनैश्चराय नमः " ।
3 शनिवार को वृत रखें। शुक्ल पक्ष में वृत का आरंभ करें, तथा कम से कम 40 शनिवार तक वृत रखें।
4 सरसों के तेल का दीपक प्रत्येक शनिवार पीपल के पेड़ के नीचे रखें ।
5 लोहा, काला सुरमा, सरसों का तेल, चमड़े के जूते, काला कपड़ा, शराब, काली उड़द की दाल आदि का शनिवार को दान करें,।
6 काले घोड़े की नाल या नाव की कील का छल्ला धारण करें, अथवा नीलम धारण करें,।
7 निम्न वर्ग के व्यक्तियों की सेवा करें, या उन्हे दान दें।
8 शराब व मांस का सेवन न करें,।
9 शनिवार को काला सुरमा जमीन में दबा दें।
10 नारियल अथवा बादाम शनिवार के दिन नदी में बहाएं।
11 रात्रि में दूध न पीएं।

यद्यपि ये उपाय बता दिए गए हैं किन्तु इन्हें अपने आप आरंभ नहीं करना चाहिए। किसी विद्वान ज्योतिषी से

परामर्श लेकर ही उपाय करने की विधि तथा उचित समय की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। यदि साढ़े साती के अरिष्ट फलों की शांति के लिए उचित रीति से उपाय किए जाए तो साढ़े साती के परिणाम उतने भयाकारी नहीं होंगे जितना कि उनसे भयभीत किया जाता है।

मंगलीक विचार

आपकी जन्मपत्रिका के प्रथम भाव लगन में मंगल स्थित है जिससे आप एक मांगलिक पुरुष हैं। लगन में मंगल की स्थिति होने से आपके व्यवहार में सामान्य तेजी रहेगी। आपका स्वास्थ्य अधिकतया उत्तम रहेगा। बाल्यकाल में सामान्य रूप से पेट एवं दाँतों से सम्बन्धित परेशानी हो सकती है। जीवन में रक्त, वात, पित्त, से सम्बन्धित रोगों के प्रति आपको सावधान रहना चाहिए वैसे आपके शारीरिक स्वास्थ्य पर विशेष प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। आप अपने पराक्रम से प्रत्येक कार्य में सफलता प्राप्त करेंगे। प्रथम भाव में मंगल की स्थिति यह दर्शाती है कि आपके विवाह संस्कार होने में किंचित विलम्ब हो सकता है तथा विलम्ब होने का यह भी कारण हो सकता है कि आपको अपनी मन पसंद तथा वैचारिक साम्यता वाली लड़की मिलने में कुछ समय लग सकता है। विवाह के पश्चात आपकी पत्नी का शारीरिक स्वास्थ्य अधिकतया अच्छा रहेगा तथा आप सुखी वैवाहिक जीवन यापन करेंगे।

आपकी जन्म कुण्डली के लगन में स्थित मंगल चार, सात, और आठवें भाव को अपनी पूर्ण दृष्टि से दृष्टिगोचर कर रहा है। चतुर्थ भाव पर मंगल की पूर्ण दृष्टि होने से सांसारिक सुख संसाधनों की उत्तम सुख प्राप्ति के लिए आपको सामान्य रूप से कुछ अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। जीवन में आपको मकान, भूमि, वाहन की प्राप्ति होने की सम्भावना रहेगी। सप्तम भाव पर मंगल की पूर्ण दृष्टि होने से आपकी पत्नी का स्वास्थ्य यदा-कदा सामान्य अस्वस्थ होने की सम्भावना हो सकती है लेकिन उसका आपके दामपत्य जीवन पर कोई विशेष प्रतिकूल प्रभाव होने की सम्भावना नहीं रहेगी। अष्टम भाव पर मंगल की पूर्ण दृष्टि होने से आपको यदा-कदा सामान्य संघर्ष करना पड़ेगा। आप अपनी मेहनत से जीवन में आनेवाली कठिनाईयों का समाधान करने में सफल रहेंगे। पित्त तथा रक्त से सम्बन्धित सामान्य परेशानी हो सकती है लेकिन इसका आपके स्वास्थ्य पर कोई विशेष प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

आपको अपने वैवाहिक जीवन पर पड़ने वाले मंगल के दुष्प्रवाह को शुभ प्रभाव में परिवर्तित करने के लिए किसी मांगलिक कन्या से विवाह करना चाहिए जिससे एक दूसरे का मांगलिक दोष मिट सके तथा इस दोष के भंग होने के लिए लड़की की कुण्डली में एक, चार, सात, आठ तथा बारहवें घर में से किसी एक घर में शनि, अथवा राहु, जैसे, पाप ग्रह को स्थित होना चाहिए यदि इस रीति से दोनो का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो आप विवाह कर सकते है जिससे आपका वैवाहिक जीवन तथा शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं आप धनैश्वर्य से युक्त होकर सुखी वैवाहिक जीवन निर्वाह करेंगे।

रत्न	धातु	अंगुली	दिन	समय	
माणिक	सोना	अनामिका	रवि	प्रातः	नक्षत्र
मोती	चांदी	कनिष्ठिका	सोम	प्रातः	कृतिका, उ फाल्गुनी, उतराषाढा
मूंगा	सोना	अनामिका	मंगल	प्रातः	रोहिणी, हस्त, श्रवण
पन्ना	सोना	कनिष्ठिका	बुध	प्रातः	मृगशिरा, चित्रा ,धनिष्ठा
पुखराज	सोना	तर्जनी	गुरू	प्रातः	अशलेषा, ज्येष्ठा, रेवती
हीरा	प्लेटीनम	कनिष्ठिका	शुक्र	प्रातः	पुर्नवसु, विशाखा, पूर्वाभद्रपद
नीलम	चांदी	मध्यमा	शनि	सांयः	भरणी, पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढा,
गोमेद	चांदी	मध्यमा	शनि	रात्रि	पुष्य, अनुराधा, उत्तराभाद्रपद
लहसूनियां	चांदी	अनामिका	गुरू	रात्रि	आद्रा, स्वाती, शतभिषा
					अश्विनी, मघा, मूला

शुभ रत्न

रत्नों का उपयोग यदि उचित रूप से किया जाए तो रत्न वास्तव में उचित फल प्रदान करने में सहायक सिद्ध होते हैं। इस कार्य में रत्न का चुनाव अत्यधिक महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। इसके अतिरिक्त रत्न की उत्तमता भी अपना विशेष महत्त्व रखती है। किसी भी जातक के लिए निर्धारित किए गए शुभ रत्न, शुभ ग्रहों की किरणो को ग्रहण कर के मानव शरीर में उन किरणों का प्रसार कर शुभ फल प्रदान करने में उपयुक्त सिद्ध होते हैं। यहाँ तीन प्रकार के रत्नों का विवरण दिया गया है।

आजीवन रत्न : नीलम
भाग्यवर्धक रत्न : पन्ना
शुभ रत्न : हीरा

माणिक	ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।
मोती	ऊँ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्राय नमः।
मूंगा	ऊँ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः।
पन्ना	ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।
पुखराज	ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरुवे नमः।
हीरा	ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।
नीलम	ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।
गोमेद	ऊँ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः।
लहसुनियां	ऊँ स्त्रां स्त्रीं स्त्रौं सः केतवे नमः।

जैसा कि ऊपर बताया गया है कि किसी भी जातक की जन्म कुंडली में उत्तम ग्रहों की निर्बलता को दूर करने के लिए रत्नों का उपयोग किया जाता है तथा उसमें उपयुक्त रत्न का चुनाव तथा रत्न की उत्तमता अपना महत्त्व रखती है। ठीक इसी प्रकार किसी भी रत्न के धारण करने का समय भी अपना विशेष स्थान रखता है। उचित समय में किया गया कोई भी कार्य सिद्ध होता है। इसी उचित समय को हम मुहूर्त भी कहते हैं- ऐसा शास्त्रों में लिखा गया है। इस लिए रत्न धारण करते समय हमें निर्धारित दिवस, निर्धारित नक्षत्र तथा शुक्ल पक्ष का चुनाव करना चाहिए। किसी भी प्रकार का शुभ कार्य करते समय हमारे शास्त्रों में पूजा पाठ इत्यादि तथा अपने इष्ट देव का ध्यान करना बताया गया है। इस बात को ध्यान में रखकर हमें निर्धारित पूजा भी करनी चाहिए जिस से कि हमारे देवता हमें आशीर्वाद दें तथा हमारे कार्य को सफल बनाएं। रत्न जड़ित अंगूठी धारण करने से पहले इसे गंगा जल में धो लेना चहिए। इस कार्य में आप दूध का प्रयोग भी कर सकते हैं। इसके पश्चात् स्वच्छ मन से, आँखे बंद कर, प्रभु की उपासना करते हुए तथा निर्धारित मंत्रों का जाप संभव हो तो 108 बार करते हुए रत्न जड़ित अंगूठी को निर्धारित अंगुली में धारण करें तथा अपने शुभ चिंतकों में प्रसाद इत्यादि का वितरण करें। परिवार के बुजुर्ग सदस्यों से भी आशीर्वाद लें ताकि वे भी आपके मंगल भविष्य तथा आपकी इच्छाओं की पूर्ति हेतु कामना करें।

रत्नों द्वारा समस्याओं का निवारण

1 यदि आप अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हों अथवा अपना व्यक्तित्व आकर्षक बनाना चहाते हों तो आप नीलम रत्न धारण कर सकते हैं।
2 यदि आप को धन अर्जित करने अथवा एकत्रित करने में समस्या आती हो अथवा आप जीवन में अपने पद ओहदे को लेकर चिंतित हों तो आप पुखराज रत्न धारण कर सकते हैं।
3 यदि आपको प्रतीत होता हो कि आप के द्वारा किए गए प्रयास उत्तम नतीजे लाने में असमर्थ होते हैं अथवा आपके द्वारा किए गए परिश्रम का फल आपकी क्षमता से कम प्राप्त होता है। इस के अतिरिक्त यदि आपको सहोदरों से या आपके सहोदरों को कुछ समस्याएं हैं तो आप मूंगा रत्न धारण कर सकते हैं।
4 यदि आपके माता-पिता को अथवा आपको माता-पिता से किसी प्रकार का कष्ट प्रतीत होता हो अथवा आपको वाहन /जमीन जायदाद खरीदने या बनवाने में परेशानी का सामना करना पड़ता हो। यदि विद्यार्थी जीवन में शिक्षा ग्रहण करने में बाधाओं का सामना करना पड़े अथवा घर के सुख में कमी का आभास होता हो तो आप हीरा रत्न धारण कर सकते हैं।
5 यदि आपको बुद्धि, ज्ञान, भावुकता, संतान व पेट इत्यादि से समस्याएं हों अथवा आपको सट्टेबाजी में हानि देखनी पड़ती हो तो आप पुखराज रत्न धारण कर सकते हैं।
6 यदि आपके विवाह में अनचाहा विलंब हो रहा हो अथवा विवाहित जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हो। इसके अतिरिक्त यदि आप को किसी प्रकार की व्यापारिक साझेंदारी में नुकसान होता हो तो उस स्थिति में भी आप माणिक रत्न धारण कर सकते हैं।
7 यदि आप अनुभव करते हों कि आपका भाग्य आपका समुचित साथ नहीं देता अथवा जीवन में आपको अत्यधिक संघर्ष करने पड़े हों या कर रहे हों। इसके अतिरिक्त धर्म की ओर ले जाने वाले मार्ग को प्रशस्त करना चाहते हों तो आप हीरा रत्न धारण कर सकते हैं।
8 यदि आप अपनी नौकरी या व्यापार में अस्थिरता का अनुभव करते हों तो आप मूंगा रत्न धारण कर सकते हैं।
9 यदि आपको अपनी आय में उतार-चढ़ाव अनुभव करते हों तो आप पुखराज रत्न धारण कर सकते हैं।

मूलांक	:	1
शुभ अंक	:	6
शुभ समय	:	मार्च 21- अप्रैल 28, जुलाई 21-अगस्त 28
शुभ दिन	:	रविवार और सोमवार
शुभ तारीख	:	1, 4, 7, 10, 13, 19, 28
शुभ वर्ष	:	10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
शुभ रंग	:	स्वर्ण, पीला, ताबां रंग।
शुभ रत्न	:	पुखराज, कहरुबा, पीला हीरा, और इन रंगो के सारे रत्न।
स्वास्थ्य	:	आपको अनियमित रक्तचाप, उच्च रक्तचाप, हृदय की धड़कन का बढ़ना, अथवा नेत्र रोगों से कष्ट हो सकता है।
व्यवसाय	:	आप सरकारी, अर्धसरकारी संगठनों, न्यायिक, राजनैतिक, दवाईयों, आभूषण, इत्यादि कार्यों में सफलता प्राप्त कर सकते है।
त्रुटियाँ	:	गुस्सा, अंहकार, स्वाहित वाद, निरंकुशता, गर्व।

आप अति महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं। आप जिस काम में भी हाथ डालते हैं आपको कामयाबी मिलती है आप नहीं चाहते कि आप पर कोई हुक्म चलाए अथवा आप पर हावी हो। आप अपने तौर-तरीके से जीवन यापन करेंगे। आप प्रायः किसी भी परियोजना के अग्रणी के रूप में उभर कर अपने व्यवसाय की परिपक्वता का प्रदर्शन करना चाहते हैं ताकि लोग आपको आदर की दृष्टि से देखें। दूसरे शब्दों में आप अपनी छवि एवं सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रति अति सजग एवं सतर्क रहते हैं । आप खर्च की परवाह किए बिना ऐशों-आराम की जिंदगी जीना चाहते हैं । कभी-कभार आप दूसरों की कड़ी आलोचना करने लगते हैं। फिर भी आप अपने सहकर्मियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। जिस काम से आप परिचित नहीं है उसे करने में दूसरों की सहायता लेना आपके लिए श्रेयस्कर होगा और किसी काम को अकेला ससंघर्ष करके यश प्राप्त करने का प्रयास न करें। आप अपने जीवन में शेखी न बघारें तो अच्छा है। स्वास्थ्य की दृष्टि से आपको हृदय रोग से सावधान रहना होगा। जीवन में आगे चलकर आपको रक्त तंत्र एवं उच्च रक्त चाप सम्बन्धी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी आँखों की जाँच नियमित रूप से करवाते रहना चाहिए । संतरा, लौंग और अदरक का सेवन आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगा। आप शहद का भी जितना इस्तेमाल कर सकें बढ़िया होगा । आपको अक्टूबर, दिसम्बर और जनवरी के महीनों में अपनी सेहत का खास ध्यान रखना चाहिए। इस अवधि में आपको हद से ज्यादा काम नहीं करना चाहिए। आप अति कुशाग्र बुद्धि के व्यक्ति हैं और आपके भीतर काम करने की अपार क्षमता है। आपके कई मित्र हैं और सगे - सम्बन्धी भी काफी हैं। इन सब के होते हुए भी आप कभी-कभार इतने बड़े जन-समूह में अपने आपको अकेला महसूस करते हैं । आप हमेशा दूसरों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हैं। आपका रवैया काफी सकारात्मक है और अपने प्रति आप काफी आश्वस्त हैं। कुल मिलाकर आप अति आशावादी व्यक्ति हैं और कभी भी आसानी से हार नहीं मानते। आपको अपने महत्वपूर्ण कार्य महीने की पहली, 10वीं, 19वीं, और 28वीं तारीख को ही शुरू करने चाहिए।

1. अनफा (गुरु) योग

चन्द्रमा से द्वादश स्थान में गुरु हो तो अनफा (गुरु) योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक बलवान, सच्चे, विद्वान, विख्यात, धनी व कवि होते हैं।

2. अनफा योग

सूर्य के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह चन्द्रमा से द्वादश स्थान में हो तो अनफा योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धनी, अच्छे स्वास्थ्य व भौतिक सुख ऐश्वर्य से युक्त, प्रतिष्ठित, भाषण में निपुन, कुशल, आकर्षक व्यक्तित्व के एवं सुखी होते हैं।

3. अरिष्ट योग

लब्नेश की युति या दृष्टि षष्ठेश, अष्टमेश या द्वादेश से हो तो अरिष्ट योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक जीवन में शारीरिक अस्वस्थता से पीड़ित रहते हैं।

4. बहु स्त्री योग

इस योग में जन्म लेने वाले जातक सदैव अनैतिक सम्बन्ध व प्रेम-प्रसंगों में लीन रहते हैं।

5. बंधन योग

मिथुन, तुला या कुम्भ लग्न में पाप ग्रह हो तो बंधन योग बनता है।

6. देह कष्ट योग

लग्नेश की युति किसी अशुभ ग्रह से हो या फिर उसकी स्थिति अष्टम भाव में हो तो देह कष्ट योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक अधिकतर सांसारिक सुख से वांछित रहते हैं।

7. धन योग

द्वतीयेश का सम्बन्ध पंचमेश, नवमेश या फिर एकयदेश से हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धन तथा ऐश्वर्य से युक्त होते हैं।

8. कलानिधि योग

गुरु द्वितीय या पंचम भाव में बुध/शुक्र की राशि में स्थित (मिथुन, कन्या, वृष, तुला) हो तो कलानिधि योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धनाढ्य, विद्वान, स्वच्छ हृदय, अच्छे स्वास्थ्य से युक्त, निडर तथा वासनाप्रिय होते हैं।

9. कर्मजीव योग

लग्न, चन्द्रमा या फिर सूर्य से 10वें स्थान में बुध की युति या दृष्टि हो तो कर्मजीव योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक व्यवसाय के रूप में अधिकतर चित्रकार, शिल्पकार, मकैनिक तथा वास्तुकला का व्यापार करते हैं।

10. कर्मजीव योग

लग्न, चन्द्रमा या फिर सूर्य से 10वें स्थान में शनि की युति या दृष्टि हो तो कर्मजीव योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातकों का व्यवसाय अधिकतर शारीरिक परिश्रम से युक्त होने की सम्भावना है। यह जातक परिश्रम एवं संघर्षमय कार्य जैसे बोज उठाने एवं अन्य छोटे कार्य, कर्मचारी आदि सम्बन्धित कार्य कर सकते हैं।

11. कृशाण्ड योग

इस योग में जन्म लेने वाले जातक शारीरिक गठन में कुछ पतले एवं कमजोर तथा शारीरिक कष्ट भोगते हैं।

12. मुसलयोग

यदि लग्न स्थिर राशि में हो तथा कई ग्रह स्थिर राशि में हो तो मुसल योग होता हैं।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक घमंडी, मानी एंव धनी होते हैं। यह जातक ज्ञानी, विद्वान एंव राजप्रिय होते हैं। इस योग के जातक विख्यात तथा स्थिर बुद्धि के होते हैं। उनके अनेक पुत्र होने कि संभावना होती हैं। वह विश्वसनीय, ईमांदार, विचारो में दृढ, निश्चित तथा स्थायित्व युक्त होते हैं। यह जातक जिद्दी एंव अडियल, शीघ्र निणर्य लेने में असमर्थ तथा परिवर्तन स्वीकार करने में कुछ कठिनाई महसूस करेंगे।

13. पमर योग

पंचमेश की स्थिति 6ठे, 8ठे या 12वें भाव में हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक दुखी, झूठे, पाखंड़ी, नास्तिक, ज्यादा भोजन करने तथा छल-कपटी व दुश्ट स्वभाव के मित्रों की संगति में रहने वाले होते हैं।

14. पूर्णायु योग

6, 12, 8वें या लग्न में षष्ठेश या द्वादेश हो तो पूर्णायु योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक दीर्घायु होते हैं।

15. राज योग

चतुर्थेश व दशमेश, पंचमेश या नवमेश के साथ संयुक्त हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक जीवन में ऊँची तथा अधिकार युक्त प्रतिष्ठित स्थिति प्राप्त करते हैं।

16. राज योग

शुक्र लग्न में स्थित हो तथा चन्द्रमा/गुरु की युति या दृष्टि हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक जीवन में ऊँची तथा अधिकार युक्त प्रतिष्ठित स्थिति प्राप्त करते हैं तथा विख्यात मित्रों से युक्त होते हैं।

17. संख्या दाम (दामिनी) योग

सभी ग्रह जब छः भावों में हो तो दामिनी योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धनी, दक्ष, विख्यात, ज्ञानी, सुखी एवं न्यायिक कार्यों से धन कमाने वाले होते हैं।

18. शरीर सौख्य योग

लग्नेश, गुरु या शुक्र केन्द्र में स्थित हो तो शरीर सौख्य योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक दीर्घायु, धनवान तथा राजनैतिक क्षेत्र में अच्छा प्रभाव रखने वाले होते हैं।

19. सत्कलत्र योग

सप्तमेश या शुक्र से गुरु या बुध की युति या दृष्टि हो सत्कलत्र योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक स्वछ हृदय तथा मर्यादित जीवनसाथी से युक्त होते हैं।

20. शकट योग

बृहस्पति केन्द्र में न होकर चन्द्रमा से 12वें में हो तो शकट योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक असहाय, पराधीन, सदैव परिश्रम में लीन रहते हैं। इन जातकों की सामाजिक छवि धुमिल तथा धन स्थाई नहीं होता। इस योग के जातकों का अपने पारिवारिक जनों के साथ सदैव वैवारिक मतभेद रहता हैं।

21. सूर्य शुक्र योग

सूर्य एवं शुक्र की युति एक ही भाव में हो तो सूर्य शुक्र योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक चतुर, शस्त्रों में निपुण, नाटक एवं संगीत के माध्यम से आजीविका प्राप्त करने वाले तथा सम्भवतः इस योग के पुरुष, स्त्री द्वारा भी धन प्राप्त कर सकते हैं।

22. उभयचर योग

चन्द्रमा के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह सूर्य से द्वितीय एवं द्वादश स्थान में हो तो उभयचर योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक बलवान, जिम्मेदार, विद्वान, आकर्षक व्यक्तित्व तथा भौतिक सुख ऐश्वर्यो का सुख प्राप्त करते हैं।

23. उत्तमदि (सम) योग

सूर्य से पणफर (2, 5, 8, 11) में चन्द्रमा हो तो सम योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धन, ज्ञान, कुशलता व यश मध्यम रूप से ही प्राप्त कर पाते हैं तथा इनके फल भारी मात्रा में नहीं भोगते हैं।

24. वाहन योग

लग्नेश की स्थिति चतुर्थ, नवम या एकादश भाव में हो तो वाहन योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक सांसारिक तथा वाहन के सुख से युक्त रहते हैं।

25. वंचना चोर भीति योग

राहु, शनि एवं केतु लग्नेश से युक्त हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक सदैव दूसरों को शक की निगाह से परखते है एवं उन्हे विश्वास के पात्र नहीं मानते तथा सदैव चोरी, डकैती व धोकेबाजी से भयभीत रहते हैं।

26. वेशि योग

चन्द्रमा के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह सूर्य से द्वितीय स्थान में हो तो वेशि योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक लम्बे, ईमानदार, आलसी, दानी, सत्यवादी, अच्छी स्मरण शक्ति के तथा सामान्यतया धनी होते हैं।

27. वेशि योग (शुभ)

चन्द्रमा के अतिरिक्त दूसरा कोई भी शुभ ग्रह सूर्य से द्वितीय स्थान में हो तो वेशि शुभ योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक वार्ता में चतुर, धनवान तथा अपने विरोधियों पर विजय प्राप्त करने वाले होते हैं।

28. वेशि योग (बुध)

सूर्य से द्वितीय स्थान में बुध हो तो वेशि (बुध) योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक मधुर भाषी एवं आकर्षक व्यक्तित्व के होते हैं।

29. विपरीत हर्ष योग

षष्ठेश की स्थित 6ठे, 8वें या 12वें में हो तो यह योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक उत्तम स्वास्थ्य, धन, यश व सुखों से युक्त, शत्रुओं तथा विरोधियों को परास्त करने में सफल तथा यदा-कदा दुष्चरित्र कार्यों में लीन होते हैं।

30. विपरीत सरल योग

अष्टमेश की स्थित 6ठे, 8वें या 12वें में हो तो यह योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक विद्वान, दीर्घायु, भौतिक सुखों से युक्त, शत्रुओं तथा विरोधियों को परास्त करने में सफल, विख्यात तथा हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करते हैं।

कालसर्प योग

जन्म पत्रियों में कई प्रकार के योग देखने का मिलते हैं जिनके विभिन्न प्रकार के फल होते हैं। कुछ अच्छे योग हैं तो कुछ बुरे। अच्छे योग शुभ फलदायक होते हैं तो बुरे योग अशुभ फलदायक होते हैं। ऐसा ही एक अशुभ फलदायक योग है कालसर्प योग। जब किसी भी जन्मपत्री में सारे ग्रह राहू और केतू के मध्य आ जाते हैं तो उसे कालसर्प योग कहते हैं। प्राचीन ग्रन्थों में प्रत्यक्ष से तो इस योग का वर्णन नहीं मिलता लेकिन इसे नकारा भी नहीं जा सकता।

महर्षि गर्ग, महर्षि पाराशर, महर्षि भृगु, वराह मिहिर आदि ज्योतिषाचार्यो ने कालसर्प योग को स्वीकार किया है। प्राचीन कालदर्शियों ने कालसर्प योग को विशेष महत्व दिया है। उन्होंने राहू-केतू को कार्मिक माना है, राहू पृथ्वी पर काल है और केतू सर्प। प्रायः किसी ने भी इस योग की प्रशंसा नहीं की है। राहू-केतू यद्यपि छाया ग्रह है, इनका अपना कोई शरीर नहीं है, फिर भी ये इतने क्रूर ग्रह हैं कि इनसे निर्मित कालसर्प योग अशुभ फलदायक ही कहलाता है।

आप की कुण्डली कालसर्प योग से मुक्त है।

	जन्म विवरण	वर्षफल विवरण
लिंग	पुरुष	पुरुष
जन्म तिथि	01/01/2002	01/01/2019
दिन वार	मंगलवार	मंगलवार
जन्म समय	10:00:00	18:36:24
(समय घटी में)	6:53:54 घटी	.....

स्थान एवं समय विवरण

जन्म स्थान	DELHI	DELHI
अक्षांश	028.36.N	028.36.N
रेखांश	077.12.E	077.12.E
स्थानीय समय	09:38:48	------
स्थानीय तिथि	01/01/2002	------

ग्रह एवं राशि विवरण

लग्न	कुम्भ	कर्क
लग्नेश	शनि	चन्द्र
राशि	कर्क	तुला
राशीश	चन्द्र	शुक्र
नक्षत्र	पुष्य	विशाखा
नक्षत्र स्वामी	शनि	गुरु
चरण	2	2
पाया (चंद्र-नक्षत्र)	स्वर्ण-चांदी	लोहा-लोहा
योग	वैधृति	धृति
करण	गर	बालव
गण	देव	राक्षस
योनि	मेष	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य	अन्त्य
वर्ण	ब्राह्मण	शूद्र
वश्य	जलचर	मनुष्य
वर्ग	मेड़ा	सर्प
नामाक्षर	हे	तू
युंजा	मध्य	मध्य
हंसक तत्व	जल	वायु

वर्षफल की गणनाएं सूर्य के ध्रुवांक पर आधारित हैं।

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	कुम्भ	02°04'14''		शनि	धनिष्ठा	3	मंगल	केतु
सूर्य	धनु	16°41'39''	मित्र	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	2	शुक्र	चन्द्र
चन्द्र	कर्क	09°57'29''	स्वग्रही	चन्द्र	पुष्य	2	शनि	शुक्र
मंगल	कुम्भ	23°08'17''	सम	शनि	पू भाद्रपद	1	गुरु	शनि
बुध	मकर	01°59'39''	सम	शनि	उत्तराषाढ़ा	2	सूर्य	गुरु
गुरु-व	मिथुन	16°45'38''	शत्रु	बुध	आरद्रा	4	राहु	शुक्र
शुक्र-अ	धनु	13°31'00''	अस्त सम	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	शुक्र
शनि-व	वृष	15°25'53''	मित्र	शुक्र	रोहिणी	2	चन्द्र	गुरु
राहु-व	मिथुन	03°17'05''	सम	बुध	मृगशिरा	3	मंगल	शुक्र
केतु-व	धनु	03°17'05''	सम	गुरु	मूल	1	केतु	सूर्य

जन्म लग्न

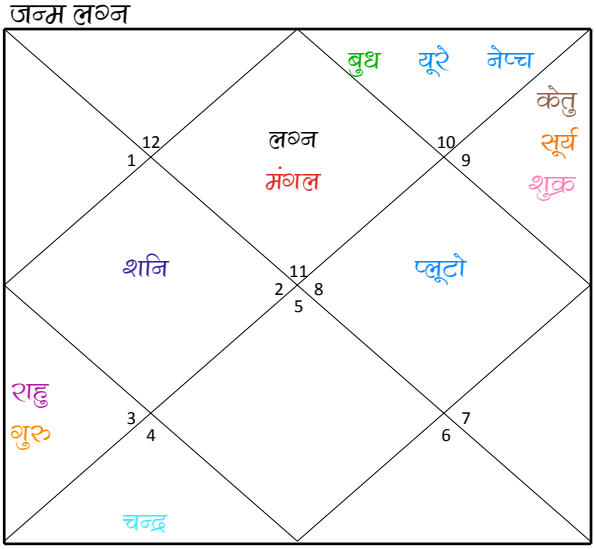

चलित

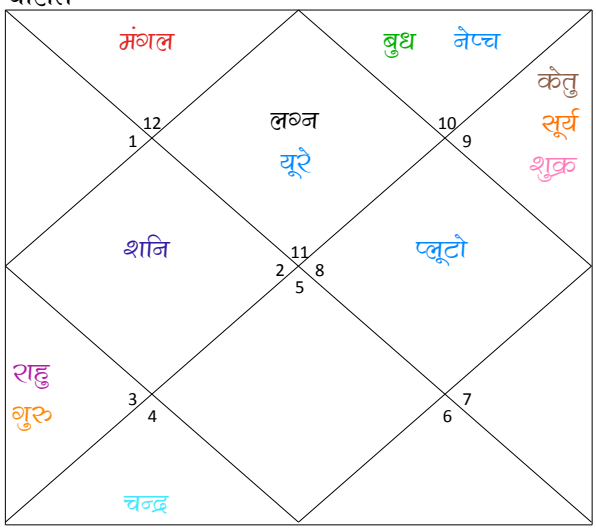

चन्द्र लग्न

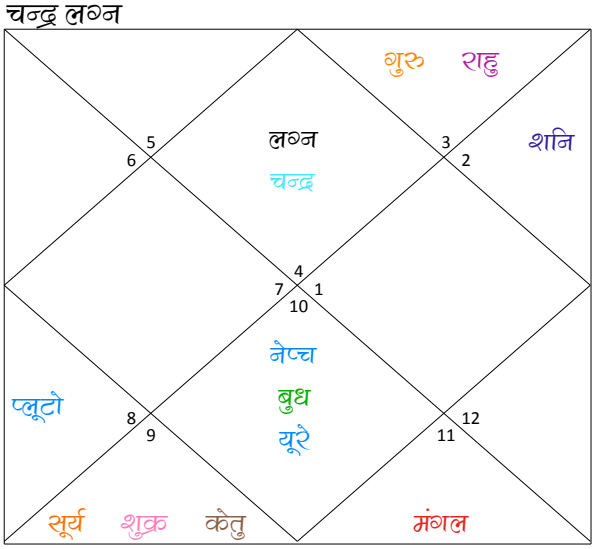

नवमांश

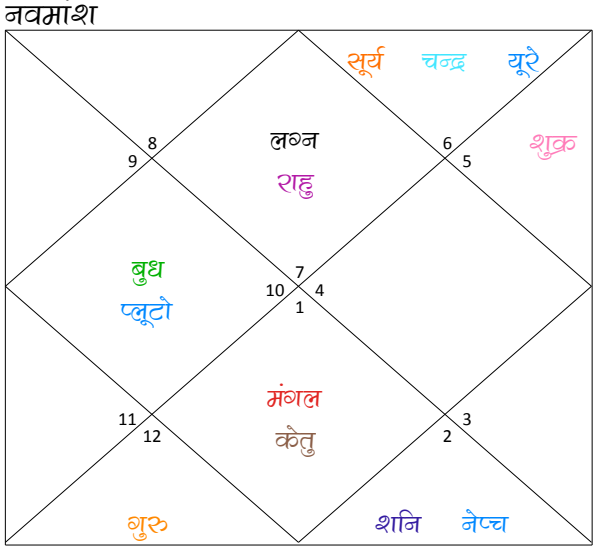

वर्षफल वर्ष 2019-2020

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	कर्क	00°48'36''		चन्द्र	पुनर्वसु	4	गुरु	मंगल
सूर्य	धनु	16°41'42''	मित्र	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	2	शुक्र	चन्द्र
चन्द्र	तुला	25°18'56''	सम	शुक्र	विशाखा	2	गुरु	बुध
मंगल	मीन	06°11'00''	मित्र	गुरु	उ भाद्रपद	1	शनि	बुध
बुध	धनु	00°32'08''	सम	गुरु	मूल	1	केतु	केतु
गुरु	वृश्चिक	17°45'56''	मित्र	मंगल	ज्येष्ठा	1	बुध	बुध
शुक्र	तुला	29°54'48''	स्वग्रही	शुक्र	विशाखा	3	गुरु	चन्द्र
शनि-अ	धनु	17°19'22''	अस्त सम	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	2	शुक्र	चन्द्र
राहु-व	कर्क	02°44'09''	शत्रु	चन्द्र	पुनर्वसु	4	गुरु	राहु
केतु-व	मकर	02°44'09''	शत्रु	शनि	उत्तराषाढ़ा	2	सूर्य	गुरु

वर्ष लग्न

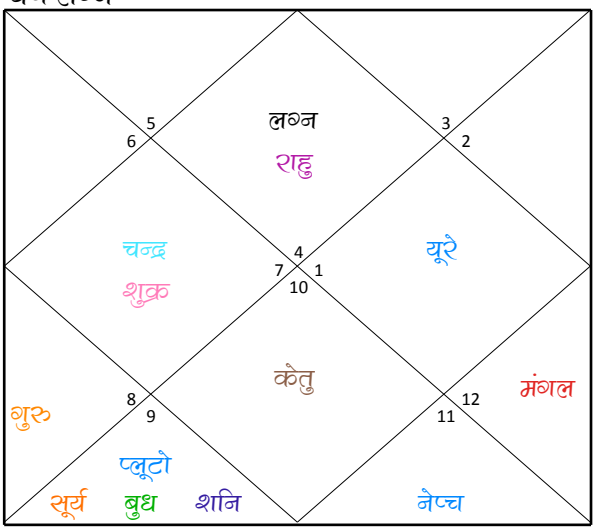

चलित

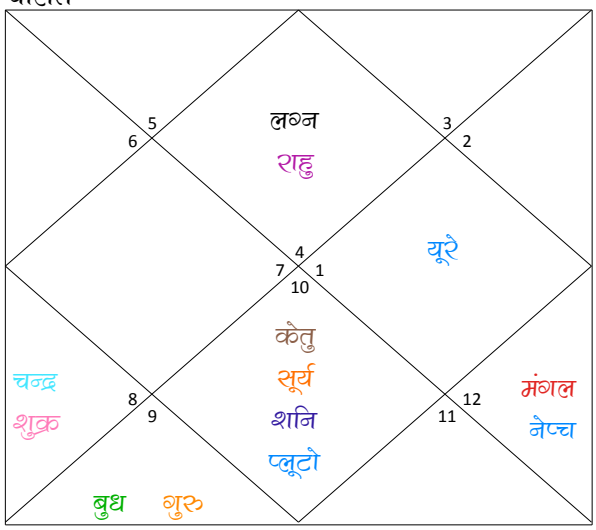

चन्द्र लग्न

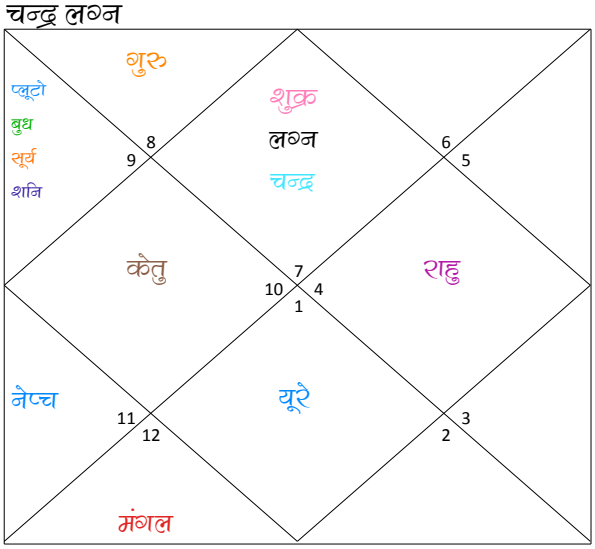

नवमांश

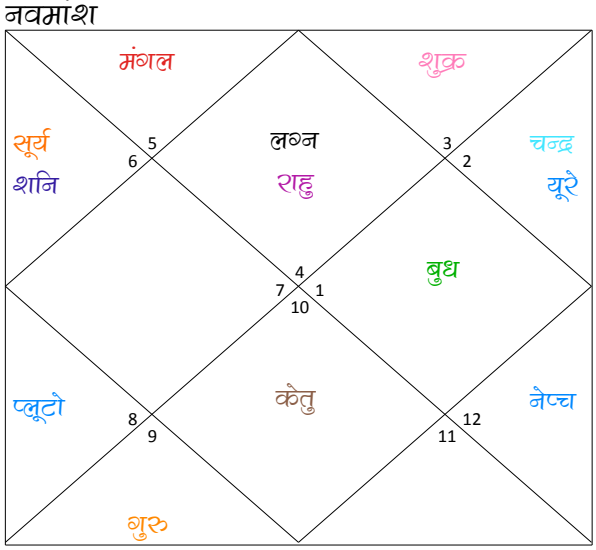

हर्ष बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	5	0
तृतीय बल	5	0	0	0	5	0	0
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	5	5	0	5	5	10	5

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
ग्रह बल	15.00	07.50	22.50	15.00	22.50	30.00	15.00
उच्च बल	07.41	00.85	15.76	11.61	05.25	03.66	13.63
हद्या बल	11.25	03.75	07.50	07.50	07.50	11.25	03.75
द्रेष्काण बल	07.50	05.00	02.50	10.00	05.00	05.00	07.50
नवांश बल	01.25	01.25	01.25	01.25	05.00	03.75	01.25
कुल	10.60	04.59	12.38	11.34	11.31	13.42	10.28

पंचाधिकारी

स्वामित्व	ग्रह	बलाबल
मुन्थेश	चन्द्र	04.59
जन्म लग्नेश	शनि	10.28
वर्ष लग्नेश	चन्द्र	04.59
त्रिराशिपति	मंगल	12.38
दिनरात्रिपति	शुक्र	13.42

वर्षेश व मुन्था

वर्षेश	:	शुक्र
मुन्था-राशि	:	कर्क
मुन्था-भाव	:	1
मुन्थेश	:	चन्द्र
मुन्थेश- भाव	:	4

वर्षफल वर्ष 2019-2020

सहम	राशि	अंश	सहम स्वामी
पुण्य	कन्या	22:11:22	बुध
गुरू	वृष	09:25:50	शुक्र
प्रसूति	सिंह	13:34:48	सूर्य
यश	वृष	05:14:02	शुक्र
मित्र	मेष	12:40:20	मंगल
माहात्म्य	मकर	14:48:14	शनि
आशा	वृष	13:24:02	शुक्र
पिता	कर्क	00:10:56	चन्द्र
माता	सिंह	05:24:28	सूर्य
जीवित	मिथुन	01:15:10	बुध
कर्म	मीन	25:09:44	गुरु
कलि	वृश्चिक	19:13:40	मंगल
शास्त्र	मकर	00:05:34	शनि
बंधक	कन्या	06:01:48	बुध
जाडय	कन्या	11:40:30	बुध
शत्रु	मेष	11:56:58	मंगल
बंधन	तुला	25:56:36	शुक्र
समर्थता	कुम्भ	19:56:32	शनि
कामदेव	कर्क	00:48:36	चन्द्र
गौरव	धनु	20:53:30	गुरु
कार्यसिद्धि	मकर	09:46:22	शनि
अश्व	सिंह	19:19:52	सूर्य
भ्राता	मिथुन	01:15:10	बुध
पुत्र	सिंह	23:15:36	सूर्य
रोग	मीन	06:18:16	गुरु
बन्धु	कन्या	06:01:48	बुध
मृत्यु	मीन	19:49:30	गुरु
अर्थ	मेष	03:18:44	मंगल
परस्त्री	वृष	14:01:42	शुक्र
वणिक	वृष	25:35:24	शुक्र
विवाह	वृष	13:24:02	शुक्र
संताप	मकर	19:49:30	शनि
श्रद्धा	कुम्भ	24:32:24	शनि
प्रीति	मीन	18:03:04	गुरु
व्यापार	वृश्चिक	06:27:28	मंगल
कन्या	सिंह	05:24:28	सूर्य
परदेश	तुला	08:18:46	शुक्र
अपमृत्यु	वृष	22:26:40	शुक्र
लाभ	कुम्भ	00:19:12	शनि
जलपथ	वृष	29:12:38	शुक्र

त्रिपताकि चक

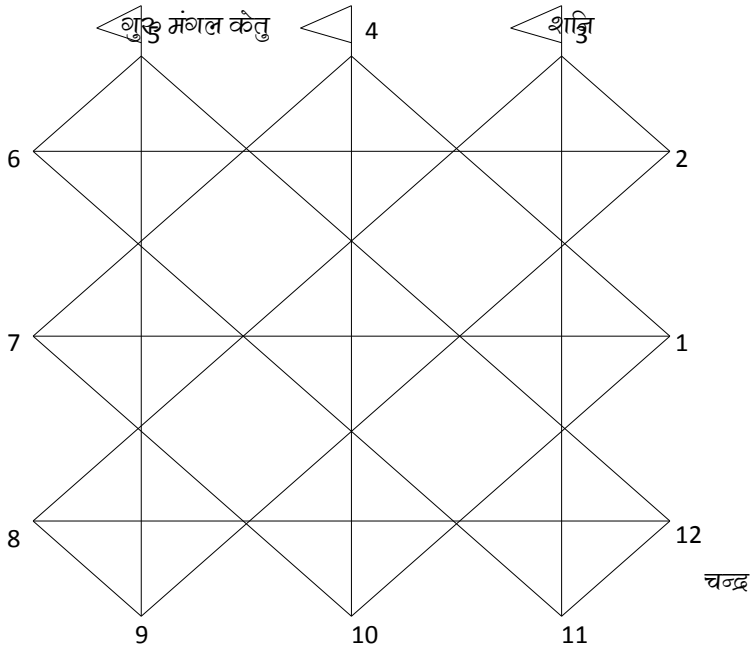

सूर्य शुक्र राहु बुध

त्रिपताकि चक्र में वेध

लग्न	सूर्य मंगल गुरु शुक्र राहु केतु	बुध	चन्द्र शनि
सूर्य	मंगल गुरु शुक्र राहु केतु	गुरु	सूर्य मंगल शुक्र राहु केतु
चन्द्र	बुध	शुक्र	सूर्य मंगल गुरु राहु केतु
मंगल	सूर्य गुरु शुक्र राहु केतु	शनि	बुध

विभिन्न ग्रहो द्वारा चन्द्र वेध का फल

सूर्य :
धन के अपव्यय से कष्ट, बुखार, मन मे अस्थिरता, चिंता से परेशानी, रक्त सम्बन्धी रोग और असफलता प्राप्त होती हैं।

चन्द्र :
चित्त में बेचैनी, शत्रु भय, व्याकुलता, मन उदास, रक्त विकार, चोट-चपेट और झगडे होते रहते हैं।

मंगल :
व्यापार में वृद्धि, भाईयों से वाद-विवाद, कुटुम्ब में कलह, शत्रु से भय या हानि के बावजूद धन प्राप्ति हाती है।

बुध :
अकस्मात धन लाभ, तीर्थ यात्रा, विवाद में विजय, शुभ कार्य में धन का खर्च और मांगलिक कार्य होते हैं।

गुरु :
वासना बढ़ना, शत्रु पर विजय, आमदनी में वृद्धि, विद्या प्राप्ति, जल से अरिष्ट और परीक्षा में सफलता हासिल होती हैं।

शुक्र :
वायु विकार आदि से रोग, मानहानी, नीच लोगों का संग, अपनों से विश्वासघात और धन हानि हाती हैं।

शनि :
असफलता, कठनाईयाँ, अनेक रोग एवं शरीर-पीडा, कीर्ति-क्षय, बुरे विचार और कष्ट प्राप्त होते हैं।

राहु :
अस्वस्थता, उदासी, दुःख एवं चिन्ता, उदर व्याधि, मलिन चित्त और अपयश हासिल होता हैं।

वर्ष लग्न में आपका मुन्था भाव नम्बर 1 में है।
व्यापारियों, कर्मचारियों के लिए पदोन्नति और प्रतिष्ठा वृद्धि के लिहाज से यह समय बहुत अच्छा है लेकिन आपको माहौल में तबदीली महसूस होगी। आमदनी में वृद्धि होगी और योग्यता भी निखरेंगी। परिवार में बढ़ोत्तरी की भी सम्भावना है। वैमनस्य खत्म होगा। आप बहुत स्फूर्तिवान् और चुस्त महसूस करेंगे।

01/01/2019-19/02/2019 में आप गुरु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
गुरु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 5 में है।

इस अवधि में आपका अपने प्रति विश्वास आपको लगातार विजय दिलाएगा। आप महती सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। घर परिवार में शुभ कृत्य का आयोजन होगा। प्रणय व प्रेम सम्बन्धों के लिए भी यह अच्छा समय है। अपनी बुद्धिमत्ता के और पैनी अन्तरदृष्टि के कारण आप सही क्षण पर सही निर्णय लें। व्यापार / व्यवसाय में लाभ प्राप्त कर सकेंगे। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। धार्मिक क्रिया-कलापों से सम्बन्ध रहने की सम्भावना है। मित्र व हितैषी पूरा सहयोग देंगे।

19/02/2019-18/04/2019 में आप शनि वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
शनि वर्ष लग्न में भाव नम्बर 6 में है।

आप अपने कार्य-क्षेत्र में बहुत अच्छा काम करेंगे। नौकरी या व्यवसाय की परिस्थितियों में काफी सुधार आएगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से आपके सम्पर्क बढ़ेंगे। रोज-मर्रा के जीवन में आप अत्यधिक स्फूर्तिवान महसूस करेंगे। विरोधियों की आपके सामने पड़ने की हिम्मत ही नहीं पड़ेगी। आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छा समय सिद्ध होगा। छोटी यात्राएँ उपयोगी रहेंगी। परिवार का माहौल पूर्ण संतोषप्रद रहेगा। इस अवधि के मध्य में छोटी मोटी बीमारी होने की सम्भावना है जिस पर आपको थोड़ा बहुत ध्यान रखने की आवश्यकता है।

18/04/2019-09/06/2019 में आप बुध वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
बुध वर्ष लग्न में भाव नम्बर 6 में है।

खर्च नियंत्रण से बाहर हो जाएगा। स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियाँ भी रहेंगी। विरोधी प्रतिष्ठा बिगाड़ने की चेष्टा करेंगे। वैसे नौकरी के हालात में सुधार होगा लेकिन काम का बोझ बढ़ा चढ़ा रहेगा। इसके अलावा व्यर्थ के कामों में भी आप उलझे रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें और कटु न बोलें तथा दूसरों की आलोचना

करने की प्रवृत्ति को भी कम करें। पारिवारिक जीवन से तनाव मिलेगा। जहाँ तक सम्भव हो यात्रा से बचें।

09/06/2019-30/06/2019 में आप केतु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
केतु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 7 में है।

इस अवधि के दौरान आपको मिले जुले फल मिलेंगे। अचानक भाग्य चमकेगा। आपका सामाजिक क्षेत्र विकसित होगा। प्रणय और प्रेम के लिए यह समय अच्छा नहीं है। प्रेमिका से झगड़े और विवाद होने की पूरी सम्भावना है। खर्च भी अचानक बढ़ जाएगा। भ्रमण से कोई विशेष लाभ नहीं होने वाला। जोखिम भरे कामों में फंसने की सम्भावना है। शायद जोखिम उठाने के लिए यह उपयुक्त समय नहीं है। छोटी-मोटी बीमारियाँ भी लगी रह सकती है।

30/06/2019-30/08/2019 में आप शुक्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
शुक्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 4 में है।

यह समय बड़े आराम से कटेगा। प्रतिष्ठा पद वृद्धि होगी और आमदनी भी बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। नफे की सौदा होंगी। परिवार में एक प्रकार का सम्मेलन होगा जिसमें सब लोग इकट्ठे होंगे। यात्राओं से भी अच्छे समाचार मिलेंगे। विरोधी नुकसान नहीं पहुँचा पाएंगे। परिवार में सदस्यों की संख्या में बढ़ोत्तरी की सम्भावना है। प्रयत्नों में सफलता मिलेगी। आपके मातहत आपको पूरा सहयोग देंगे। हर लिहाज से यह समय अच्छा है।

30/08/2019-17/09/2019 में आप सूर्य वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
सूर्य वर्ष लग्न में भाव नम्बर 6 में है।

इस अवधि में आप जो भी करेंगे उसमें सफल रहेंगे। सारी समस्याओं का समाधान होता रहेगा और आप सफलता पाएंगे। शत्रुओं को पराजित कर देंगे और वह आपको नुकसान नहीं पहुँचा पाएंगे। आपका काम सफल होगा और नौकरी करने की हालतों में सुधार भी होगा। प्रतिष्ठा एवं पद-वृद्धि की सम्भावना है। आपको मान्यता मिलेगी और पदोन्नति भी। सम्मान एवं साख भी प्राप्त करेंगे। सभी हिसाब से यह एक सफलदायक समय रहेगा।

17/09/2019-17/10/2019 में आप चन्द्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।

चन्द्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 4 में है।

यह बहुत अच्छा समय है। आप सुखी और विलासपूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। विलास सामग्री पर भी खर्च करेंगे। माँ-बाप से सम्बन्ध बहुत मधुर रहेंगे। अगर नौकरी करते हैं तो पदोन्नति प्राप्त करेंगे। शत्रुओं पर विजय पाएंगे। आमदनी में काफी इजाफा होगा।

17/10/2019-08/11/2019 में आप मंगल वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
मंगल वर्ष लग्न में भाव नम्बर 9 में है।

बड़े बूढ़ों से सहयोग प्राप्त करेंगे। सुदूर स्थलों तक की गई लंबी यात्राएँ सफलदायक सिद्ध होंगी। आमदनी बढ़ेगी और आय के नए स्त्रोत प्राप्त होंगे। यद्यपि खर्चे भी बढ़ेंगे लेकिन आमदनी से अधिक नहीं होंगे। इस समय का पूरा सदुपयोग करें।

08/11/2019-02/01/2020 में आप राहु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
राहु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 1 में है।

उल्टी सीधी तरह से काम करने की आपकी प्रवृत्ति होगी। किसी भ्रम में न रहे। इस अवधि में आपको डर सताता रहेगा। आपके अपने लोग बार बार आपको धोखा देंगे। जल्दबाजी या हड़भड़ी से कोई फायदा नहीं होगा। स्त्री वर्ग से आपके सम्बन्ध अच्छे नहीं रहेंगे। शीघ्र पैसा बनाने के तरीकों पर अच्छी तरह सोच विचार कर अमल करें। तथ्यजीवी रहे स्मृतिजीवी नहीं। किसी गुप्त रोग के कारण आप परेशान रह सकते हैं।

नाम	Sample	दादा का नाम	
लिंग	पुरुष	पिता का नाम	
जन्म तिथि	01/01/2002	माता का नाम	
दिन वार	मंगलवार	जाति	
जन्म समय	10:00:00 घन्टे	गोत्र	
(समय घटी में)	6:53:54 घटी		
जन्म स्थान	DELHI		
अक्षांश	028.36 उत्तर	विक्रमी संवत्	2058
रेखांश	077.12 पूर्व	शक संवत्	1923
समयक्षेत्र	.05.30 घन्टे	मास	पौष
समय संशोधन	00.00 घन्टे	पक्ष	कृष्ण
स्थानीय समय	09:38:48 घन्टे	चन्द्र तिथि	2
स्थानीय तिथि	01/01/2002	सूर्योदय कालीन तिथि	17
सूर्योदय	7: 14: 26 घन्टे	तिथि समाप्ति काल	11:19:35
सूर्यास्त	17: 35: 57 घन्टे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र	पुष्य
दिनमान	10: 21: 31 घन्टे	नक्षत्र समाप्ति काल	21:4:35
विषुव काल	16: 21: 25 घन्टे	सूर्योदय कालीन योग	वैधृति
भयात	27:24:7 घटी	योग समाप्ति काल	15:10:13
भभोग	55:4:40 घटी	सूर्योदय कालीन करण	गर
ऋतु	हेमन्त	करण समाप्ति काल	11:19:35

मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	--	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
चन्द्र	मित्र	--	सम	मित्र	सम	सम	सम	सम	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	--	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
बुध	मित्र	शत्रु	सम	--	सम	मित्र	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	--	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	--	मित्र	शत्रु	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	--	मित्र	सम
राहु	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	मित्र	--	मित्र
केतु	सम	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	सम	मित्र	--

ग्रह फल / राशि फल

ग्रह	वर्णन	ग्रह फल / राशि फल
सूर्य	पूर्ण धर्मी मगर अपनी ही ऐश पसंद	..
चन्द्र	धोखे की माता तथा खारा कड़वा पानी	..
मंगल	इंसाफ की तलवार	..
बुध	नेक लम्बी आयु अच्छा जीवन बिताने वाला	राशि
गुरु	ब्रह्मज्ञानी परन्तु आग का बांस, गुस्से वाला	ग्रह
शुक्र	सुन्दर स्त्री - पुरुष माया के सम्बंध में घूमता लट्टू	..
शनि	पानी का साँप	..
राहु	शरारती, संतान गर्क	..
केतु	गीदड़ स्वभाव कुत्ता	..

चन्द्र लग्न

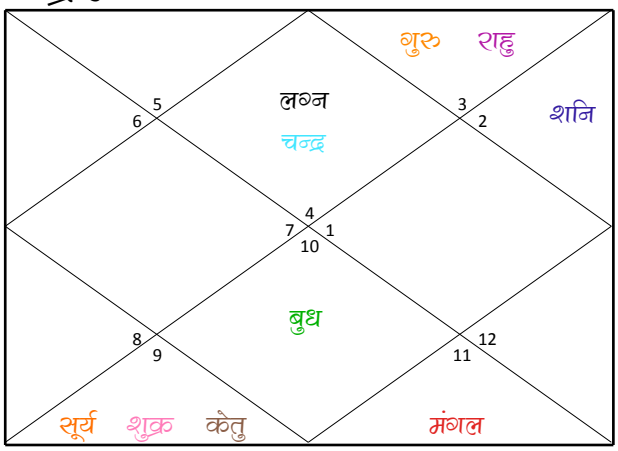

चन्द्र लग्न लाल किताब

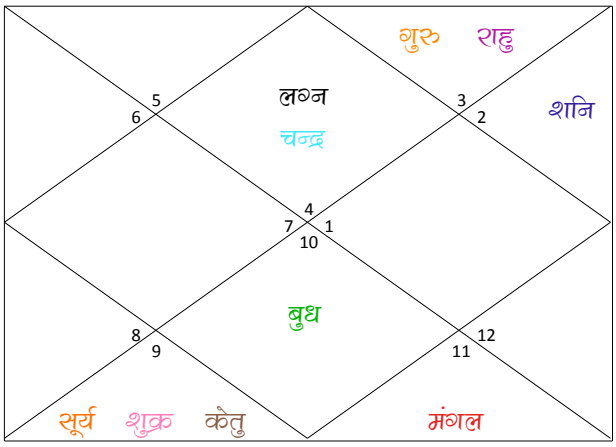

शनि 6 वर्ष	
मंगल	01/01/2002 - 01/01/2004
गुरु	01/01/2004 - 01/01/2006
शुक्र	01/01/2006 - 01/01/2008

राहु 6 वर्ष	
केतु	01/01/2008 - 01/01/2010
बुध	01/01/2010 - 01/01/2012
मंगल	01/01/2012 - 01/01/2014

केतु 3 वर्ष	
शुक्र	01/01/2014 - 01/01/2015
मंगल	01/01/2015 - 01/01/2016
बुध	01/01/2016 - 01/01/2017

गुरु 6 वर्ष	
बुध	01/01/2017 - 01/01/2019
सूर्य	01/01/2019 - 01/01/2021
शनि	01/01/2021 - 01/01/2023

सूर्य 2 वर्ष	
शनि	01/01/2023 - 01/09/2023
राहु	01/09/2023 - 01/05/2024
केतु	01/05/2024 - 01/01/2025

चन्द्र 1 वर्ष	
सूर्य	01/01/2025 - 01/05/2025
शनि	01/05/2025 - 01/09/2025
राहु	01/09/2025 - 01/01/2026

शुक्र 3 वर्ष	
केतु	01/01/2026 - 01/01/2027
चन्द्र	01/01/2027 - 01/01/2028
गुरु	01/01/2028 - 01/01/2029

मंगल 6 वर्ष	
केतु	01/01/2029 - 01/01/2031
शुक्र	01/01/2031 - 01/01/2033
चन्द्र	01/01/2033 - 01/01/2035

बुध 2 वर्ष	
राहु	01/01/2035 - 01/09/2035
केतु	01/09/2035 - 01/05/2036
सूर्य	01/05/2036 - 01/01/2037

शनि 6 वर्ष	
मंगल	01/01/2037 - 01/01/2039
गुरु	01/01/2039 - 01/01/2041
शुक्र	01/01/2041 - 01/01/2043

राहु 6 वर्ष	
केतु	01/01/2043 - 01/01/2045
बुध	01/01/2045 - 01/01/2047
मंगल	01/01/2047 - 01/01/2049

केतु 3 वर्ष	
शुक्र	01/01/2049 - 01/01/2050
मंगल	01/01/2050 - 01/01/2051
बुध	01/01/2051 - 01/01/2052

गुरु 6 वर्ष	
बुध	01/01/2052 - 01/01/2054
सूर्य	01/01/2054 - 01/01/2056
शनि	01/01/2056 - 01/01/2058

सूर्य 2 वर्ष	
शनि	01/01/2058 - 01/09/2058
राहु	01/09/2058 - 01/05/2059
केतु	01/05/2059 - 01/01/2060

चन्द्र 1 वर्ष	
सूर्य	01/01/2060 - 01/05/2060
शनि	01/05/2060 - 01/09/2060
राहु	01/09/2060 - 01/01/2061

शुक्र 3 वर्ष	
केतु	01/01/2061 - 01/01/2062
चन्द्र	01/01/2062 - 01/01/2063
गुरु	01/01/2063 - 01/01/2064

मंगल 6 वर्ष	
केतु	01/01/2064 - 01/01/2066
शुक्र	01/01/2066 - 01/01/2068
चन्द्र	01/01/2068 - 01/01/2070

बुध 2 वर्ष	
राहु	01/01/2070 - 01/09/2070
केतु	01/09/2070 - 01/05/2071
सूर्य	01/05/2071 - 01/01/2072

शनि 6 वर्ष	
मंगल	01/01/2072 - 01/01/2074
गुरु	01/01/2074 - 01/01/2076
शुक्र	01/01/2076 - 01/01/2078

राहु 6 वर्ष	
केतु	01/01/2078 - 01/01/2080
बुध	01/01/2080 - 01/01/2082
मंगल	01/01/2082 - 01/01/2084

केतु 3 वर्ष	
शुक्र	01/01/2084 - 01/01/2085
मंगल	01/01/2085 - 01/01/2086
बुध	01/01/2086 - 01/01/2087

गुरु 6 वर्ष	
बुध	01/01/2087 - 01/01/2089
सूर्य	01/01/2089 - 01/01/2091
शनि	01/01/2091 - 01/01/2093

सूर्य 2 वर्ष	
शनि	01/01/2093 - 01/09/2093
राहु	01/09/2093 - 01/05/2094
केतु	01/05/2094 - 01/01/2095

चन्द्र 1 वर्ष	
सूर्य	01/01/2095 - 01/05/2095
शनि	01/05/2095 - 01/09/2095
राहु	01/09/2095 - 01/01/2096

शुक्र 3 वर्ष	
केतु	01/01/2096 - 01/01/2097
चन्द्र	01/01/2097 - 01/01/2098
गुरु	01/01/2098 - 01/01/2099

मंगल 6 वर्ष	
केतु	01/01/2099 - 01/01/2101
शुक्र	01/01/2101 - 01/01/2103
चन्द्र	01/01/2103 - 01/01/2105

बुध 2 वर्ष	
राहु	01/01/2105 - 01/09/2105
केतु	01/09/2105 - 01/05/2106
सूर्य	01/05/2106 - 01/01/2107

शनि 6 वर्ष	
मंगल	01/01/2107 - 01/01/2109
गुरु	01/01/2109 - 01/01/2111
शुक्र	01/01/2111 - 01/01/2113

राहु 6 वर्ष	
केतु	01/01/2113 - 01/01/2115
बुध	01/01/2115 - 01/01/2117
मंगल	01/01/2117 - 01/01/2119

केतु 3 वर्ष	
शुक्र	01/01/2119 - 01/01/2120
मंगल	01/01/2120 - 01/01/2121
बुध	01/01/2121 - 01/01/2122

गुरु 6 वर्ष	
बुध	01/01/2122 - 01/01/2124
सूर्य	01/01/2124 - 01/01/2126
शनि	01/01/2126 - 01/01/2128

सूर्य 2 वर्ष	
शनि	01/01/2128 - 01/09/2128
राहु	01/09/2128 - 01/05/2129
केतु	01/05/2129 - 01/01/2130

चन्द्र 1 वर्ष	
सूर्य	01/01/2130 - 01/05/2130
शनि	01/05/2130 - 01/09/2130
राहु	01/09/2130 - 01/01/2131

शुक्र 3 वर्ष	
केतु	01/01/2131 - 01/01/2132
चन्द्र	01/01/2132 - 01/01/2133
गुरु	01/01/2133 - 01/01/2134

मंगल 6 वर्ष	
केतु	01/01/2134 - 01/01/2136
शुक्र	01/01/2136 - 01/01/2138
चन्द्र	01/01/2138 - 01/01/2140

बुध 2 वर्ष	
राहु	01/01/2140 - 01/09/2140
केतु	01/09/2140 - 01/05/2141
सूर्य	01/05/2141 - 01/01/2142

धर्मी टेवा

लाल किताब में कुछ कुन्डली धर्मी टेवा से प्रभावित होती है। लाल किताब के अनुसार राहु, केतु एवं शनि अशुभ ग्रह माने जाते है। मंगल का प्रभाव यदि अशुभ हो तो यह ग्रह भी अशुभ माना जाता है। धर्मी टेवा में अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है।
यदि टेवा में बृहस्पति, शनि के साथ किसी भी घर में स्थित हो या फिर शनि 11वें घर में हो, तो वह धर्मी टेवा कहलाता है। यदि बृहस्पति के साथ शनि हो तो वह कई कष्टों का निवारक होता है एवं जीवन को नियंत्रित कर देता है। खास तौर पर 6ठे, 9वें, 11वें या फिर 12वें घरों में बृहस्पति-शनि का सेंयोग बहुत फलदायक होता है। यदि किसी टेवा में राहु या केतु में से कोई ग्रह 4थे घर में स्थित हो तो भी वह धर्मी टेवा कहलाता है। टेवा में चंद्र का सेंयोग राहु या फिर केतु के साथ किसी भी घर में हाने पर भी वह धर्मी टेवा हो जाता है।
धर्मी टेवा वाले जातक को परेशानियों के समय ईश्वर की सहायता एवं कृपा प्राप्त हाती है। शनि जो कि भाग्य एवं मुश्किलों का कारक होता है, बृहस्पति के सेंयोग से जातक के जीवन में शुभ फल प्रदान करता है। वैसे ही राहु अथवा केतु जो कि अशुभ ग्रह माने जाते है, यदि 4थे घर में स्थित हो या फिर चंद्र के साथ किसी भी घर में हो, तो वह जातक को कोई हानि नहीं पहुंचाते। धर्मी टेवा में अशुभ ग्रहों कि अशुभता तथा सारी समस्याओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष
आपकी पत्री में धर्मी टेवा नहीं हैं।

रतांध ग्रह / अर्द्ध-अंधे ग्रह

लाल किताब के अनुसार कुछ कुन्डली में ग्रहों की स्तिथी अनुकूल होने पर भी वह शुभ फल प्रदान नहीं करते। इस प्रकार का टेवा व्यावसायिक जीवन, मन की शांति एवं ग्रहस्थ जीवन के लिए अशुभ सिद्ध होते है। इस प्रकार के टेवे (रतांध ग्रह) उस इन्सान कि तरह होते है जो दिन में देख सकते है परंतु रात्रि में अंधे हो जाते हैं।
यदि टेवा में 4थे घर में सूर्य और 7वें घर में शनि स्थित हो तो वह अर्द्ध-अंधा टेवा कहलाता है। एसी स्थिती में शनि अपनी दसवीं पूर्ण दृष्टि से सूर्य को प्रभावित करता है। शनि की दृष्टि सूर्य पर पड़ने से सूर्य के शुभता, अशुभता में बदल जाती है क्यों कि शनि, 7वें घर में होने से बहुत शक्तिशाली हो जाता है। शनि कि

स्थिती से नवम, प्रथम तथा चतुर्थ भाव (जो कि भाग्य, स्वास्थ्य तथा सुख के स्थान है) भी प्रभावित होते हैं और उनके शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाते है।
अतः एसी स्थिती में सूर्य के उपायों कि कोई मान्यता नहीं है। शनि के अशुभ फलों को नष्ट करने के लिए, जातक को मात्र शनि के उपायों का ही पालन करना चाहिए।

निष्कर्ष
आपकी पत्री में रतांध ग्रह / अर्द्ध-अंधे ग्रह से प्रभावित नहीं हैं।

अंधा ग्रह

कुन्डली में दशम भाव का बहुत महत्व होता है क्यों कि यह भाव कर्म से सम्बन्धित होता है। शारीरिक तौर पर यह भाव हड्डीयाँ, पीठ तथा घुटनो के जोड़ से सम्बन्धित है। इस भाव से ओहदा, कीर्ति, उद्योग, व्यापार, बड़ी पदवी की प्राप्ति, अधिकार, नौकरी, राज्य, सत्ता, ऐश्वर्य-भोग एवं प्रतिष्ठा का विचार किया जाता है। इस से सम्बन्धित रोग एंव विकार चर्म रोग तथा घुटनो का दर्द है। यदि टेवा में, 10वें घर में कोई भी ग्रह न हो अर्थात खाली हो या फिर 10वें घर में शत्रु ग्रह स्थित हो तो वह अंधा टेवा कहलाता है।
उदाहरण के तौर पर चंद्र-केतु, शनि-सूर्य, सूर्य-राहु आदि शत्रु ग्रह हैं। इस तरह के ग्रह 10वें भाव में होने से, अपना प्रभाव दूसरे ग्रहों कि शुभता पर डालते है और वह अशुभ फल में परिणत हो जाते हैं।

निष्कर्ष
आपकी पत्री में अंधा ग्रह से प्रभावित हैं।

नाबालिग ग्रहों से प्रभावित हैं।

लाल किताब के अनुसार चंद कुन्डली कुछ हालतो में बारह साल की उम्र तक नाबालिक टेवे होते है। इस तरह कि कुन्डली वाले जातक की किस्मत 12 साल तक शक्की होती है। एसे बालक के जीवन पर 12 साल तक, कुन्डली का नहीं बलकि उसके पिछले जन्म के भाग्य के असर का प्रभाव रहता है। इस तरह कि कुन्डली के ग्रहों का प्रभाव उस नाबालिक के समान होता है, जो अपने परिवार के बड़ों पर निर्भर हैं और अपने बल पर ज्यादा कुछ हासिल नहीं कर सकता। वैसे ही नाबालिग टेवा में ग्रहों की स्तिथी अनुकूल होने

पर भी वह अपना पूर्ण शुभ फल प्रदान नहीं कर पाते।
यदि टेवा में प्रथम, चतुर्थ, सप्तम और दशम भाव (केंद्र स्थान) में कोई भी ग्रह न हो अर्थात खाली हो अथवा उनमें सिर्फ पापी ग्रह (शनि, राहु या केतु) हो, या फिर इनमें से किसी स्थानो में अकेला बुध स्थित हो, तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा कहलाता है। लाल किताब के अनुसार, नाबालिक टेवा वाले जातक के जीवन पर हरेक ग्रह का प्रभाव, प्रत्येक वर्ष, 12 साल की आयु तक निम्नलिखित अनुसार पड़ता है।
जातक को अपने जीवन पर इन ग्रहों से पड़ने वाले अशुभ फलों को शुभ फल में परिणत करने के लिए प्रत्येक वर्ष, उन ग्रहों का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष
आपकी पत्री में नाबालिग ग्रहों से प्रभावित नहीं हैं।

जातक की आयु	प्रभाव डालने वाला घर
1	सांतवें घर के ग्रह
2	चौथे घर के ग्रह
3	नौवें घर के ग्रह
4	दसवें घर के ग्रह
5	ग्यारहवें घर के ग्रह
6	तीसरे घर के ग्रह
7	दूसरे घर के ग्रह
8	पांचवें घर के ग्रह
9	छठे घर के ग्रह
10	बारहवें घर के ग्रह
11	पहले घर के ग्रह
12	आठवें घर के ग्रह

कुन्डली में कुछ ग्रहों की स्तिथी अनुकूल न होने के कारण जातक अपने जीवन में कई प्रकार से ऋणी हो जाता है। इस स्तिथी में जातक के विकास पर भी असर होता है क्यों कि उन दुषित ग्रहों के प्रभाव से शुभ ग्रह भी अपना अनुकूल फल देना बंद कर देते है। इसलिए इस तरह कि कुन्डली वाले जातको को चाहिए कि वह इन ऋण भार से अपने आप को मुक्त करें ताकि ग्रहों के शुभ फल पा सके एवं अपना शेष जीवन सुख पूर्वक व्यतीत कर सके। नीचे ऋणो के कई प्रकार एवं उनके लक्षण दिए गए हैं जिससे जातक के जीवन पर असर पड़ सकता है। साथ में एसी स्थिती के हाने पर उनके उपाय भी दिए गए हैं।

पितृ ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में शुक्र, बुध या फिर राहु, इनमें से कोई भी ग्रह दूसरे, पांचवे, नौंवे या बारहवें खाने में स्थित हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

पाप का कारणः- घर के पास बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना या फिर खानदान के कुल पुरोहित को बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना।

उपाय

1. कुल खानदान के हरेक सदस्य जहाँ तक खून का सम्बंध है (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन-बेटी, बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर का हिस्सा लेकर के उसी दिन मंदिर में दान कर देना।
2. पीपल के पेड़ पर 43 दिन लगातार जल चडाए।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में पितृ ऋण का दोष हैं। ऋण मुक्ति के लिए कृप्या ऊपर दिए उपाय का पालन करें।

स्वदोष ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में शुक्र, शनि, राहु या फिर केतु पांचवे खाने में स्थित हो तो जातक पर स्वदोष ऋण होता है।

पाप का कारणः- कुल के पुराने रस्मों-रिवाजों का पालन न करना या नास्तिक होना।

उपाय

1. कुल खानदान के हरेक सदस्य जहाँ तक खून का प्रभाव हो सबका बराबर का हिस्सा लेकर के सूर्य या विश्नू यज्ञ करना या हवन करना।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में स्वदोष ऋण का दोष हैं। ऋण मुक्ति के लिए कृप्या ऊपर दिए उपाय का पालन करें।

मातृ ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में केतु चौथे खाने में स्थित हो तो जातक पर मातृ ऋण होता है।

पाप का कारणः- अपनी संतान पैदा होने के बाद माता को दरबदर जुदा करना, दुर्व्यवहार करना या दुःखी करना या उनका खुद ही दुःखी हो जाने पर लापरवाही करना, उनके सुख-दुःख का ख्याल नही खरना।

उपाय

1. चाँदी का सिक्का लेकर उसे दरिया या बहते पानी में बहाया जाए।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में मातृ ऋण का दोष नहीं हैं।

भ्रातृ/पारिवारिक ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में बुध अथवा शुक्र प्रथम अथवा अष्टम खाने में स्थित हो तो जातक पर भ्रातृ/पारिवारिक ऋण होता है।

पाप का कारणः- किसी के पके हुए खेत को आग लगा देना या किसी का मकान बनने पर आग लगा देना। भाईयों या रिश्तेदारों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन एवं पारिवारिक त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

उपाय

1. किसी खैराती संस्था को दवाईयाँ दान करें।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में भ्रातृ/पारिवारिक ऋण का दोष नहीं हैं।

स्त्री ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में सूर्य, चंद्र या फिर राहु इनमें से कोई भी ग्रह दूसरे अथवा सातवें खाने में स्थित हो तो जातक पर स्त्री ऋण होता है।

पाप का कारणः- अपनी पत्नी या कुल की किसी स्त्री का किसी लालच या सम्बंध के कारण मार देना या किसी स्त्री को बच्चे जनने की हालत में किसी लालच के कारण जान से मार देना।

उपाय

1. 100 गायों को एक ही दिन में चारा खिलाएँ।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में स्त्री ऋण का दोष नहीं हैं।

कन्या/बहन ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में चंद्र तीसरे अथवा छठे खाने में स्थित हो तो जातक पर कन्या/बहन का ऋण होता है।

पाप का कारणः- किसी की लड़की या बहन की हत्या करना या हद से ज्यादा जुल्म करना। बहन का ख्याल न रखना या किसी लड़की को धोखा देना।

उपाय

1. पीले रंग की कौड़ियां खरीद कर एक जगह इकट्ठी करके जलाकर राख कर उसी दिन दरिया या बहते पानी में बहा दे।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में कन्या/बहन ऋण का दोष हैं। ऋण मुक्ति के लिए कृप्या ऊपर दिए उपाय का पालन करें।

क्रूर/जालिमाना ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में सूर्य, चंद्र या फिर मंगल, इनमें से कोई भी ग्रह दशम अथवा ग्यारहवें खाने में स्थित हो तो जातक पर क्रूर/जालिमाना ऋण होता है।

पाप का कारणः- किसी का मकान अथवा जमीन धोखेसे ले लेना, उसकी कीमत किसी तरह भी अदा न करना।

उपाय

1. 100 मजदूरों को अथवा अलग-अलग जगह की 100 मछलियों को एक ही दिन में खाना खिलाएँ।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में क्रूर/जालिमाना ऋण का दोष हैं। ऋण मुक्ति के लिए कृप्या ऊपर दिए उपाय का पालन करें।

अजन्म/पैदा न हुए का ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में सूर्य, शुक्र अथवा मंगल, इनमें से कोई भी ग्रह बारहवें खाने में स्थित हो तो जातक पर आजन्मकृत ऋण होता है।

पाप का कारणः- ससुराल से धोखा या आपसी रिश्तेदारी में धोखा फरेब की घटनाएँ, ऐसे ढंग से कि दूसरों का कुल ही तबाह हो गया हो।

उपाय

1. एक नारियल लेकर उसी दिन दरिया या बहते पानी में बहा दे।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में अजन्म/पैदा न हुए का ऋण का दोष नहीं हैं।

प्रकृती ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में चंद्र या फिर मंगल छठे खाने में स्थित हो तो जातक पर प्रकृती/कुदरती ऋण होता है।

पाप का कारणः- कुत्तों को मारना या मरवाना, बदचलनी या अपने भतीजे से धोखा करना, ऐसे ढंग से कि हद से अधिक तबाही हो जाए।

उपाय

1. 100 कुत्तों को एक ही दिन में खाना खिलाएँ।
2. किसी विदवाह की सेवा करके उसका आशीर्वाद प्राप्त करें।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में प्रकृती ऋण का दोष हैं। ऋण मुक्ति के लिए कृप्या ऊपर दिए उपाय का पालन करें।

सूर्य ग्रह का प्रभाव

ग्यारहवें घर में बृहस्पति का भी प्रभाव रहता है इसलिए इस भाव में सूर्य की स्थिति यह दर्शाती है कि धार्मिक होने से आपका भाग्य उन्नत होगा। शराब, मांस, अण्डे के सेवन से आमदनी में बाधा उत्पन्न होगी। मांस खाने से पुत्र सुख में बाधा उत्पन्न हा सकती है। लड़ाई-झगड़ा एवं गालियां देना आपके अनुकूल नहीं है तथा वायदा करके मुकरना ठीक नहीं है अतः वादा करके न मुकरें।

उपाय

1. रात को मूली सिरहाने रखकर सुबह मन्दिर में दान करें।
2. शराब न पीएं एवं मांसाहार भोजन न करें।
3. झूठ न बोलें।

चन्द्र ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली के छठे घर में चंद्रमा की स्थिति यह दर्शाती है कि आपको मातृ सुख की कमी हो सकती है । योजनाएँ बनाना तथा जन साधारण के लिए कुएं बनवाना आपके लिए हानिकारक होगा परंतु श्मशान एवं अस्पतालों में पानी का प्रबंध करना आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा। आपके जीवन-साथी की आँख में कुछ खराबी आ सकती है तथा कोर्ट कचहरी के चक्कर भी आपको परेशान कर सकते हैं अतः हर कार्य सोच समझकर करेंगे तो लाभ होगा।

उपाय

1. पुत्र सुख हेतु खरगोश पालें अथवा खरगोश को चारा खिलाएं।
2. मन्दिर में चने की दाल व चीनी का दान करते रहें।
3. दूध एवं चांदी किसी को भी न दें।

मंगल ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म पत्रिका के पहले खाने में स्थित मंगल यह उजागर करता है कि बुराई से दूर रहने पर

आपका सितारा बुलंद होगा । आपके माथे पर चोट का निशान हो सकता है। आप प्रत्येक व्यक्ति के साथ भलाई करते हैं । इस घर का मंगल मांगलिक योग बना रहा है। जिसकी वजह से आपमें क्रोध स्वाभाविक रूप से आ जाता है। आप साधु संतों की संगति के शौकीन हैं। आपको मुफ्त में चीजें मिलती रहती हैं। वाहन का सुख मनोनुकूल नहीं मिलेगा। सलाहकार का कार्य करने से आपको लाभ होगा।

उपाय

1. कभी भी झूठ न बोलें।
2. किसी से कभी भी कोई चीज मुफ्त न लें।
3. भोजन का लंगर कराते रहें।
4. साधु-सन्यासियों की संगति न करें।

बुध ग्रह का प्रभाव

बारहवें घर में बुध की स्थिति यह दर्शाती है कि आपका भाग्य आपका साथ नहीं देता जिसकी वजह से मानसिक स्थिति अस्थिर रहती है। यदि सूर्य का साथ है तो स्थिति में सुधार होने की उम्मीद बनती है। 25 वें वर्ष में विवाह करना भाग्य की दृष्टि से शुभ नहीं होगा। सट्टे अथवा जुएँ के कार्य आपको हानि देंगे। गले में किसी किस्म की माला धारण न करें, ऐसा करने से मान हानि की आशंका रहेगी।

उपाय

1. मिट्टी का खाली घड़ा ढक्कन सहित बाजार से खरीदकर बहती नदी में जल प्रवाह करें।
2. क्रोध आपके विनाश का कारण बन सकता है एंव क्रोध न करें।
3. सबसे छोटी अगुंली में बिना जोड़ का स्टील का छल्ला धारण करें।
4. माथे पर हल्दी का तिलक लगाएं।

गुरु ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली में बृहस्पति ग्रह पाँचवें घर में होने से अच्छा फल देगा क्योंकि यह गुरु का पक्का घर है । आप ऐश्वर्यशाली होंगे एवं अपने सौभाग्य से जीवन में खूब उन्नति करेंगे। 16 वें वर्ष से आपका

भाग्य साथ देने लगेगा । संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे । आप बुद्धिमान हैं तथा अनेक विद्याओं में प्रवीण हो सकते हैं । राजपक्ष के बड़े अधिकारियों से शत्रुता न रखें । मांसाहार एवं आलस्य का त्याग करें, जिससे आपके जीवन में अच्छी उन्नति होगी ।

उपाय

1. किसी से कोई भी वस्तु मुफ्त न लें।
2. धार्मिक स्थलों एवं सार्वजनिक स्थलों पर सेवा करें।
3. विशेषतया गणपति देवता की पूजा अर्चना करते रहें।

शुक्र ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली में शुक्र खाना नं. ग्यारह में होने से आपको गुप्त रोगों के प्रति सावधानी रखनी चाहिए तथा गलत संगति में नहीं पड़ना चाहिए । शादी के बाद काली गाय का दान करें, । आपको कन्या संतान की प्राप्ति अधिक हो सकती है । आपकी धर्मपत्नी सौभाग्यवती हैं एवं देवी की उपासना करने से आपको हर तरफ से लाभ होगा । जीवन में आप कई आय स्रोतों से धन प्राप्त करेंगे । आपकी स्त्री के सहयोग से आपके धन में वृद्धि होगी ।

उपाय

1. प्रत्येक कार्य को करने से पूर्व अपने पैर अवश्य धोएं।
2. शनि की शान्ति के लिए सरसों का तेल दान करें।
3. रुई अथवा दही का दान करें।
4. कपिला गाय का पालन करें।

शनि ग्रह का प्रभाव

शनि खाना नं. चार में होने से सुख में वृद्धि होती रहेगी । क्रोध, अहंकार करना आपके लिए अच्छा नहीं है । रात्रि के समय मकान, वाहन, जायदाद इत्यादि का कार्य प्रारंभ न करें, । आप स्त्रियों के प्रेम से घिरे रहेंगे लेकिन जीवन की मध्यावस्था से आप धार्मिक तथा संयमी होंगे । माता का स्वास्थ्य कुछ खराब रहेगा ।

उपाय

1. मजदूरों को दान देते रहें।
2. कौओं तथा मछलियों को रोटी ,आटे की गोली दान करें।
3. काले रंग के कपड़े न पहनें, हो सके तो हरे रंग से भी परहेज करें।

राहु ग्रह का प्रभाव

खाना नं. पाँच में राहु की स्थिति यह दर्शाती है कि आपका मन चंचलता से युक्त होगा। अनावश्यक कार्यों में आप अपना समय व्यर्थ व्यतीत करेंगे। अध्ययन में आपकी कम रुचि रहेगी एवं बाधाएँ भी आ सकती हैं। संतान सुख भी विलम्ब से हो सकता है। जीवन में आगे चलकर आपके मन में धार्मिक ज्ञान का उदय होगा। माताजी के लिए अच्छा असर रहेगा । आपको धन का सुख मिलेगा। स्वास्थ्य कमजोर पड़ सकता है एवं नेत्रों में परेशानी हो सकती है। आपके स्वभाव में स्थिरता कम रहेगी।

उपाय

1. अपनी पत्नी के अलावा दूसरी औरतों से नाजायज सम्बन्ध न रखें।
2. चांदी के हाथी की प्रतिमा घर में रखें।
3. लापरवाही से परहेज करें।
4. दो से अधिक विवाह न करें।

केतु ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली के ग्यारहवें खाने में केतु होने से आप धन, वैभव से युक्त रहेंगे। जीवन में आप अपने आय स्रोत से अच्छा लाभ प्राप्त करेंगे । उदर सम्बन्धी परेशानी हो सकती है। संतान पक्ष से कुछ परेशानी रहेगी तथा नेत्रों में विकार होने की आशंका रहेगी। सरकारी कार्यों से आपको लाभ रहेगा। आप अपनी मेहनत से उत्तम मान-सम्मान तथा पद प्रतिष्ठा आदि को प्राप्त करेंगे।

उपाय

1. बन्दरों को गुड़ खिलाएँ।
2. बृहस्पति का उपाय करें।
3. गणपति का पूजन करें।
4. अपना चाल-चलन उत्तम रखें।

वर्ष 2019 - 2020

लाल किताब वर्ष कुण्डली

जन्म लग्न

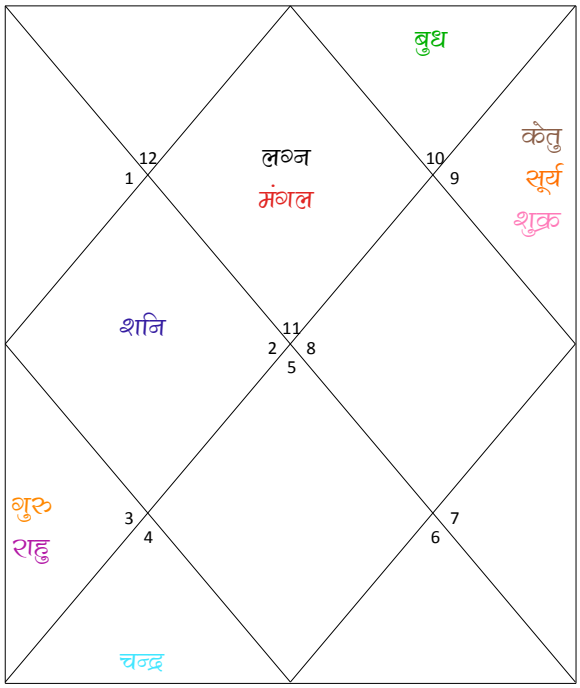

लाल किताब कुण्डली

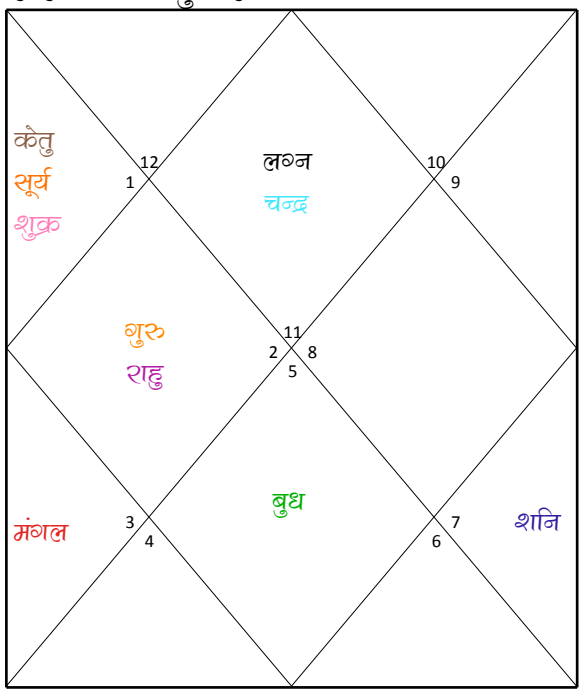

लाल किताब उपाय

ग्रह	उपाय
सूर्य	माँ अथवा माँ समान औरतों के चरण छूकर आर्शीवाद लेते रहें। उनका मान सम्मान करें।
चन्द्र	बच्चों के साथ नदी पार करते समय कुछ सिक्के नदी में गिरा दें। चाँदी के गिलास में पानी पीने से धन, परिवार वृद्धि होगी।
मंगल	नीम का पेड़ लगाएँ। रात को पानी भरा गिलास सिरहाने रखकर सुबह किसी पेड़ या पौधे पर डाल दें। सम्भवता की जड़ पर डालें।
बुध	हीरा पहनें।
गुरु	शरीर पर कपड़े धारण करें, नहाते समय भी किसी को अपना नंगा बदन न दिखाएं। पीपल का वृक्ष लगाएँ या लगे पीपल पर जल चढ़ाया करें।
शुक्र	घर में संगीत, वाद्य यंत्र नाच गाना इत्यादि नियमित रूप से न करें ।
शनि	प्रतिदिन मंदिर जाएं।
राहु	किसी पवित्र नदी में स्नान करें।
केतु	गले में सोने की चेन पहनें।

नाम	Sample	अक्षांश	028.36.N	नक्षत्र	पुष्य-2
जन्म तिथि	01/01/2002 मंगलवार	रेखांश	077.12.E	योग	वैधृति
जन्म समय	10:00:00	विषुव काल	16: 21: 25	चन्द्र तिथि	2
जन्म स्थान	DELHI	सूर्योदय	7: 14: 26	अयनांश	23:53:6
भोग्य दशा	शनि 9व 6मा 23दि	सूर्यास्त	17: 35: 57	नामाक्षर	हे

जन्म लग्न

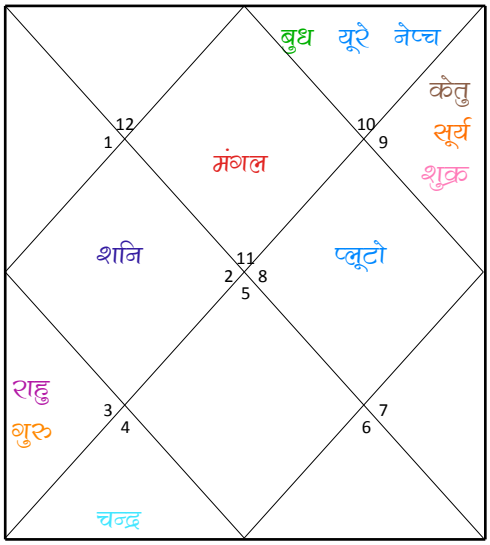

चलित

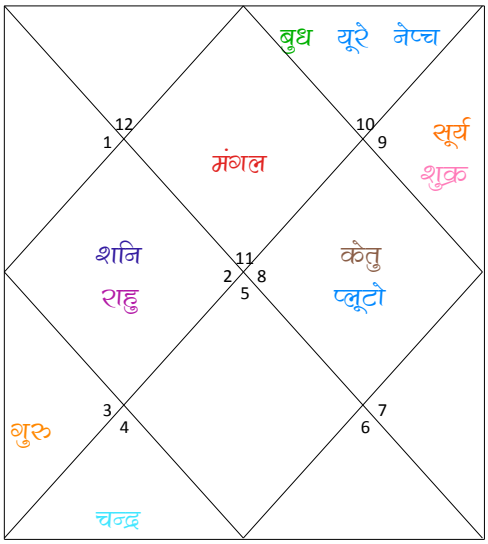

Nadi Co_Ordinates

ग्रह	केतु	2,4,5,7,9,10,11	चन्द्र	6	गुरु	2,5,11
नक्षत्र स्वामी	केतु	2,4,5,7,9,10,11	शनि	1,4,12	राहु	2,4,5,7,8,9,11,12
उपस्वामी	सूर्य	7,11	शुक्र	4,9,11	शुक्र	4,9,11
ग्रह	शुक्र	4,9,11	मंगल	1,3,10	शनि	1,4,12
नक्षत्र स्वामी	शुक्र	4,9,11	गुरु	2,5,11	चन्द्र	6
उपस्वामी	शुक्र	4,9,11	शनि	1,4,12	गुरु	2,5,11
ग्रह	सूर्य	7,11	राहु	2,4,5,7,8,9,11,12	बुध	5,8,12
नक्षत्र स्वामी	शुक्र	4,9,11	मंगल	1,3,10	सूर्य	7,11
उपस्वामी	चन्द्र	6	शुक्र	4,9,11	गुरु	2,5,11
ग्रह	यूरे	12	नेप्च	2,12	प्लूटो	10
नक्षत्र स्वामी	मंगल	1,3,10	चन्द्र	6	बुध	5,8,12
उपस्वामी	शनि	1,4,12	राहु	2,4,5,7,8,9,11,12	सूर्य	7,11

विंशोत्तरी दशा

शनि	24/07/92 - 24/07/11
बुध	24/07/11 - 24/07/28
केतु	24/07/28 - 24/07/35
शुक्र	24/07/35 - 24/07/55
सूर्य	24/07/55 - 24/07/61
चन्द्र	24/07/61 - 24/07/71
मंगल	24/07/71 - 24/07/78
राहु	24/07/78 - 24/07/96
गुरु	24/07/96 - 24/07/12

अन्तरदशा

बुध चन्द्र	23/08/18-23/01/20
बुध मंगल	23/01/20-19/01/21
बुध राहु	19/01/21-09/08/23
बुध गुरु	09/08/23-14/11/25
बुध शनि	14/11/25-24/07/28
केतु केतु	24/07/28-20/12/28
केतु शुक्र	20/12/28-19/02/30
केतु सूर्य	19/02/30-27/06/30
केतु चन्द्र	27/06/30-26/01/31

(प्रत्यंतर)

बु चं बु	21/06/19-03/09/19
बु चं के	03/09/19-03/10/19
बु चं शु	03/10/19-28/12/19
बु चं सू	28/12/19-23/01/20
बु मं मं	23/01/20-13/02/20
बु मं रा	13/02/20-07/04/20
बु मं गु	07/04/20-26/05/20
बु मं श	26/05/20-22/07/20
बु मं बु	22/07/20-11/09/20
बु मं के	11/09/20-02/10/20
बु मं शु	02/10/20-02/12/20
बु मं सू	02/12/20-20/12/20
बु मं च	20/12/20-19/01/21
बु रा रा	19/01/21-08/06/21
बु रा गु	08/06/21-10/10/21
बु रा श	10/10/21-06/03/22
बु रा बु	06/03/22-16/07/22
बु रा के	16/07/22-09/09/22
बु रा शु	09/09/22-11/02/23
बु रा सू	11/02/23-30/03/23
बु रा च	30/03/23-15/06/23
बु रा मं	15/06/23-09/08/23
बु गु गु	09/08/23-27/11/23
बु गु श	27/11/23-06/04/24

Pla	Sgn	Deg	Lrd	N.L.	S.L.	SSL
सूर्य	धनु	16:41'39''	गुरु	शुक्र	चन्द्र	गुरु
चन्द्र	कर्क	09:57'29''	चन्द्र	शनि	शुक्र	बुध
मंगल	कुम्भ	23:08'17''	शनि	गुरु	शनि	चन्द्र
बुध	मकर	01:59'39''	शनि	सूर्य	गुरु	केतु
गुरु-व	मिथुन	16:45'38''	बुध	राहु	शुक्र	शनि
शुक्र	धनु	13:31'00''	गुरु	शुक्र	शुक्र	शुक्र
शनि-व	वृष	15:25'53''	शुक्र	चन्द्र	गुरु	राहु
राहु-व	मिथुन	03:17'05''	बुध	मंगल	शुक्र	चन्द्र
केतु-व	धनु	03:17'05''	गुरु	केतु	सूर्य	गुरु
यूरे	मकर	28:35'11''	शनि	मंगल	शनि	केतु
नेप्च	मकर	13:34'13''	शनि	चन्द्र	राहु	सूर्य
प्लूटो	वृश्चिक	22:09'47''	मंगल	बुध	सूर्य	शुक्र

HNo	Sgn	Deg	Lrd	N.L.	S.L.	SSL
1	कुम्भ	2:4'14''	शनि	मंगल	केतु	सूर्य
2	मीन	13:2'31''	गुरु	शनि	राहु	राहु
3	मेष	16:41'38''	मंगल	शुक्र	चन्द्र	गुरु
4	वृष	13:17'36''	शुक्र	चन्द्र	राहु	शुक्र
5	मिथुन	6:51'10''	बुध	राहु	राहु	राहु
6	कर्क	1:25'54''	चन्द्र	गुरु	राहु	राहु
7	सिंह	2:4'14''	सूर्य	केतु	शुक्र	गुरु
8	कन्या	13:2'31''	बुध	चन्द्र	राहु	बुध
9	तुला	16:41'38''	शुक्र	राहु	शुक्र	शनि
10	वृश्चिक	13:17'36''	मंगल	शनि	राहु	गुरु
11	धनु	6:51'10''	गुरु	केतु	राहु	शुक्र
12	मकर	1:25'54''	शनि	सूर्य	गुरु	गुरु

ॐ श्री गणेशाय नमः

नाम	Sample
लिंग	पुरुष
जन्म तिथि	01/01/2002
दिन वार	मंगलवार
जन्म समय	10:00:00
विषुव काल	16: 21: 25
भोग्य दशा	शनि 9व 6मा 23दि
लग्न	कुम्भ
राशि	कर्क
नक्षत्र	पुष्य

जन्म स्थान	DELHI
अक्षांश	028.36.m
रेखांश	077.12.i
स्थानीय समय	09:38:48
स्थानीय तिथि	01/01/2002
चन्द्र तिथि	2
चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:6
लग्नेश	शनि
राशीश	चन्द्र
नक्षत्र स्वामी	शनि

भाव	राशि	अंश	नक्षत्र स्वामी	उपस्वामी	
1	कुम्भ	2:4'14''	मंगल	केतु	सूर्य
2	मीन	13:2'31''	शनि	राहु	राहु
3	मेष	16:41'38''	शुक्र	चन्द्र	गुरु
4	वृष	13:17'36''	चन्द्र	राहु	शुक्र
5	मिथुन	6:51'10''	राहु	राहु	राहु
6	कर्क	1:25'54''	गुरु	राहु	राहु
7	सिंह	2:4'14''	केतु	शुक्र	गुरु
8	कन्या	13:2'31''	चन्द्र	राहु	बुध
9	तुला	16:41'38''	राहु	शुक्र	शनि
10	वृश्चिक	13:17'36''	शनि	राहु	गुरु
11	धनु	6:51'10''	केतु	राहु	शुक्र
12	मकर	1:25'54''	सूर्य	गुरु	गुरु

ग्रहादि अंश

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र स्वामी	उपस्वामी	
सूर्य	धनु	16:41'39''	शुक्र	चन्द्र	गुरु
चन्द्र	कर्क	09:57'29''	शनि	शुक्र	बुध
मंगल	कुम्भ	23:08'17''	गुरु	शनि	चन्द्र
बुध	मकर	01:59'39''	सूर्य	गुरु	केतु
गुरु-व	मिथुन	16:45'38''	राहु	शुक्र	शनि
शुक्र	धनु	13:31'00''	शुक्र	शुक्र	शुक्र
शनि-व	वृष	15:25'53''	चन्द्र	गुरु	राहु
राहु-व	मिथुन	03:17'05''	मंगल	शुक्र	चन्द्र
केतु-व	धनु	03:17'05''	केतु	सूर्य	गुरु
यूरे	मकर	28:35'11''	मंगल	शनि	केतु
नेप्च	मकर	13:34'13''	चन्द्र	राहु	सूर्य
प्लूटो	वृश्चिक	22:09'47''	बुध	सूर्य	शुक्र
फॉरच्यूना	सिंह	25:20'04''	शुक्र	बुध	राहु

जन्म लग्न

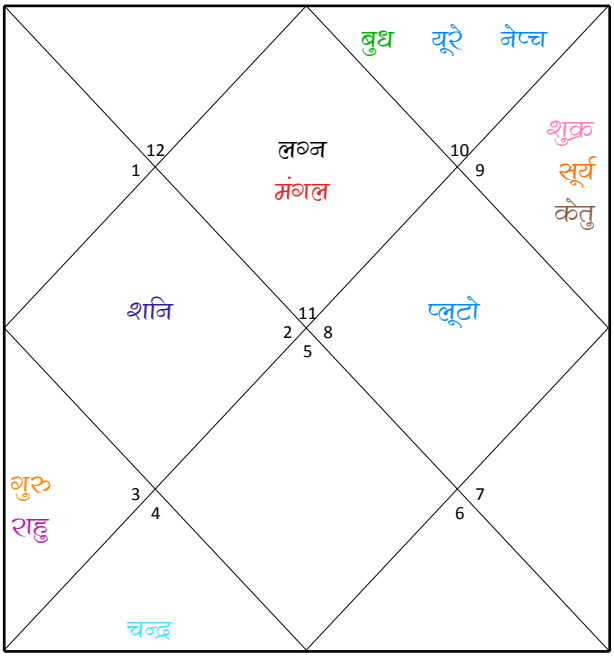

चलित

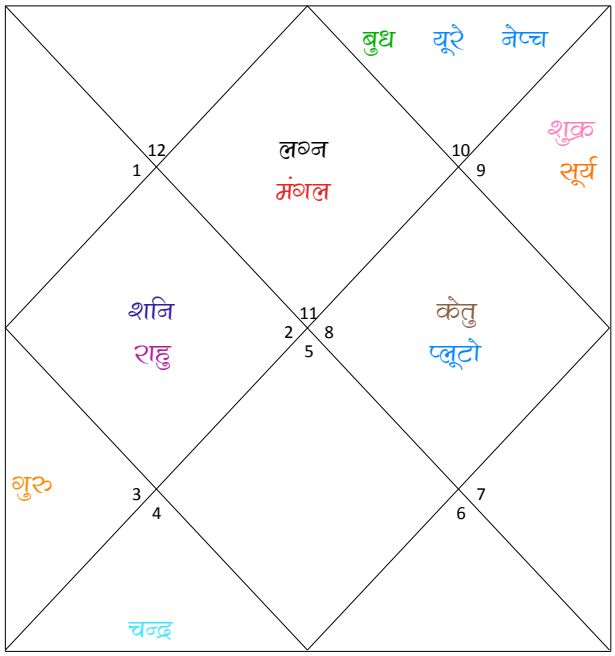

Co_Ordinates Of Planets

ग्रह	केतु 2,4,5,7,9,10,11	चन्द्र 6	गुरु 2,5,11	यूरे 12
नक्षत्र स्वामी	केतु 2,4,5,7,9,10,11	शनि 1,4,12	राहु 2,4,5,7,8,9,11,12	मंगल 1,3,10
उपस्वामी	सूर्य 7,11	शुक्र 4,9,11	शुक्र 4,9,11	शनि 1,4,12
ग्रह	शुक्र 4,9,11	मंगल 1,3,10	शनि 1,4,12	नेप्च 2,12
नक्षत्र स्वामी	शुक्र 4,9,11	गुरु 2,5,11	चन्द्र 6	चन्द्र 6
उपस्वामी	शुक्र 4,9,11	शनि 1,4,12	गुरु 2,5,11	राहु 2,4,5,7,8,9,11,12
ग्रह	सूर्य 7,11	राहु 2,4,5,7,8,9,11,12	बुध 5,8,12	प्लूटो 10
नक्षत्र स्वामी	शुक्र 4,9,11	मंगल 1,3,10	सूर्य 7,11	बुध 5,8,12
उपस्वामी	चन्द्र 6	शुक्र 4,9,11	गुरु 2,5,11	सूर्य 7,11

PLANET - SUB LORD OF HOUSE NO. / DASA PERIODS

केतु	1 24/07/2028-24/07/2035	चन्द्र	3 24/07/2061-24/07/2071	गुरु	12 24/07/2096-24/07/2112
शुक्र	7,9 24/07/2035-24/07/2055	मंगल	 24/07/2071-24/07/2078	शनि	 24/07/1992-24/07/2011
सूर्य	 24/07/2055-24/07/2061	राहु	2,4,5,6,8,10,11 24/07/2078-24/07/2096	बुध	 24/07/2011-24/07/2028

ॐ श्री गणेशाय नमः

नाम	Sample
लिंग	पुरुष
जन्म तिथि	01/01/2002
दिन वार	मंगलवार
जन्म समय	10:00:00
विषुव काल	16: 21: 25
भोग्य दशा	शनि 9व 6मा 23दि
लग्न	कुम्भ
राशि	कर्क
नक्षत्र	पुष्य

जन्म स्थान	DELHI
अक्षांश	028.36.m
रेखांश	077.12.i
स्थानीय समय	09:38:48
स्थानीय तिथि	01/01/2002
चन्द्र तिथि	2
चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:6
लग्नेश	शनि
राशीश	चन्द्र
नक्षत्र स्वामी	शनि

भाव	राशि	अंश	स्वामी	नक्षत्र स्वामी	उपस्वामी	
1	कुम्भ	2:4'14''	शनि	मंगल	केतु	सूर्य
2	मीन	13:2'31''	गुरु	शनि	राहु	राहु
3	मेष	16:41'38''	मंगल	शुक्र	चन्द्र	गुरु
4	वृष	13:17'36''	शुक्र	चन्द्र	राहु	शुक्र
5	मिथुन	6:51'10''	बुध	राहु	राहु	राहु
6	कर्क	1:25'54''	चन्द्र	गुरु	राहु	राहु
7	सिंह	2:4'14''	सूर्य	केतु	शुक्र	गुरु
8	कन्या	13:2'31''	बुध	चन्द्र	राहु	बुध
9	तुला	16:41'38''	शुक्र	राहु	शुक्र	शनि
10	वृश्चिक	13:17'36''	मंगल	शनि	राहु	गुरु
11	धनु	6:51'10''	गुरु	केतु	राहु	शुक्र
12	मकर	1:25'54''	शनि	सूर्य	गुरु	गुरु

ग्रहादि अंश

ग्रह	राशि	अंश	स्वामी	नक्षत्र स्वामी	उपस्वामी	
सूर्य	धनु	16:41'39''	गुरु	शुक्र	चन्द्र	गुरु
चन्द्र	कर्क	09:57'29''	चन्द्र	शनि	शुक्र	बुध
मंगल	कुम्भ	23:08'17''	शनि	गुरु	शनि	चन्द्र
बुध	मकर	01:59'39''	शनि	सूर्य	गुरु	केतु
गुरु-व	मिथुन	16:45'38''	बुध	राहु	शुक्र	शनि
शुक्र	धनु	13:31'00''	गुरु	शुक्र	शुक्र	शुक्र
शनि-व	वृष	15:25'53''	शुक्र	चन्द्र	गुरु	राहु
राहु-व	मिथुन	03:17'05''	बुध	मंगल	शुक्र	चन्द्र
केतु-व	धनु	03:17'05''	गुरु	केतु	सूर्य	गुरु
यूरे	मकर	28:35'11''	शनि	मंगल	शनि	केतु
नेप्च	मकर	13:34'13''	शनि	चन्द्र	राहु	सूर्य
प्लूटो	वृश्चिक	22:09'47''	मंगल	बुध	सूर्य	शुक्र
फॉरच्यूना	सिंह	25:20'04''	सूर्य	शुक्र	बुध	राहु

Sample

भाव सूचक

भाव	निवासी के नक्षत्र में स्थित ग्रह	निवासी ग्रह	अधिपति के नक्षत्र में ग्रह	
1	राहु	मंगल	चन्द्र	शनि
2			मंगल	गुरु
3			राहु	मंगल
4	चन्द्र गुरु	शनि राहु	सूर्य शुक्र	शुक्र
5	मंगल	गुरु		बुध
6	शनि	चन्द्र	शनि	चन्द्र
7			बुध	सूर्य
8				बुध
9			सूर्य शुक्र	शुक्र
10	केतु	केतु	राहु	मंगल
11	बुध सूर्य शुक्र	सूर्य शुक्र	मंगल	गुरु
12		बुध	चन्द्र	शनि

ग्रह	भावो के सूचक
सूर्य	4,7,9,11,11
चन्द्र	1,4,6,6,12
मंगल	1,2,3,5,10,11
बुध	5,7,8,11,12
गुरु	2,4,5,11
शुक्र	4,4,9,9,11,11
शनि	1,4,6,6,12
राहु	1,3,4,10
केतु	10,10

च्संदमज ोचमबज वद च्संदमज

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	फॉरच्यूना
सूर्य					179					
चन्द्र			136							
मंगल						69				177
बुध									28	
गुरु	180						31			
शुक्र		153								
शनि	148			133		151				
राहु				151					180	
केतु		143						180		
फॉरच्यूना		45	182		68					

च्संदमज ोचमबज वद ब्नेच

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
सूर्य	45	86	119	146								
चन्द्र								63		123	146	
मंगल												
बुध	30	71		131		179						359
गुरु							45	86	119	146		
शुक्र		89	123	149								
शनि				357		46	76	117	151	177		
राहु						28	58		133			
केतु	58		133									28
फॉरच्यूना												

Conj.	Conjunction	+- 3	Degree	Trine	Trine [120]	+- 4	Degree
S.Sex	Semi Sextile [30]	+- 3	Degree	Sqin.	Sesquinquadrate [135]	+- 4	Degree
S.Sqr	Semi Square [45]	+- 3	Degree	Bqin.	Biquintile [145]	+- 3	Degree
Sextile	Sextile [60]	+- 5	Degree	Qinc.	Quincunx [150]	+- 4	Degree
Quintile	Quintile [72]	+- 5	Degree	Opp.	Opposition [180]	+- 3	Degree
Square	Square [90]	+- 5	Degree				

मुख्य सूचक ग्रह

जन्म लग्न

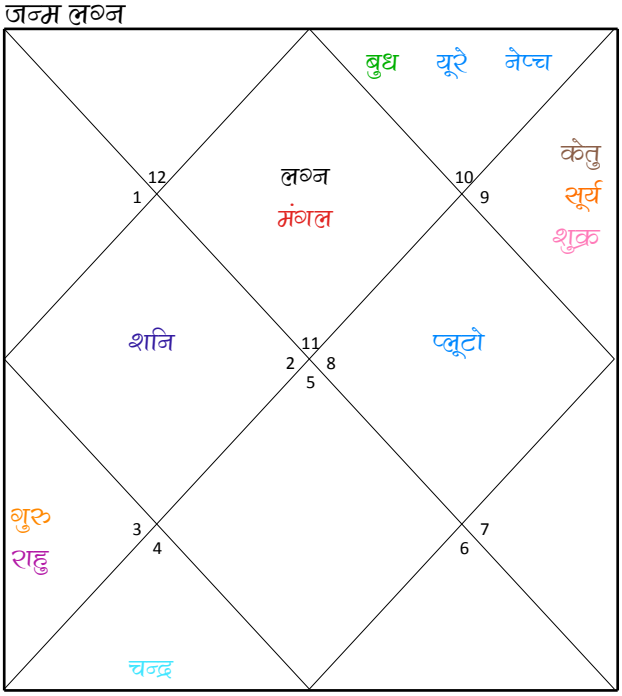

चलित

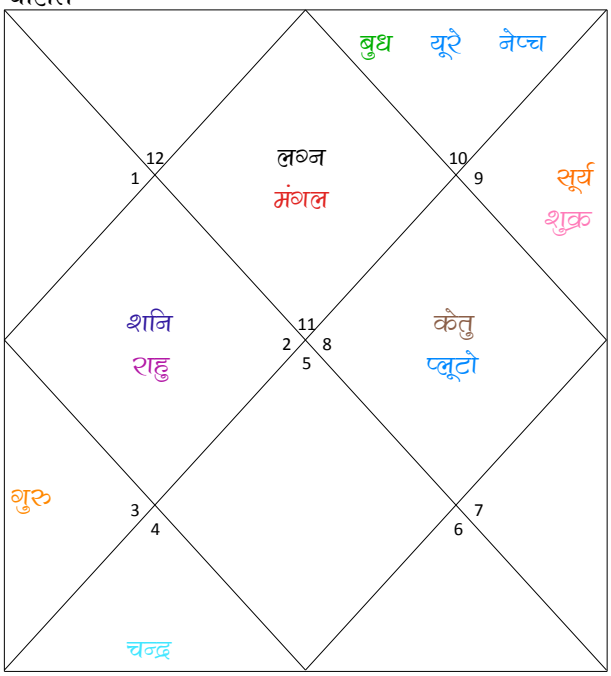

मुख्य सूचक ग्रह

	भावो के सूचक		भावो के सूचक
सूर्य	4]7]9]11	चन्द्र	1]4]6]12
चन्द्र	1]4]6]12	शुक्र	4]9]11
मंगल	1]2]3]5]10]11	शनि	1]4]6]12
बुध	5]7]8]11]12	गुरु	2]4]5]11
गुरु	2]4]5]11	शुक्र	4]9]11
शुक्र	4]9]11	शुक्र	4]9]11
शनि	1]4]6]12	गुरु	2]4]5]11
राहु	1]3]4]10	शुक्र	4]9]11
केतु	10	सूर्य	4]7]9]11

अधिपतिग्रह

लग्न-उपाधिपति	केतु
लग्न-नक्षत्राधिपति	मंगल
लग्नाधिपति	शनि
चंद्र-उपाधिपति	शुक्र
चंद्र-नक्षत्राधिपति	शनि
चंद्राधिपति	चन्द्र
दिन का स्वामी	मंगल